Vol.22, Issue 10 | Annual Subscription ₹ 480

@NewsRotary
/RotaryNewsIndia

अगस्त 2023

रोटरी समाचार

भारत
www.rotarynewsonline.org

Rotary

ADVT.

A Project by
Rotary Club of Virudhunagar Dist-3212

CREATE HOPE in the WORLD

RYLA

Be an Entrepreneur

Certification in Entrepreneurship

Rotary

Who Can Participate in RYLA?

Rotaractors | Third & Fourth Year UG Students
First & Second Year PG Students
Graduates & Post Graduates between ages 18 and 28

A Comprehensive **ENTREPRENEURSHIP DEVELOPMENT WORKSHOP** in 3500 Minutes

To build and groom young Entrepreneurs

Only **32** Participants Per Batch

Stop searching jobs
Start producing jobs

- Formula to Choose the Right Business
- Procuring Investments at Ease
- Productive People Management
- Digital & Organic Marketing Strategies
- Profit Making Techniques
- Showstopper Business Plans

The Top 2 Performers of Each Batch FLY TO SINGAPORE (Industrial Visit) Free of Cost.

On Board **812** Through 26 Editions

LEKHA ads/July 23/ Rotary/1

BUSINESS PLAN | POWER SPEAKERS | CONTINUOUS HANDHOLDING | INVESTORS MEET | LOT MORE SURPRISES

UPCOMING BATCH DATES

Batch 28 : 18th, 19th & 20th AUG, 2023
Batch 29 : 15th, 16th & 17th SEP, 2023
Batch 30 : 19th, 20th & 21st OCT, 2023
Batch 31 : 17th, 18th & 19th NOV, 2023

INVESTMENT - Rs.2500 Only
(Incl. Accommodation / Food / T-Shirt / Certification / E-Book / CREA Programs)

VENUE
Hotel St.Antony's Residency
Sipcot Industrial Growth Center
Gangaikondan, Tamilnadu

CONTACT FOR REGISTRATION: 94431 66650 / 94433 67248

PG | IDHAYAM PROMISE OF HEALTH AND HAPPINESS | Srinidhi Building Sustainable Relationship | K.V. Ramaswamy MEMORIAL TRUST

विषयसूची

12
बेंगलुरु के एक क्लब ने 214 आंगनवाड़ियों के नवीनीकरण पर ₹4 करोड़ से अधिक खर्च किए

20
रोटरी ने जैसलमेर के एक आदिवासी स्कूल में एक पुस्तकालय स्थापित किया

24
उम्मीद की किरण - जयपुर लिंब्स

30
ग्रामीण लड़कियों को स्पोकन इंग्लिश का उपहार

32
हृदय की जटिल सर्जरी के बावजूद मिनी मैराथन जीता

34
रोटरी ने ठाणे में एक बांस का बस स्टॉप उपहार में दिया

38
उनके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए युवा से जुड़ें: बेनर्जी

48
अध्ययन का उपहार

52
भारत में 7 रोटरी मंडलों में नारी शक्ति

54
एक जैव विविधता पार्क

56
पोलियो समाप्ति के लिए अमेरिकी रोटेरियन की वैश्विक उड़ान

64
प्लास्टिक को ना कहें

68
सुशीला, दक्षिण की कोकिला

76
मस्तिष्क की सफाई

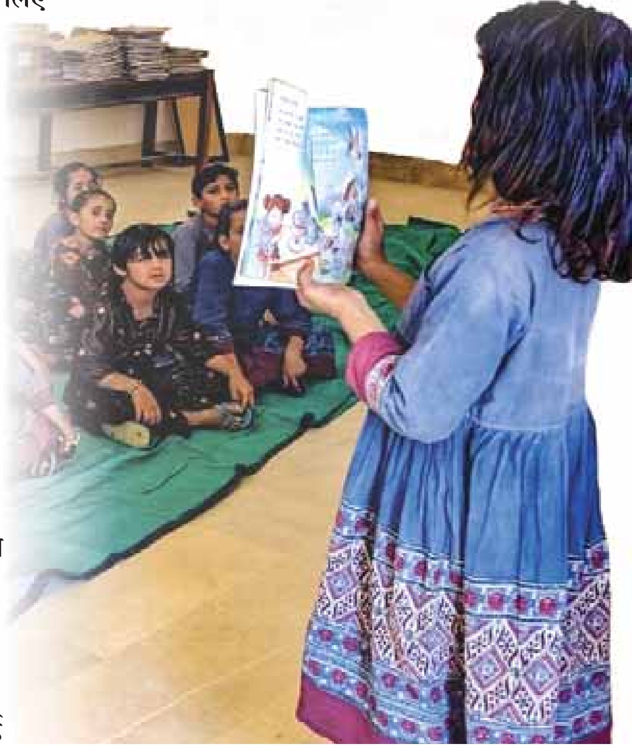

एक व्यावहारिक साक्षात्कार

राजू सुब्रमण्यन पर *एक ऊर्जावान, मुखर और यथार्थवादी रो ई निदेशक* का लेख बहुत ही बढ़िया है। उनके विचार एकदम उचित और सामयिक हैं। इस दिलचस्प लेख के लिए रशीदा भगत को धन्यवाद।

समीर ठक्कर
रोटरी क्लब भावनगर राउंड टाउन
मंडल 3060

राजू सबसे अच्छे रोटेरियन, सबसे अच्छे इंसान और सबसे अच्छे नेता है। रोटरी भारत को अपनी सार्वजनिक छवि में वृद्धि करने के लिए ऐसे दूरदर्शी नेता की आवश्यकता है।

ज्योति दाते
रोटरी क्लब डोंबिवली वेस्ट - मंडल 3141

मुझे रो ई निदेशक राजू और विद्या दोनों के नेतृत्व में काम करने का अवसर प्राप्त हुआ। मुझे याद है कि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर के रूप में राजू के कार्यकाल के दौरान मैं कैसे

जीएसई का उम्मीदवार था। मुझे लगता है कि उनके जैसा नेता भारत के लिए एक आशीर्वाद है। इस अंक में रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली और हेतर, आरआईडी अनिरुद्धा रॉयचौधरी और शिप्रा की दिलचस्प प्रोफाइल भी हैं। उपाख्यानों के साथ उनकी व्यक्तिगत कहानियाँ और वर्षों में उन्होंने जो काम किया है वह हमें प्रेरित करता है।

विवेक खंडेलवाल
रोटरी क्लब देवनार - मंडल 3141

रो ई अध्यक्ष ने की कार्यवाही की मांग

जुलाई अंक शानदार है। मुझे कवर पर रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली की सुंदर तस्वीर देखकर खुशी हुई। अपने संदेश कार्यवाही के लिए मेरा आह्वान में उन्होंने दुनिया में उम्मीद जगाने के लिए आंतरिक शांति निर्माण और इसके प्रसार पर जोर दिया। संपादक का संदेश रोटरी नेताओं के प्रकारों को अच्छी तरह से समझाता है और आगे एक सफल वर्ष की नई शुरुआत के लिए शुभकामनाएं देता है।

यह जानकार खुशी हुई कि रोटरी सम्मेलन 2024 सिंगापुर में आयोजित होने जा रहा है। रो ई निदेशक अनिरुद्धा रॉयचौधरी ने भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए परिवर्तन का आह्वान किया। टीआरएफ न्यासी अध्यक्ष बेरी रेसिन के संदेश में यह जानकर खुशी हुई कि टीआरएफ ने अब तक लाखों लाभार्थियों की सहायता की है और इस वर्ष उन्होंने टीआरएफ को देने के लिए 500 मिलियन डॉलर का लक्ष्य निर्धारित किया है। टीआरएफ न्यासी उपाध्यक्ष भरत पांड्या देने की खुशी को अच्छी तरह समझाते हैं।

मुख्य लेख अध्यक्ष *मेकिनली उम्मीद जगाने के लिए तैयार* दिलचस्प है और उनकी जीवनी को बयां करता है। अन्य लेख जैसे *भारत में रोटरी के टैलेंट पूल की पूर्ण क्षमता का उपयोग किया जाना अभी बाकी है* और *एक ऊर्जावान, मुखर और यथार्थवादी रो ई निदेशक* तथ्यों से भरपूर और सूचनात्मक है।

अन्य लेख जैसे रोटेरियन बदलाव के बहादुर, हम केवल एक उद्यान नहीं बनाना चाहते बल्कि एक पूरा जंगल बनाना चाहते है, पर्यावरण अनुकूल स्टोव और खुशहाल स्कूलों से खुश छात्रों तक सभी पढ़ने योग्य हैं। *साउथ एशिया की चकाचौंध* की तस्वीरें रंगीन है। पीआरआईपी कल्याण बेनर्जी द्वारा पीआरआईपी जोनाथन बाबाटुंडे मजियाम्बे को दी गई श्रद्धांजलि हमें उनके कार्यकाल के नेक काम का स्मरण करवाती है। मुझे संगीतकार ओपी नैय्यर की जीवन गाथा पढ़कर खुशी हुई।

फिलिप मुलाप्पोने एम टी
रोटरी क्लब त्रिवेंद्रम सबअर्बन - मंडल 3211

अपने पहले संदेश में रो ई अध्यक्ष मेकिनली के *दुनिया में उम्मीद जगाने* के आह्वान ने उचित प्रभाव डाला है। मुझे यकीन है अगर क्लब के नेता उनके शब्दों को गंभीरता से लेकर उसपर काम करते हैं तो हम निष्क्रियता को रोक सकते हैं।

आर मुरली कृष्ण
रोटरी क्लब बेरहामपुर - मंडल 3262

उपलब्धि के लिए बधाई

संपादक के संदेश के संदर्भ में एक अच्छी शुरुआत के लिए आपकी शुभकामनाएं उचित समापन की ओर ले जाएगी। हर साल सभी स्तरों पर नेतृत्व में परिवर्तन रोटरी की विशिष्टता है।

नवनिर्वाचित नेता GETS, PETS और SETS में भाग लेते हैं जहाँ वे सेवा करना सीखते हैं। अपने कार्यकाल के बाद भी विकसित होने वाले, प्रभावित करने वाले और एक प्रभाव पैदा करने वाले नेताओं की पहचान करना और सेवा के दौरान वंचितों के चेहरे पर मुस्कान लाने में उनकी सहायता करना एक विशेष अवसर है।

वी आर टी दोराईराजा
रोटरी क्लब तिरुचिरापल्ली - मंडल 3000

संपादक के संदेश में सभी स्तरों के नवनिर्वाचित रोटरी नेताओं के लिए उत्साही संदेश हैं। रो ई अध्यक्ष मेकिनली ने अपने संदेश *कार्यवाही के लिए मेरा*

आपके पत्र

आह्वान में सभी से मानसिक स्वास्थ्य परियोजनाओं को प्राथमिकता देने के लिए कहा।

के एम के मूर्ति
रोटरी क्लब सिकंदराबाद - मंडल 3150

सुंदर चित्रों वाली संपादक की जून की कवर स्टोरी मेकिनली के लिए रोटरी निरंतरता की बात है पढ़ने में दिलचस्प है। साथ ही रशीदा भगत का एक अन्य लेख *बड़े सपनों से कतराएं नहीं* हमें बड़े लक्ष्य रखने और प्रभावशाली परियोजनाओं को करने के लिए प्रेरित करता है। लेख *एस डी बर्मन दिलकश, जादुई, अद्भुत संगीतकार* इस महान संगीतकार के बारे में सूचनाओं से भरा हुआ है। संपादकीय टीम को बधाई।

एस एन षणमुगम
रोटरी क्लब पनरुति - मंडल 2981

टीसीए श्रीनिवास राघवन द्वारा लिखित लेख एलबीडब्ल्यू *कुछ यूँ हुआ...* के संदर्भ में मैं यह साझा करना चाहता हूँ कि मैं भी 1970 के दशक के अंत में अर्थशास्त्र के एक युवा स्नातकोत्तर के रूप में उसी स्थिति से गुजरा था। उनकी तरह मैं भी नहीं जानता था कि अपनी विश्वविद्यालय की शिक्षा पूरी करने के बाद आगे क्या करना है। उस समय का प्रसिद्ध मजाक यह था कि सिविल सेवाओं के अर्थशास्त्र के पेपर के ग्रेडर अंकों के मामले में बहुत सावधान होते थे, जिससे मेरे जैसे लोगों को अन्य विषयों का चयन करने के लिए मजबूर होना पड़ा।
परीक्षा में असफल होने के बाद, लेखक की तरह ही मैंने भी कानून में अपना हाथ आजमाया मगर असफल रहा।

एन अंश्री वेदी
रोटरी क्लब हैदराबाद मेगा सिटी - मंडल 3150

रोटेरियनों के लिए अपने अंतिम संदेश में सेवामुक्त अध्यक्ष जेनिफर जोन्स ने दुनिया भर के अनगिनत लोगों से मिले गर्मजोशी भरे स्वागत और शुभकामनाओं को याद किया।

एस मुनियांदी
रोटरी क्लब डिंडीगुल फोर्ट - मंडल 3000

अपने जून संदेश में सेवामुक्त टीआरएफ न्यासी अध्यक्ष इयान रायसली ने कहा कि ''यह हमारे हाथ में है कि हम अपनी दुनिया को सभी के लिए बेहतर बनाएं, खासकर गरीबों, कमजोरों और वंचितों के लिए। टीआरएफ के माध्यम से बदलाव लाने के लिए मैं नए न्यासी अध्यक्ष बेरी रेसिन की सफलता की कामना करता हूँ। रो ई अध्यक्ष मेकिनली का संदेश और संपादक का संदेश भी बहुत दिलचस्प था।

अभय किशोर संदवार
रोटरी क्लब धनबाद मिडटाउन - मंडल 3250

कवर पर: राजकुमारी रत्नावती गर्ल्स स्कूल, कनोई गांव, राजस्थान की एक छात्रा। इस स्कूल में रोटरी क्लब हैदराबाद स्मार्ट सिटी, रो ई मंडल 3150 और रोटरी क्लब जैसलमेर स्वर्ण नगरी, रो ई मंडल 3055 ने एक नई लाइब्रेरी स्थापित की है।

हम आपकी प्रतिक्रियाओं का स्वागत करते है। अपनी प्रतिक्रियाएं *rotarynews@rosaonline.org* या *rushbhagat@gmail.com* पर संपादक को मेल कीजिए। *rotarynewsmagazine@gmail.com* पर उच्च रेसोल्यूशन वाली तस्वीरें अपनी परियोजना के विवरण के साथ मेल कीजिए।

आपके क्लब/मंडल परियोजनाओं के संदेश, Zoom मीटिंग/वेबिनार पर जानकरी और उसके लिंक केवल संपादक को ई-मेल द्वारा *rushbhagat@gmail.com* या *rotarynewsmagazine@gmail.com* पर भेजे जाने चाहिए।

WhatsApp पर भेजे संदेशों पर विचार नहीं किया जाएगा।

अधिक रोटरी परियोजनाओं के बारे में पढ़ने के लिए हमरी वेब साइट *www.rotarynewsonline.org* पर Rotary News Plus पर क्लिक करें।

एक विचारोत्तेजक संपादकीय

जून अंक में न्यूयॉर्क के एक नए क्लब पर प्रकाश डालने वाला आपका संपादकीय, ''ए क्लब फॉर दी कैन्सल्ड,'' प्रभावशाली है। विभिन्न लोगों के विचारों में एक अपरिवर्तनीय असहमति होती है और हर किसी को विभिन्न सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक मुद्दों के बारे में अपने विचार प्रस्तुत करने का अधिकार है।

मखड़े होकर बोलनेफ की यह स्वतंत्रता लंदन के हाइड पार्क में भी देखी जाती है जहाँ पर कोई भी निडर होके स्वतंत्र रूप से अपनी राय व्यक्त कर सकता है। हमें नए विचारों के साथ अपडेट करते रहें। धन्यवाद।

राधेश्याम मोदी
रोटरी क्लब अकोला - मंडल 3030

एक बेबाक संदेश देने वाला जून अंक का संपादकीय, *खास बनो... उठो और आवाज़ उठाओ* हम सभी से आह्वान करता हैं कि किसी भी मुद्दों की गहराई में जाए बिना या उन पर सवाल उठाए बिना चीजों को स्वीकार न करें। ट्रांसजेंडरों की जीवन शैली में सुधार के माध्यम से उनके जीवन को बदलने की एक अनूठी परियोजना शुरू करने के लिए रोटरी क्लब कलकत्ता प्रेसीडेंसी को सलाम जिससे वे सम्मान के साथ रह सकेंगे और एक स्थायी आजीविका कमा सकेंगे।

रोटरी क्लब चेन्नई इंडस्ट्रियल सिटी के प्रोजेक्ट होप के अंतर्गत लिखित लेख *मानसिक स्वास्थ्य सुविधा को मिला नया रूप* प्रशंसनीय है।

राज कुमार कपूर
रोटरी क्लब रूपनगर - मंडल 3080

अध्यक्ष की ज़बानी

मोनिका लोज़िन्स्का

दुनिया की देखभाल

मेलबर्न में आयोजित 2023 रोटरी इंटरनेशनल कन्वेंशन में मैंने सभी रोटरी सदस्यों से दुनियाभर में मानसिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं को संबोधित करने के हमारे प्रयास में चैंपियन बनने के लिए कहा। इसमें एक दूसरे को अधिक समर्थित महसूस करवाना, मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की वकालत करना और उपचार तक पहुंच का विस्तार करने के लिए इस क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ संपर्क स्थापित करना शामिल है।

हम 1.4 मिलियन परस्पर जुड़े सामुदायिक नेताओं के एक अद्भुत वैश्विक नेटवर्क के रूप में विकसित हुए हैं - ऐसे नेता जो दुनिया में अच्छा करने की गहन प्रतिबद्धता साझा करते हैं। लेकिन रोटरी को केवल हमारे द्वारा की गई समुदाय की सेवा ही शक्तिशाली नहीं बनाती। हम अपने सदस्यों का स्वयं से परिचय कराकर और उनकी आंतरिक शक्ति को निखारकर एक दूसरे का समर्थन और सशक्तिकरण भी करते हैं। हम एक-दूसरे की परवाह करते है।

ये संबंध बहुत सार्थक हैं। अमेरिकी सर्जन जनरल ने हाल ही में अकेलेपन को सार्वजनिक स्वास्थ्य महामारी घोषित किया है। डॉ विवेक मूर्ति ने कहा, हमें सामाजिक संबंध स्थापित करने को उसी तरह प्राथमिकता देनी चाहिए जैसे हमने तंबाकू, मोटापा और मादक द्रव्यों के उपयोग संबंधी विकारों की तरह अन्य महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दों को प्राथमिकता दी है। इस तरह के सामाजिक संबंध स्थापित करने के लिए रोटरी ने पीढ़ियों से जो किया है मुझे उसपर गर्व है - और इस पत्रिका ने अकेलेपन और उससे निपटने के लिए रोटरी क्या कर सकती है, पर अपने जनवरी 2023 के अंक में ध्यान केंद्रित किया है।

हमारे विश्वव्यापी समुदाय और स्वयं से ऊपर सेवा को प्राथमिकता देने वाले हमारे मूल्य मानसिक स्वास्थ्य के लिए रोटरी को एक शक्तिशाली पक्षधर साबित करते हैं। हाल ही में प्रकाशित ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी के एक अध्ययन में पाया गया है कि परीक्षण किए गए तीन मानसिक स्वास्थ्य हस्तक्षेपों में से परोपकार ही केवल एक था जिससे लोगों ने दूसरों के साथ अधिक जुड़ाव महसूस किया।

एक शोध से पता चलता है और हम हमेशा से जानते हैं - कि अच्छा करने से न केवल उन समुदायों को बदलने में मदद मिलती है जिनकी हम सेवा करते हैं बल्कि यह हमारे अंदर भी बदलाव लाता है। चूंकि हम मानसिक स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं तो इस प्रयास को रोटरी के लिए नया न समझें बल्कि यह सोचें कि हम कुछ बेहतर कर सकते हैं जिसका हमारे और हमारे द्वारा सेवा किए जाने वाले लोगों पर अधिक गहरा प्रभाव होता है।

हम इस प्रयास को शून्य से शुरू नहीं कर रहे हैं। मानसिक स्वास्थ्य पहल पर रोटरी एक्शन ग्रुप कई वर्षों से इस प्रकार के मुद्दों पर ध्यान दे रहा है और हम जागरूकता फैलाने हेतु नेतृत्व करने के लिए उस समूह के सदस्यों की मदद लेंगे।

मानसिक स्वास्थ्य देखभाल हमारे विभिन्न ध्यानाकर्षण क्षेत्रों में आसानी से फिट बैठती है। मई तक हमारे पास मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों से जुड़ी 41 वैश्विक अनुदान-समर्थित परियोजनाएं हैं। उनमें से अनेक की जबरदस्त प्रतिबद्धताएं हैं और हम आने वाले महीनों में उनपर प्रकाश डालेंगे।

तो आइए भावनात्मक कल्याण से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने, मानसिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं के बारे में जागरूकता फैलाने और निवारक एवं परिवर्तनकारी मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में सुधार लाने के लिए हम मिलकर काम करें।

एक साथ मिलकर हम *वश्व में उम्मीद जगाएंगे।*

आर गॉर्डन आर मेकिनली
अध्यक्ष, रोटरी इंटरनेशनल

संपादक
का संदेश

अपना स्थान पुनः प्राप्त करना

हममें से अधिकांश लोगों को व्हाट्सएप पर, अगर बहुत नहीं तो एक संदेश ज़रूर मिला होगा, किस प्रकार एक नदी, आखिरकार उसे हासिल कर ही लेती है जिस पर कभी उसका वास्तविक कब्जा हुआ करता था। मेरे पास आये एक सन्देश में लिखा था ''एक नदी कभी नहीं भूलती। दशकों और सदियाँ बीत जाने के बाद भी, नदी अपनी सीमाओं पर पुनः कब्ज़ा करने के लिए वापस आती है।'' यहाँ वो नदी, निस्सन्देह, यमुना है और संलग्न तस्वीरों और वीडियो में कहर बरपाती कुपित यमुना दिल्ली के कई इलाकों को जलप्लावित करती नज़र आ रही है जो कभी उसके अधिकार में हुआ करते थे। जैसे ही दिल्ली की सड़कें नदियों में तब्दील हुईं, पानी में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए सड़कों पर हवा वाली नावें तैरती दिखाई देने लगी, पानी घरों, कार्यालयों, अस्पतालों और यहां तक कि दिल्ली सचिवालय के भीतर भी घुस गया था, बेशक आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला शुरू हो गया। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के राजनैतिक विरोधियों ने जम कर मीम उत्सव मनाया। अधिकांश मीम में उनके पूर्व में दिए गए भाषणों पर जम कर खिंचाई की गई जिसमें उन्होंने आश्वासन दिया था कि वो जल्द ही दिल्ली को झीलों के शहर में बदल देंगे। मंत्रियों ने नौकरशाहों पर दोष मढ़ दिया, नौकरशाहों ने कार्रवाई न करने या कार्रवाई देर से करने की शिकायतों को सिरे से नजरअंदाज कर दिया और इस तरह यह सिलसिला चलता रहा। जल निकाय (वॉटरबॉडी) विशेषज्ञों ने दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में अप्रत्याशित रूप से आई बाढ़ के लिए बाढ़ क्षेत्र में पड़ने वाले मैदानों के अतिक्रमण, अल्प अवधि में अतिवृष्टि और गाद संचयन को उत्तरदायी ठहराया जिससे नदी का पाट ऊपर उठ कर फ़ैल गया था।

एक बार फिर, राजनीतिज्ञों के आरोप-प्रत्यारोपों के बीच दिल्ली में फंसे हुए नागरिकों की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल को बुलाना पड़ा। जैसे-जैसे बारिश और बाढ़ का प्रकोप निरंतर बढ़ रहा है, रोटरी द्वारा पर्यावरण संरक्षण को अपने 7वें फोकस क्षेत्र में शामिल करना बिलकुल न्यायोचित सिद्ध हुआ है। हालांकि, विभिन्न नदियों में आये उफान के कारण बाढ़ ने हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, असम, उत्तर प्रदेश, पंजाब और हरियाणा में भी अपना रौद्र रूप दिखाया था, लेकिन हमेशा की तरह मीडिया को ये तबाही केवल हाई प्रोफाइल राजधानी दिल्ली में ही नज़र आई! खैर कोई नई बात नहीं है।

सम्पूर्ण भारत में बार-बार आने वाली बाढ़ की वजह साफ़ है और संदेश स्पष्ट, पृथ्वी ग्रह के संसाधनों पर मानव जाति द्वारा अनवरत और लालची अतिक्रमण। हर बार हम इस का खामियाजा भुगतते हैं, पर इससे कुछ सीखते भी हैं? जवाब साफ़ है।

और अब अच्छी खबर, सभी नए नेताओं के लिए जुलाई अधिष्ठापन का महीना है। इस बार, हमारे ज़ोन में सात महिला गवर्नरों को उनके मंडल के नेताओं के रूप में अधिष्ठापित होते देखना अत्यंत सुखद रहा। हमने पहले किसी वर्ष में यह संख्या नहीं देखी है और यदि आगामी वर्ष कोई संकेत हैं, तो कुछ समय तक ऐसा दोबारा नहीं होगा। लेकिन कम से कम आज तो, आइये उत्सव मनाएं 'सेकंड सेक्स' (द्वितीय लिंग) का जैसा की महिला अधिकारों की समर्थक सिमोन द बोउआ, महिलाओं को सम्बोधित करती हैं। सोशल मीडिया पर रोंगटे खड़े कर देने वाला एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें मणिपुर में कुकी-ज़ो महिलाओं को निर्वस्त्र चलवाया जा रहा है जो क्रूरता की पराकाष्ठा है, यह साबित करता है कि असहाय महिलाएं आज भी प्रताड़ित की जा रही हैं।

परन्तु, इसके बावजूद महिलाएं सभी बाधाओं को तोड़ रही हैं और लगातार साबित कर रही हैं कि उत्पीड़ित नदियों की तरह, आखिरकार वो फिर से हासिल कर लेंगी जिस पर उनका हक़ है। सभी सात महिला गवर्नरों और उनके पुरुष समकक्ष को सफलता की शुभकामनाएँ... भलाई करने, उम्मीद जगाने और आशावाद का सृजन कर अपने समाज में परिवर्तन लाने के लिए।

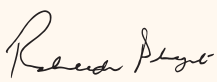

रशीदा भगत

हरित प्रेरणा

सिंगापुर में आपको इस बारे में कई तरह के आइडिया मिलेंगे कि आपका क्लब पर्यावरण का संरक्षण किस तरह से कर सकता है। यह सिर्फ सम्मेलनों के सत्रों में ही नहीं, बल्कि पूरे शहर में देखने को मिलता है। छोटा द्वीप सिंगापुर जलवायु परिवर्तन को संबोधित करने के लिए अपने नावाचारों से दुनिया को प्रेरित करना चाहता है। यहाँ की इमारतें और छतें पेड़- पौधों से ढके होने के कारण उन्हें ठंढा रखती हैं, और यहाँ पार्कों की संख्या बहुतायत में है। यह ध्यान में रखकर पार्क बनाए गए हैं कि यहाँ का प्रत्येक निवासी 10 मिनट के भीतर चलकर पार्क तक पहुँच जाए।

2024 रोटरी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने वाले एक शहर वाले देश के अधिकारी इसे एक जीवित प्रयोगशाला कहते हैं, जिसका उद्देश्य 2050 तक अपने कार्बन उत्सर्जन को शून्य तक कम करना है। 2030 तक प्रमुख मील का पत्थर हैं- 1 मिलियन पेड़ लगाना, सौर ऊर्जा में 400 प्रतिशत की वृद्धि करना, गड्ढों में भरे जाने वाले कचरों में एक तिहाई की कमी लाना और आंतरिक प्रदूषित करने वाले वाहनों की वृद्धि पर रोक लगाना।

यहाँ सिंगापुर में कुछ और पर्यावरण के कार्यक्रम और योजनाएँ हैं, जो आपको प्रोत्साहित कर सकती है: जैसे- पानी के हर बूंद का पुनः उपयोग करने के लिए ''क्लोज्ड लूप'' जल पुनर्चक्रण, निर्माण कार्य के लिए जलाए गए कचरे को रेत में बदलना, पैदल चलने वालों और साइकिल चालकों के लिए कार- मुक्त भूमिगत सड़कों के साथ नगर केन्द्रों का निर्माण, स्थानीय खाद्य उत्पादन बढ़ाने के लिए घर के अंदर ''वर्टिकल फार्मिंग'', गलियारों को मजबूत और हवादार बनाने के लिए माइक्रोक्लाइमेट मॉडलिंग, इमारतों की दिशा जिससे उन्हें प्राकृतिक हवा मिल सके और हरियाली बनाए रखने के लिए गर्म स्थानों की पहचान करना।

जब आप 25-29 मई को एक बगीचे में शहर का दौरा करेंगे तो पर्यावरण के दोस्त के रूप में विश्व के साथ भरोसा साझा करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे।

अधिक जानें और

convention.rotary.org

पर रजिस्टर करें।

गवर्नर्स काउंसिल

RID 2981	सेनगुट्टुवन जी
RID 2982	राघवन एस
RID 3000	आनंदता जोती आर
RID 3011	जीतेन्द्र गुप्ता
RID 3012	प्रियतोष गुप्ता
RID 3020	सुब्बाराव रावुरी
RID 3030	आशा वेणुगोपाल
RID 3040	रितु ग्रोवर
RID 3053	पवन खंडेलवाल
RID 3055	मेहुल राठौड़
RID 3056	निर्मल जैन कुणावत
RID 3060	निहिर दवे
RID 3070	विपन भसीन
RID 3080	अरुण कुमार मोंगिया
RID 3090	घनश्याम कंसल
RID 3100	अशोक कुमार गुप्ता
RID 3110	विवेक गर्ग
RID 3120	सुनील बंसल
RID 3131	मंजू फड़के
RID 3132	स्वाति हर्कल
RID 3141	अरुण भार्गवा
RID 3142	मिलिंद मार्तंड कुलकर्णी
RID 3150	शंकर रेड्डी बुसीरेड्डी
RID 3160	माणिक एस पवार
RID 3170	नासिर एच बोरसाडवाला
RID 3181	केशव एच आर
RID 3182	गीता बी सी
RID 3191	उदयकुमार के भास्करा
RID 3192	श्रीनिवास मूर्ति वी
RID 3201	विजयकुमार टी आर
RID 3203	डॉ सुंदरराजन एस
RID 3204	डॉ सेतु शिव शंकर
RID 3211	डॉ सुमित्रन जी
RID 3212	मुत्तैय्या पिल्लई आर
RID 3231	भरणीधरन पी
RID 3232	रवि रामन
RID 3240	नीलेश कुमार अग्रवाल
RID 3250	बगारिया एस पी
RID 3261	मनजीत सिंह अरोड़ा
RID 3262	जयश्री मोहंती
RID 3291	हीरा लाल यादव

प्रकाशक एवं मुद्रक **पी टी प्रभाकर**, 15 शिवास्वामी स्ट्रीट, मायलापोर, चेन्नई - 600004, रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट के लिए रासी ग्राफिक्स प्राइवेट लिमिटेड, 40, पीटर्स रोड, रोयापेट्टा, चेन्नई - 600014 से मुद्रित एवं रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट, दुगड़ टावरस, 3rd फ्लोर, 34 मार्शलस रोड, एगमोर, चेन्नई - 600008 से प्रकाशित। संपादक: **रशीदा भगत**

प्रकाशित सामग्री में अभिव्यक्त विचार योगदानकर्ताओं के स्वतंत्र विचार हैं, और आवश्यक नहीं कि वे रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट (आरएनटी) के संपादक या रोटरी इंटरनेशनल के ट्रस्टी के विचारों से मेल खाते हों। संपादकीय या विज्ञापन सामग्री से होने वाली किसी भी क्षति के लिए आरएनटी जिम्मेदार नहीं होगा। लेख और रचनाओं का स्वागत है किन्तु उन्हें संपादित किया जा सकता है। प्रकाशित सामग्री का आरएनटी की अनुमति सहित, यथोचित श्रेय देते हुए प्रयोग किया जा सकता है।

Website

न्यासी मंडल

अनिरुधा रॉयचौधरी **रो ई निदेशक और अध्यक्ष, रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट**	RID 3291
टी एन सुब्रमण्यन **रो ई निदेशक**	RID 3141
डॉ भरत पांड्या **टीआरएफ ट्रस्टी उपाध्यक्ष**	RID 3141
राजेंद्र के साबू	RID 3080
कल्याण बेनर्जी	RID 3060
शेखर मेहता	RID 3291
अशोक महाजन	RID 3141
पी टी प्रभाकर	RID 3232
डॉ मनोज डी देसाई	RID 3060
सी भास्कर	RID 3000
कमल संघवी	RID 3250
डॉ महेश कोटबागी	RID 3131
ए एस वेंकटेश	RID 3232
गुलाम ए वाहनवती	RID 3141

कार्यकारी समिति के सदस्य (2023-24)

स्वाति हेर्कल **अध्यक्ष, गवर्नर्स काउंसिल**	RID 3132
हीरा लाल यादव **सचिव, गवर्नर्स काउंसिल**	RID 3291
मुत्तैय्या पिल्लई आर **कोषाध्यक्ष, गवर्नर्स काउंसिल**	RID 3212
मिलिंद कुलकर्णी **सलाहकार, गवर्नर्स काउंसिल**	RID 3142

संपादक
रशीदा भगत

उप संपादक
जयश्री पद्मनाभन

प्रशासन और विज्ञापन प्रबंधक
विश्वनाथन के

रोटरी न्यूज़ ट्रस्ट
3rd फ्लोर, दुगर टावर्स, 34 मार्शल रोड, एग्मोर
चेन्नई 600 008, भारत
फोन: 044 42145666
rotarynews@rosaonline.org
www.rotarynewsonline.org

Magazine

निदेशक का संदेश

आइए हमारी सदस्यता में इज़ाफ़ा करें

प्रिय रोटेरियन,

हमारे समुदायों में सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए आपके अटूट समर्पण और प्रतिबद्धता के लिए मैं दिल से अपना आभार व्यक्त करता हूं। स्थानीय और वैश्विक स्तर पर सेवा में आपके अथक प्रयास किसी प्रेरणा से कम नहीं रहे है। रोटेरियनों के रूप में, आपने लगातार निस्वार्थता की सच्ची भावना का उदाहरण दिया है और आपके द्वारा की जाने वाली हर परियोजना, कार्यक्रम और पहल में रोटरी के आदर्शों को मूर्त रूप दिया है।

स्वच्छ जल परियोजनाओं, युवा विकास और आपदा राहत प्रयासों जैसे अपने विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से, आपने सार्थक परिवर्तन लाने में सामूहिक कार्रवाई की शक्ति का प्रदर्शन किया है। एक सामान्य मिशन के तहत विभिन्न पृष्ठभूमि और संस्कृतियों के लोगों को एकजुट करने की आपकी क्षमता रोटरी के मूल मूल्यों की ताकत का प्रमाण है।

शांति को बढ़ावा देने, शिक्षा को बढ़ावा देने और पोलियो उन्मूलन के लिए आपकी प्रतिबद्धता का दुनिया भर में अनगिनत व्यक्तियों और समुदायों पर गहरा प्रभाव पड़ा है। टीआरएफ और इसके महान कारणों के प्रति आपके समर्पण ने उन लोगों के लिए अवसर और आशा जागृत करने में मदद की है जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है।

संकट और अनिश्चितता के समय में, हमारा संगठन आशा की किरण रहा है, जो प्राकृतिक आपदाओं, संघर्षों और मानवीय संकटों से प्रभावित लोगों को समर्थन एवं सहायता प्रदान करता है। आगे बढ़ने और प्रतिकूल परिस्थितियों में मदद करने की आपकी तत्परता वास्तव में सराहनीय है।

इस सदस्यता माह में, हमें रोटेरियन होने की खुशी साझा करने के लिए अधिक व्यक्तियों को शामिल करना चाहिए। आइए हम अच्छे नागरिकों को अपने दायरे में आमंत्रित करते समय अपनी अच्छी प्रथाओं पर प्रकाश डालें, और अपने नए सदस्यों में रोटरी के मूल्यों और लोकाचार को स्थापित करके अपने क्लबों और हमारे संगठन का निर्माण और मजबूत करें। हमें उनमें रोटरी को समाहित करने की आवश्यकता है ताकि हम यह सुनिश्चित कर सकें की हमारे संगठन में केवल सदस्य नहीं बल्कि रोटेरियन शामिल हो। अवरोधन निरंतर विकास की कुंजी है। सहभागिता और भागीदारी ऐसे कारक है जो इस प्रक्रिया में सहायता करेंगे। मुझे यकीन है कि हम अपने सभी कार्यों में नैतिक रहेंगे, जिसमें हमारे मौजूदा क्लबों में या नए क्लब का निर्माण करके सदस्यता में वृद्धि करना शामिल है। अवसर अनेक है - संसाधनों का दोहन करना और स्थिर विकास सुनिश्चित करना हम पर निर्भर है।

जैसे-जैसे हम आगे बढ़ते है, मुझे कोई संदेह नहीं है कि रोटेरियन भावना उज्ज्वल रूप से दमकती रहेगी और एक बेहतर अधिक दयालु दुनिया के मार्ग को रोशन करेगी। आपकी सेवा, उदारता और 'स्वयं से ऊपर सेवा' के प्रति प्रतिबद्धता हम सभी के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में काम करती है, जो हमें याद दिलाती है कि बेहतर भविष्य की साझा परिकल्पना से प्रेरित होने पर प्रत्येक व्यक्ति कितना गहरा प्रभाव डाल सकता है।

आपके कार्य हम सभी को बेहतर बनने और बेहतर करने के लिए प्रेरित करते है। एक साथ मिलकर, आइए हम एक परिवर्तन लाये, और *विश्व में उम्मीद जगाए।*

टी एन सुब्रमण्यन
रो ई निदेशक, 2023-25

भावी प्रभाव

इस साल, मैं आप सभी से रोटरी संस्थान के बारे में बड़ा सोचने का आग्रह करता हूँ। अपने लक्ष्यों तक पहुंचकर एक प्रभाव उत्पन्न करने के लिए हमें कुछ अलग और नया सोचना चाहिए। हमें आज, कल और भविष्य में अपनी पहुंच का विस्तार करने के लिए साहसिक योजनाएं तैयार करनी चाहिए।

यदि आपका क्लब रोटरी संस्थान मंडल अनुदान या वैश्विक अनुदान में लिप्त नहीं है तो इसी वर्ष यह करें। rotary.org/showcase पर रोटरी शोकेस का अन्वेषण करें या बातचीत शुरू करने के लिए अपने क्लब और अपने मंडल रोटरी फाउंडेशन अध्यक्ष के बीच एक बैठक की व्यवस्था करें।

इस साल हमारे पोलियो कोष के बारे में बड़ा सोचें। 24 अक्टूबर को विश्व पोलियो दिवस के उपलक्ष्य में निधि संचयन की योजना तैयार करना शुरू करें। देखते है कि रोटरेक्ट और रोटरी क्लब इस साल के निधि संचयन को अब तक का सर्वश्रेष्ठ कैसे बना सकते हैं।

फाउंडेशन के बारे में बड़ा सोचने का मतलब यह भी ध्यान देना है कि इसके माध्यम से हमारा प्रभाव वर्तमान रोटरी वर्ष से परे जाए। हम इसे न केवल हमारी अनुदान परियोजनाओं में स्थिरता लाने पर जोर देने के माध्यम से देखते हैं बल्कि प्रोग्राम्स ऑफ स्केल जैसी पहलों के माध्यम से भी देखते हैं। तीसरे प्रोग्राम्स ऑफ स्केल प्राप्तकर्ता एक बड़ी चुनौती लेंगे: मिस्र में जागरूकता और निवारक देखभाल तक बेहतर पहुंच के माध्यम से महिलाओं में होने वाले गर्भाशय ग्रीवा कैंसर का मुकाबला करने और उनके स्वास्थ्य में सुधार लाने की।

प्रोग्राम्स ऑफ स्केल अनुदान मॉडल की सफलता सिद्ध तरीकों के माध्यम से साझेदारों के साथ निकटता से सहयोग करने के हमारे दृष्टिकोण में निहित है। हर साल रोटरी संस्थान सदस्य-नेतृत्व वाले एक ऐसे कार्यक्रम को 2 मिलियन डॉलर का पुरस्कार देता है जिसने सफलता का प्रदर्शन किया हो और जिसमें विस्तार के माध्यम से तीन से पांच साल की अवधि में अधिकतम लोगों तक पहुंचने की क्षमता हो। इस तरह रोटरी और इसका फाउंडेशन अधिक स्थानों पर अधिक लोगों तक पहुंचकर उनकी सहायता कर सकता है।

अंत में, यह याद रखें कि दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने के हमारे प्रयास पृथ्वी पर हमारे समय से परे होने चाहिए। चूंकि हम रोटरी अक्षय निधि के लिए 2025 तक 2.025 बिलियन डॉलर एकत्रित करने हेतु प्रयासरत हैं इसलिए विचार करें कि आप रोटरी अक्षय निधि के लिए एक उपहार या प्रतिबद्धता के रूप में अपना योगदान कैसे दे सकते हैं।

बेरी रेसिन

ट्रस्टी अध्यक्ष, द रोटरी फौउंडेशन

2024 Rotary Convention @ Singapore

एक नई शुरुआत

आईपीआरआईपी जेनिफ़र जोन्स ने इवान्स्टन, यूएसए में रो ई मुख्यालय में रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली को बधाई दी।

जुलाई की पहली तारीख को रोटरी अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष जेनिफर जोन्स ने अपना कार्यकाल समाप्त होने पर गॉर्डन मेकिनली को पद सौंपते हुए फेसबुक पर पोस्ट किया:

और इस तरह, रोटरी इंटरनेशनल अध्यक्ष के रूप में मेरा कार्यकाल समाप्त हुआ। 2022-23 रोटरी वर्ष का नेतृत्व करने के लिए, मुझ पर भरोसा करने के लिए धन्यवाद। मैं गार्डन मेकिनली के अलावा किसी और को मशाल सौंपने की कल्पना नहीं कर सकती थी।

कई लोग कहेंगे कि यह क्षण कड़वा और मीठा दोनों है, लेकिन यह क्षण बिलकुल भी कड़वा नहीं है, केवल मीठा ही है। इस वर्ष हमने जो हासिल किया है, उस पर मुझे गर्व है। साथ मिलकर हमने सहृदयता, न्यायसंगत और दूसरे का ख्याल रखने वाली दुनिया की कल्पना की। मैं आशावादी हूँ कि हमने वह सब हासिल कर लिया है जो हम करना चाहते थे। *इमेजिन रोटरी* के आपकी मेहनत के लिए तहे दिल से धन्यवाद।

अब दुनिया में आशा की किरण जगानी है! ■

Rotary PEOPLE OF ACTION

रोटरी इंडिया ने कोलंबो के एक अस्पताल में की आईसीयू की स्थापना

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी क्लब करमादाई के अध्यक्ष मगेश, आईपीडीजी बी एलंगकुमारन और उनकी पत्नी प्रेमा, रोटरी क्लब कुन्नात्तुर के अध्यक्ष पार्तिबन, रोटरी कल्ब अविनाशी के अध्यक्ष भूपति, पीडीजी ए कार्तिकेयन और रोटरी क्लब वट्टाला के अध्यक्ष जेयाबालन, कोलंबो अस्पताल के आईसीयू में एक महिला और उसके नवजात शिशु के साथ।

रोटरी क्लब करामदई, रो ई मंडल 3203 और रोटरी क्लब वट्टाला, रो ई मंडल 3232, श्रीलंका ने कोलंबो, श्रीलंका से 18 किलोमीटर दूर, गमपाहा जिले के रागमा में कोलंबो नॉर्थ टीचिंग हॉस्पिटल में एक अति निर्भरता वाली आईसीयू स्थापित कारवाई। कुन्नाथुर, अविनाशी और तिरुपुर नॉर्थ, रो ई मंडल 3203 के रोटरी क्लब ने भी इस परियोजना में भाग लिया, जिसके बारे में परियोजना अध्यक्ष मगेश कहते है, "रो ई मंडल 3203 की यह पहली अंतर्राष्ट्रीय सेवा परियोजना है जिसे वैश्विक अनुदान के बिना पूरा किया गया है।"

अस्पताल के मातृ वार्ड में आईसीयू स्थापित किया गया है और अनुमान है कि इससे सालाना कम से कम 2,000 माताओं और नवजात शिशुओं को गंभीर अवस्थाओं से बचाया जा सकेगा।

आई पीडीजी बी ईलंगकुमारन, पीडीजी ए कार्तिकेयन और डिस्ट्रिक्ट गवर्नर उम्मीदवार धनसेकर ने उदघाटन समारोह में भाग लिया। रो ई मंडल 3220 आई पी डी जी पुबुडु डी जोयसा और डी जी जेरोम राजेंद्रम ने इस नेक कार्य के लिए भारतीय रोटेरियन को धन्यवाद दिया। रोटरी क्लब करमादाई के अध्यक्ष मगेश और रोटरी क्लब वट्टाला के अध्यक्ष जेयाबालन ने सिस्टर क्लब समझौते पर हस्ताक्षर किए। ■

बेंगलुरु के एक क्लब ने 214 आंगनवाड़ियों के नवीनीकरण पर ₹4 करोड़ से अधिक खर्च किए

रशीदा भगत

इन दिनों रोटरी में ''बड़ी, टिकाऊ'' परियोजनाओं को करने की आवश्यकता के बारे में चर्चा हो रही है जो एक विशाल प्रभाव पैदा करके रोटरी की सार्वजनिक छवि में वृद्धि करती है। खैर, बेंगलुरु के एक अकेले क्लब, रोटरी क्लब बैंगलोर इंदिरानगर, रो ई मंडल 3192 ने कर्नाटक के बेंगलुरु ग्रामीण जिले के अंतर्गत आने वाले तीन तालुकों - होसकोटे, कोलार और अनेकल में 200 से अधिक आंगनवाड़ियों को पुनर्निर्मित करके उनमें दोबारा जान डालने की परियोजना की है जो मेट्रो से 30-80 किमी के दायरे में आते है।

यह परियोजना 2017-18 में शुरू हुई जिसमें क्लब ने पहली बार 10 आंगनवाड़ियों के नवीनीकरण का कार्य किया। फिर यह लक्ष्य 200 पर पहुँच गया और इस वर्ष के समाप्त होने से पहले ₹4 करोड़ से अधिक की भारी लागत से 214 आंगनवाड़ियों का नवीनीकरण किया गया। जब मैं क्लब के कुछ अन्य नेताओं द्वारा छह साल पहले शुरू की गई एक परियोजना पर बाद के आने वाले अध्यक्षों और अन्य नेताओं द्वारा ध्यान केंद्रित किए जाने पर आश्चर्य व्यक्त करता हूँ तो 151 रोटेरियनों वाले इस क्लब के एक सदस्य पीडीजी सुरेश हरि कहते हैं, ''ऐसा इसलिए है क्योंकि हमारे पास एक दृष्टिबद्ध योजना है और एक रणनीतिक योजना समिति है जो परियोजनाओं पर विचार-विमर्श करती है और हम केवल इस समिति की सिफारिश पर दीर्घकालिक एवं टिकाऊ परियोजनाओं को स्वीकार करते है। इस तरह की योजना के बिना केवल अल्पकालिक परियोजनाएं हो सकती है जिनमें समुदाय पर दीर्घकालिक प्रभाव पैदा करने की क्षमता नहीं होगी जिससे हमारा अंतिम उद्देश्य पूर्ण नहीं हो पाएगा।''

इस परियोजना पर हमने जो ₹4 करोड़ से अधिक खर्च किए हैं उसका 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा हमारे क्लब के सदस्यों से आया हैं।

इस परियोजना के पीछे क्लब के पूर्व अध्यक्ष फ़ज़ल उर रहमान का हाथ है, जो उस समय क्लब के सचिव थे जब क्लब ने होसकोटे तालुक के एक गांव सोनाहल्लीपुरा में पहली बार काम शुरू किया था जहाँ रोटरी क्लब बैंगलोर इंदिरानगर ने अपनी ग्रामीण विकास परियोजना के अंतर्गत सामान्य स्वास्थ्य देखभाल, दंत चिकित्सा शिविर, साप्ताहिक क्लीनिक, पशु

स्वास्थ्य शिविर, जरूरतमंद महिलाओं को उपहारस्वरूप गायों का दान, सौर स्ट्रीट लाइटों की स्थापना, बस शेल्टरों के निर्माण आदि से संबंधित अनेक परियोजनाएं की।

यह सब इस गांव में 2016-17 में शुरू हुआ जब वह क्लब सचिव थे और क्लब ने अपनी ग्रामीण विकास परियोजना के अंतर्गत एक सरकारी स्कूल के नवीनीकरण का काम अपने हाथ में लिया था। ''क्लब के सामुदायिक सेवा निदेशक के रूप में मैंने उस स्कूल का दौरा किया जिसका नवीकरण चल रहा था। उस गांव के स्कूल भवन के एक कोने में एक बहुत ही जर्जर संरचना थी। उन्होंने उसके बारे में सवाल किए तो उन्हें पता चला कि यह एक आंगनवाड़ी थी; दीवारों पर कोई पेंट नहीं था, छत से पानी टपक रहा था और यहाँ पर गड्ढों और दरारों वाला सीमेंट का फर्श था,'' वह याद करते है।

रोटेरियनों ने पाया कि 3-6 आयु वर्ग के बच्चे अपना पूरा दिन इस नीरस और अंधकारमय माहौल में बिताते है। इस आंगनवाड़ी के शौचालय में कोई पाइपलाइन न होने की वजह से यहाँ पानी का कनेक्शन नहीं है इसलिए इसका उपयोग नहीं हो पा रहा था। ''इन बच्चों को एक स्वच्छ शौचालय के साथ एक स्वच्छ, उज्ज्वल और हंसमुख वातावरण देने के लिए, हमने स्कूल के साथ-साथ इसे भी पुनर्निर्मित करने का फैसला किया।''

उद्घाटन समारोह में, आंगनवाड़ी में भाग लेने वाले बच्चों के माता-पिता के साथ-साथ अन्य ग्रामीणों से उन्हें जो उत्साही प्रतिक्रिया मिली उससे वह आश्चर्यचकित थे। इसने स्कूल के नवीकरण की तुलना में ''और भी अधिक खुशी उत्पन्न की; और स्कूल की तुलना में इसका नवीकरण बहुत आसान था। तो हमने सोचा कि चलो सौ आंगनवाड़ियाँ करते है।''

और इस प्रकार आंगनवाड़ी बहाली परियोजना शुरू हुई जो अब इस क्लब के रोटेरियनों के लिए एक जुनून बन गई।

इस बिंदु पर आइए आंगनवाड़ी की अवधारणा को समझें और उस गांव के लिए इसका क्या अर्थ होता है जहाँ यह स्थित है। क्लब के पूर्व सामुदायिक सेवा निदेशक नरसिम्हन कन्नन समझाते हैं कि आंगनवाड़ी एक मातृ एवं शिशु देखभाल केंद्र है और 1970 के दशक में भारत सरकार द्वारा एकीकृत बाल विकास सेवा (ICDS) कार्यक्रम के अंतर्गत ''बाल भूख और कुपोषण से निपटने के लिए इस अवधारणा को

आंगनवाड़ियों को चलाने के लिए 90 प्रतिशत धन भारत सरकार से आता है और शेष 10 प्रतिशत राज्य सरकार से आता है। हर महीने की 1 तारीख को राशन का सारा सामान आंगनवाड़ियों में पहुंच जाता हैं।

फज़ल उर रहमान
पूर्व अध्यक्ष
रोटरी क्लब बैंगलोर इंदिरानगर

स्थापित किया गया। कर्नाटक की आंगनवाड़ियाँ 3 से 6 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए अनेक सुविधाएं प्रदान करती है और गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली महिलाओं की भी देखभाल करती हैं।''

रहमान कहते हैं कि उनके क्लब ने अब तक जिन 214 आंगनवाड़ियों का नवीनीकरण किया है उनमें से 25 से 26 बेंगलुरु के शहरी इलाकों के भीतर हैं जिनमें झुग्गियां हैं और उन्हें इन सेवाओं की आवश्यकता है और 175 उल्लिखित तीन तालुकों के गांवों में स्थित हैं। सामान्य नियम यह है कि 1,500 की आबादी के लिए एक आंगनवाड़ी होनी चाहिए इसलिए बड़े गांवों में जिसमें 5,000 लोग तक हो सकते हैं वहाँ तीन आंगनवाड़ियाँ हो सकती हैं।

''उदाहरण के लिए, बेंगलुरु से लगभग 40 किमी दूर एक छोटे से शहर, सुलिबेले में नौ आंगनवाड़ी हैं और हमने इनमें से छह का नवीनीकरण किया है,'' रहमान कहते हैं।

रोटेरियन प्रत्येक आंगनवाड़ी के नवीनीकरण के लिए औसतन लगभग ₹2 लाख खर्च करते हैं और ''यह पैसा मुख्य रूप से दीवारों को पेंट करने, शौचालयों में पाइप से पानी की आपूर्ति करने, और एक इलेक्ट्रिक मोटर एवं पानी की दो टंकियां प्रदान करने पर खर्च किया जाता है।''

इस परियोजना को करते समय रोटेरियनों ने जाना कि कई आंगनवाड़ियों में सरकार ने एक शौचालय प्रदान किया था लेकिन चूंकि ग्रामीण क्षेत्रों में पानी नहीं था, इसलिए बच्चे खुले में शौच करते थे और इन शौचालयों का उपयोग अवांछित सामग्री को रखने/संग्रहीत करने के लिए किया जाता है। अब जब शौचालयों को संवारकर उनमें पानी का कनेक्शन दिया गया आँहै - कुछ में हेल्थ फॉसिट भी हैं - तो बच्चे उनका उपयोग कर रहे हैं। रोटेरियनों ने यह भी सुनिश्चित किया कि भोजन तैयार किए जाने वाली रसोई के सिंक में पाइप से पानी की आपूर्ति हो ताकि उसे साफ रखने में मदद मिल सकें।

एक आंगनवाड़ी मूल रूप से 3 से 6 वर्ष की आयु वर्ग के कुपोषित बच्चों को पोषित करती है; वे नियमित रूप से यहाँ आते हैं, कुछ बुनियादी शिक्षा प्राप्त करते हैं जैसे अक्षर और संख्या सीखना, रंग, पक्षियों और जानवरों आदि के नाम सीखना। जब यह बच्चे यहाँ आते है तो इन्हें नाश्ता दिया जाता है, जैसे कि *चीकी* के साथ एक गिलास दूध और दोपहर का पका हुआ भोजन। रहमान बताते हैं कि आंगनवाड़ी में दो

***बाएं: (बाएं से)** आईपीपी ए के सुगुनन; पूर्व अध्यक्ष हरीश कुमार आनंद; कार्तिकेय रेड्डी; पीडीजी सुरेश हरि और उनकी पत्नी अनीता हरि; सुप्रिया कंधारी; सिंधु आनंद; परियोजना अध्यक्ष फ़ज़ल उर रहमान; नितेश शाह; कुमारा शिवन्ना, निदेशक, सिट्रिक्स आर एंड डी इंडिया; जे विश्वनाथ; होसकोटे बाल विकास परियोजना अधिकारी सोमसुंदर; पूर्व अध्यक्षगण आर वी सुब्रमण्यम और जगदीश; और आंगनवाड़ी कर्मचारी गायत्री, होसकोटे के पिल्लागुम्पे गांव में एक आंगनवाड़ी में बच्चों के साथ।*

रोटेरियनों को राजनेताओं से दूर रहने की सलाह देने वाले विधायक!

फ़ज़ल उर रहमान के पास साझा करने के लिए एक दिलचस्प किस्सा है। जब रोटेरियनों ने 2018-19 में इस परियोजना पर काम करना शुरू किया और होसकोटे तालुक की लगभग 10 आंगनवाड़ियों का नवीनीकरण किया, तो इस काम ने पूरे तालुक में तहलका मचा दिया। ''इसलिए जब हमने इन आंगनवाड़ियों का दौरा किया तो आसपास के क्षेत्रों के अनेक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हमसे यह पूछने का इंतजार कर रहे थे: 'आप हमारे गांव में भी ऐसा नवीनीकरण करने की कृपा कब करेंगे।''' जल्द ही यह जानकारी विधायक तक पहुंच गई और एक सुबह हमारे पास महिला एवं बाल कल्याण विभाग से फोन आया, जिसमें कहा गया कि विधायक ने उन्हें काम बंद करने के लिए कहा है और उन्हें बताए बिना इस काम की अनुमति देने के लिए विभाग पर सवाल उठाया। ''वह हमसे मिलना चाहते थे इसलिए मिलने का समय तय किया गया। मैं 2018-19 में सचिव था और क्लब के अध्यक्ष एम जगदीश थे। हम अपने साथ रोटरी की पृष्ठभूमि का सम्पूर्ण विवरण और आंगनवाड़ियों में हमारे द्वारा किए गए कार्य की तस्वीरें लेकर विधायक से मिलने पहुँचें। दो मिनट के भीतर उनका व्यवहार एकदम बदल गया और उन्होंने कहा: 'कृपया आगे बढ़ें, सभी संबंधित सरकारी एजेंसियां आपका समर्थन करेंगी।'''

इस कहानी का एक दिलचस्प अंत यह था कि जब रोटेरियनों ने अगली नवीनीकृत आंगनवाड़ी के उद्घाटन हेतु विधायक को आमंत्रित करने की पेशकश की, ''तो उन्होंने कहा, 'नहीं, कृपया ऐसा न करें। आप बहुत अच्छा काम कर रहे हैं, इसलिए कृपया हम राजनेताओं को इसमें शामिल न करें!' उसके बाद, हमें कोई समस्या नहीं आई और सरकारी विभागों से हमें पूर्ण समर्थन मिला।''

आंगनवाड़ी में एक पुनर्निर्मित रसोई।

कार्यकर्ता होते हैं; एक शिक्षक और दूसरा सहायक, जो भोजन तैयार करते है। फिर महीने में एक बार छह महीने से लेकर तीन साल की आयु वर्ग के छोटे बच्चों की ऊंचाई, वजन और सामान्य स्वास्थ्य स्थिति का मूल्यांकन करके रिकार्ड किया जाता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उम्र बढ़ने के साथ उनमें कोई कुपोषण न हो। इन बच्चों के लिए घर पर दोपहर का भोजन तैयार करने के लिए उनकी माताओं को राशन दिया जाता है।

इसके अलावा गर्भवती महिलाएं और स्तनपान कराने वाली माताएं भी आंगनवाड़ी में आकर दोपहर का भोजन ले सकती हैं। या वे इन महिलाओं को टिफिन और गर्म भोजन भेज सकते हैं, वह समझाते हैं। जब मैं सरकार द्वारा संचालित आंगनवाड़ी में दी जा रही इस तरह की सेवा पर आश्चर्य व्यक्त करता हूँ तो रहमान कहते हैं, ''मुझे बताया गया था कि ऐसी सेवा केवल कर्नाटक में गर्भवती महिलाओं या स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए उपलब्ध है। इस परियोजना के साथ निकटता से जुड़े होने के कारण मैंने पिछले छह वर्षों में कई आंगनवाड़ियों का दौरा किया है और मैं आपको अपने व्यक्तिगत अवलोकन से बता सकता हूँ कि यह सरकार की एक ऐसी योजना है जो कम से कम इस राज्य में घड़ी की तरह काम करती है; आंगनवाड़ियों को चलाने के लिए 90 प्रतिशत धन भारत सरकार से आता है और शेष 10 प्रतिशत राज्य सरकार से आता है। हर महीने की 1 तारीख को राशन का सारा सामान आंगनवाड़ियों में पहुंच जाता हैं।''

जब रोटेरियनों ने अगली नवीनीकृत आंगनवाड़ी के उद्घाटन हेतु विधायक को आमंत्रित करने की पेशकश की, तो उन्होंने कहा, 'नहीं, कृपया ऐसा न करें। आप बहुत अच्छा काम कर रहे हैं, इसलिए कृपया हम राजनेताओं को इसमें शामिल न करें!'

वास्तविक नवीकरण कार्य

नवीनीकरण के दौरान, आंगनवाड़ी को एक नया फर्श मिलता है, जिसमें अच्छी गुणवत्ता वाली चिकनी टाइलें लगाई जाती हैं। रसोई में काम करने हेतु एक बढ़िया प्लेटफॉर्म और वॉशिंग सिंक लगाया जाता है, भंडार गृह में राशन के भंडारण हेतु अलमारी बनाई जाती है; एक ग्राउंड-लेवल पानी की टंकी और पानी के एक पंप के साथ एक ओवरहेड पानी की टंकी प्रदान की जाती है; शौचालय के फर्श को सिरेमिक टाइलों और दीवार को चमकदार टाइलों के साथ सुसज्जित किया जाता है; पानी की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए रसोई और शौचालय में आवश्यक नलसाजी की जाती है। छत की वॉटरप्रूफिंग की जाती है, बंदरों को बाहर रखने के लिए खिड़कियों पर स्टील की जाली लगाई जाती है; बिजली के तारों का कनेक्शन करके कमरों और रसोई में रोशनी हेतु पावर सॉकेट लगाए जाते हैं। दीवारों, दरवाजों और खिड़कियों की बाहरी एवं आंतरिक पुताई की जाती है।

वह भोजन की गुणवत्ता की भी बात करते है। ''मैंने वहाँ कई बार खाना खाया है; बच्चों को दोपहर के भोजन के लिए सब्जियों के साथ चावल और सांभर मिलता है और यह भोजन वाकई स्वादिष्ट होता है। सप्ताह में एक दिन पुलाव परोसा जाता है और त्योहारों एवं अन्य विशेष दिनों में केसरी या कुछ अन्य मीठे व्यंजन परोसे जाते हैं। आंगनवाड़ी सोमवार से शनिवार तक चलती हैं।''

क्लब की एक प्रमुख टीम आंगनवाड़ी बहाली परियोजना में शामिल है; ''हम में से छह नियमित रूप से जुड़े हुए हैं,'' पूर्व अध्यक्ष कहते हैं जो क्लब की मातृ एवं शिशु समिति के अध्यक्ष हैं जो इस परियोजना की देखरेख करती हैं।

यह समिति इस परियोजना हेतु धन जुटाने के लिए भी जिम्मेदार है और इसने कॉर्पोरेटों के साथ वाकई में बड़ी सफलता प्राप्त की है। वहीं क्लब के सदस्य खुद भी उदार रहे हैं, कम से कम 20 सदस्यों ने एक या दो आंगनवाड़ी की बहाली के लिए पूर्ण रूप से योगदान दिया है - जिसका अर्थ है ₹2-4 लाख - विशेष रूप से एक सदस्य, जो एक जानी-मानी कंपनी सुप्राजीत इंडस्ट्रीज के सीईओ और प्रमोटर है एवं क्लब के पूर्व अध्यक्ष भी है, अजीत राय ने पहले ही अपने संस्थान - सुप्राजीत फाउंडेशन - के माध्यम से 69 आंगनवाड़ियों की बहाली के लिए पैसा दिया है। और उनकी कंपनी के CSR कोष से 20 और आंगनवाड़ियों के उत्थान हेतु वैश्विक अनुदान के माध्यम से धन आ रहा है। ''इसलिए आप यह कह सकते हैं कि इस परियोजना पर हमने जो **₹4 करोड़** से अधिक खर्च किए हैं उसका 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा हमारे क्लब के सदस्यों से आया हैं,'' उन्होंने आगे कहा।

''हमें कैनफिन होम्स से भी बहुत समर्थन मिला है, जिसने अब तक 31 आंगनवाड़ियों (₹62 लाख) के नवीनीकरण को प्रायोजित किया है। आईटी सिट्रिक्स आर एंड डी इंडिया ने 31 आंगनवाड़ियों के लिए लगभग ₹60 लाख दिए हैं।''

इस परियोजना के भविष्य को लेकर क्लब के नेताओं को यकीन है कि यह जारी रहेगी। क्लब के अध्यक्ष एन बालाकृष्णन पहले ही इसके लिए रुचि और प्रतिबद्धता दोनों दिखा चुके हैं; और जल्द ही आने वाले कुछ अध्यक्ष मिलकर तय करेंगे कि वे इस परियोजना को जारी रखेंगे या नहीं। ''हमें उम्मीद हैं कि वे ऐसा करेंगे; और एक बार उन्होंने निश्चय कर लिया तो हम 2027-28 तक 500 आंगनवाड़ियों के नवीकरण की जादुई संख्या का लक्ष्य रखेंगे,'' रहमान मुस्कुराते है। ■

इवांसटन में एक यादगार दिन

किशोर राठी

मैं 30 जून को पोलैंड, यूके, यूएस और भारत जैसे देशों के रोटेरियनों के एक समूह के साथ अमेरिका के इवांस्टन स्थित रो ई मुख्यालय, वन रोटरी सेंटर में होने के लिए भाग्यशाली था।

हमारी यात्रा के मुख्य आकर्षणों में से एक तत्कालीन अध्यक्ष जेनिफर जोन्स और नवनिर्वाचित अध्यक्ष गॉर्डन मैकनेली के बीच अदला-बदली समारोह का अनुभव करना था। इस समारोह में जोन्स मैकनली के साथ अपने कार्यालय से अध्यक्षीय कार्यालय तक चलकर जा रही थी, पहुंचने के बाद उन्होंने 2023-2024 के लिए अपनी थीम साझा की: *विश्व में उम्मीद जगाना।* उनकी थीम की फोटो फ्रेम को उसके स्थान पर रखने के बाद शैंपेन के साथ जोन्स के कार्यकाल की सफलता का जश्न मनाया गया।

अनेक मानवीय प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए रोटरी अंतर्राष्ट्रीय के समर्पण और जुनून को देखना प्रेरणादायक था।

पॉल हैरिस की प्रतिमा का अभिवादन करने और हमारे टूर प्रोग्राम विशेषज्ञ जीना क्लार्क के एक दिलचस्प भाषण के साथ इस यात्रा की शुरुआत हुई, जिन्होंने दुनिया भर के समुदायों पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए रोटरी के मिशन और प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया। उसके बाद हमने उस कमरे की वास्तविक प्रतिकृति देखी जहाँ रोटरी के संस्थापकों की पहली बैठक आयोजित की गई थी।

फिर हम 15वीं मंजिल पर गए जहाँ हमने रोटेरियनों की आर्च क्लंफ की दीवार को देखा जिन्होंने अपने उदार योगदानों के साथ विभिन्न मुद्दों का समर्थन किया।

बाद में हम 16वीं मंजिल पर गए जहाँ 200 से अधिक देशों के झंडे लगे हैं और वहाँ रो ई का बोर्डरूम है जहाँ बोर्ड की बैठकें आयोजित की जाती हैं।

यात्रा के दौरान, हम महासचिव जॉन हेव्को से मिले जिन्होंने युद्धग्रस्त यूक्रेन में रोटरी द्वारा की गई महान मानवीय परियोजनाओं की व्याख्या की। आज तक रोटरी ने सामूहिक रूप से यूक्रेन और तुर्की में राहत कार्यों के लिए 15 मिलियन डॉलर का दान दिया है। उन्होंने हम सभी से 2024 में आयोजित होने वाले सिंगापुर सम्मेलन में भाग लेने का आग्रह किया।

इस बैठक ने खुली चर्चा और विचारों के आदान-प्रदान के लिए एक मंच प्रदान किया। मानवता की सेवा के एक सामान्य लक्ष्य को साझा करने वाले रोटेरियनों और अन्य व्यक्तियों सहित साथी उपस्थित लोगों के साथ चर्चा में शामिल होना बड़ी बात थी। कार्यक्रम के दौरान साझा किए गए विविध दृष्टिकोण और अनुभवों ने रोटरी के वैश्विक प्रभाव की मेरी समझ को समृद्ध किया।

इन संपर्कों से प्राप्त ज्ञान से निस्संदेह समुदाय के लिए मेरे स्वयं के योगदान को आकार मिलेगा।

लेखक रोटरी क्लब नागपुर साउथ ईस्ट, रो ई मंडल 3030 के एक सदस्य हैं

पीआरआईपी जेनिफर जोन्स और रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली के बीच अनुक्रम समारोह देखने के बाद, किशोर राठी (बाएं से तीसरे) अपनी पत्नी काजल के साथ रोटरी मुख्यालय में।

ADVT.

KLE SOCIETY

Lingaraj College Road, Belagavi, Karnataka, India

300 Institutions | 18000+ Faculty | 138000+ Students | 4000+ Healthcare Beds

Since 1916

6 YEARS

PRE-MED TO

DOCTOR OF MEDICINE/
DOCTOR OF VETERINARY MEDICINE

PROGRAMME

First 2 years
Start @
KLE, Campus
Karnataka, India

Next 2 years
Continue @
Xavier's Campus
Aruba, Caribbean
island - Netherland

Next 2 years
Complete @
Xavier's affiliated
Teaching Hospitals
USA / Canada

The session starts in September 2023
Last date - August 21, 2023

To apply, Visit:
application.xusom.com
Contact: Uday @+91 91 0083 0083 +91 98 8528 2712
email: infoindia@xusom.com

XAVIER STUDENTS ARE ELIGIBLE FOR **H1/J1 Visa** PROGRAMME

Rotary PEOPLE OF ACTION

रोटरी ने जैसलमेर के एक आदिवासी स्कूल में एक पुस्तकालय स्थापित किया

किरण ज़ेहरा

राजस्थान के जैसलमेर में राजकुमारी रत्नावती गर्ल्स स्कूल में युवा लड़कियों का एक समूह उत्सुकता से किताबों से भरी एक मेज के पास पहुंचा। ''एक के बाद एक किताबें उठाते हुए उनकी आंखें उत्साह से चमक उठीं। जब हमने उन्हें प्रसन्नता से उन रंगीन किताबों में से एक को अपने लिए चुनकर, उसमें से कुछ ढूँढकर उसे एक दूसरे के साथ साझा करके खिलखिलाते हुए देखा तो हमारा दिल पिघल गया,'' रोटरी क्लब हैदराबाद स्मार्ट सिटी, रो ई मंडल 3150 की अध्यक्ष डॉ चित्रा सी इरावतम मुस्कुराते हुए बड़ी प्रसन्नता से इस दृश्य की व्याख्या करती है।

जैसलमेर से 40 किलोमीटर दूर कनोई गांव में 2021 में उद्घाटित यह स्कूल जैसलमेर के शाही परिवार द्वारा समर्थित और CITTA एजुकेशन फाउंडेशन इंडिया, जैसलमेर, द्वारा संचालित है और इसका उद्देश्य इस क्षेत्र में महिला निरक्षरता के मुद्दे से निपटना है। रोटरी क्लब हैदराबाद स्मार्ट सिटी और जैसलमेर स्वर्ण नगरी, रो ई मंडल 3055 ने इस मिशन को आगे बढ़ाने के लिए स्कूल को एक पुस्तकालय दान किया।

'द सेक्रेड निश' नामक इस नई स्थापित लाइब्रेरी में 150 से अधिक पुस्तकों का एक प्रभावशाली संग्रह है। स्टोरीबुक से लेकर इंटरैक्टिव वर्कबुक और एनसाइक्लोपीडिया तक, ''यह साहित्यिक खजाना लड़कियों को उनके क्षितिज का विस्तार करने में मदद करता है। इस पुस्तकालय में अंग्रेजी और हिंदी दोनों में किताबें

सब्या साची द्वारा डिजाइन की गई वर्दी में बच्चियां।

इस स्कूल की वर्तमान विद्यार्थी संख्या 100 से अधिक लड़कियों की हैं जो थार रेगिस्तान में रहने वाले बुनकरों, कारीगरों और खानाबदोशों के परिवारों से है। शिक्षा, परिवहन, भोजन और यूनिफ़ॉर्म सहित अन्य सभी सुविधाएं उन्हें नि:शुल्क प्रदान की जाती हैं, क्लब अध्यक्ष यह कहते हुए एक दिलचस्प जानकारी भी साझा करते हैं। ''प्रसिद्ध डिजाइनर, सब्या साची ने इस क्षेत्र के कारीगरों द्वारा उत्पादित कपड़े अजरख का उपयोग करके लड़कियों की यूनिफ़ॉर्म तैयार की। उनके दैनिक जीवन में स्थानीय सांस्कृतिक विरासत का यह एकीकरण उनके शैक्षिक अनुभव को समृद्ध करता है, जिससे उनकी बुनियाद मजबूत होती है।''

रोटरी क्लब हैदराबाद स्मार्ट ने मैकेनिक टूल किट, स्टोरेज कैबिनेट और दो डेस्कटॉप कंप्यूटर हैं, जिससे लड़कियों को क्षेत्रीय भाषा का विकास करते हुए अपने से परे दुनिया को जानने का अवसर प्राप्त होता है।''

इस पुस्तकालय को जीवन देने की यात्रा एक सहयोगात्मक प्रयास था जो छह महीने तक चला। चित्रा बताती हैं कि उनके क्लब ने ''सावधानीपूर्वक इन किताबों का प्रबंधन किया और उन्हें खरीदा ताकि इन युवा लड़कियों के लिए एक विविध और आकर्षक संग्रह सुनिश्चित किया जा सके। इस परियोजना की कुल लागत ₹2 लाख है।''

राजकुमारी रत्नावती गर्ल्स स्कूल, जैसलमेर में छात्रायें नव स्थापित पुस्तकालय में एक बच्ची को किताब पढ़ते हुए सुनते हैं।

लड़कियां नए कौशल सीखने के लिए उत्सुक हैं और यह नया पुस्तकालय स्कूल में उनकी पसंदीदा जगह बन गया है।

ललित पुरोहित

हेड मास्टर, राजकुमारी रतनावती गर्ल्स स्कूल

स्कूल में लूडो खेलती छात्राएँ।

स्कूल

जैसलमेर के ग्रामीण थार रेगिस्तान में स्थित राजकुमारी रत्नावती गर्ल्स स्कूल की एक अद्वितीय अंडाकार इमारत है जिसे अत्यधिक तापमान का सामना करने हेतु डिज़ाइन किया गया है। इस स्कूल में किंडरगार्टन से कक्षा दस तक 400 लड़कियां पढ़ती है। स्थानीय बलुआ पत्थर से निर्मित और न्यूयॉर्क स्थित डायना केलॉग आर्किटेक्ट्स द्वारा डिजाइन किया गया यह स्कूल महिला शक्ति का प्रतीक है। यहाँ के आंगन में एक वर्षा जल संचयन सुविधा है, जो यहाँ के शुष्क रेगिस्तानी वातावरण में जल प्रबंधन के महत्व की जिम्मेदारी पर जोर देती है। इस परिसर में शिल्प प्रदर्शनियों के लिए मेधा हॉल मौजूद है और इसका उपयोग ग्रामीण महिलाओं के लिए कलात्मकता, बुनाई और कढ़ाई जैसे पारंपरिक कौशल में शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु भी किया जाता है।

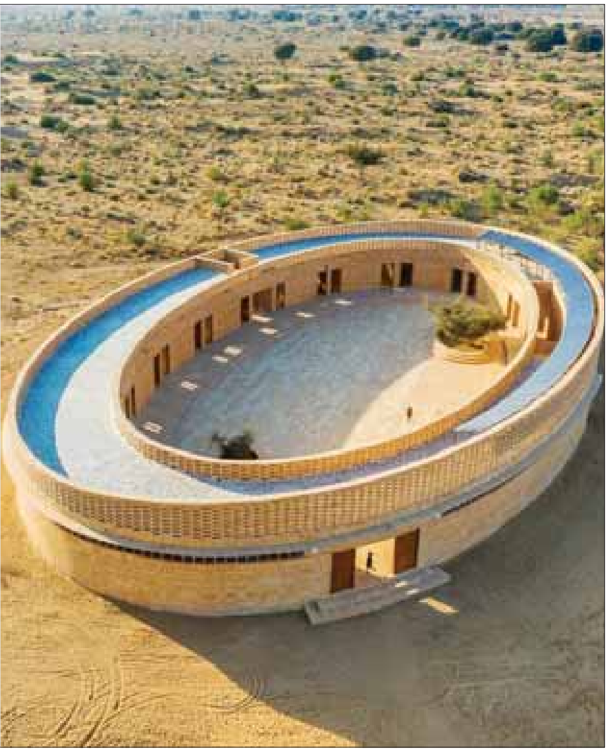

भी दान किए जिससे लड़कियों को आवश्यक कंप्यूटर कौशल विकसित करने में मदद मिलती है। चित्रा उम्मीद करती है कि ''अन्य रोटरी क्लब इस स्कूल की मदद के लिए आगे आएंगे क्योंकि इसमें शैक्षिक उपकरणों और संसाधनों की कमी है। हमारे क्लबों के समर्थन से इन लड़कियों को सीखने के बेहतर अवसर प्राप्त होंगे।''

भविष्य को लेकर दोनों रोटरी क्लब एक ऐसे भविष्य की कल्पना करते हैं ''जहाँ ये सशक्त लड़कियां हमारे समुदायों में बदलाव की एजेंट बनेंगी। हम चाहते है कि वे अपनी माताओं को अपना नाम लिखना सीखने हेतु प्रोत्साहित करें और धीरे-धीरे उन्हें पढ़ने की खुशी से परिचित करवाएं,'' रोटरी क्लब जैसलमेर स्वर्ण नगरी के अध्यक्ष प्रतीश चांडक कहते हैं। उन्होंने हाल ही में जैसलमेर के राजा और इस स्कूल के प्रशासनिक प्रमुख चैतन्य राज सिंह से मुलाकात की। ''वह कुछ वरिष्ठ छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक दौरे पर भेजना चाहते हैं और इसके प्रायोजन के लिए उन्होंने हमारे क्लब से संपर्क किया। हमें उनकी सहायता करने में खुशी होगी,'' चांडक कहते हैं।

स्कूल के हेडमास्टर ललित पुरोहित ने इस नई लाइब्रेरी से आए बदलाव को प्रत्यक्ष रूप से देखा। ''लड़कियां नए कौशल सीखने के लिए उत्सुक हैं और यह नया पुस्तकालय स्कूल में उनकी पसंदीदा जगह बन गया है,'' वह कहते हैं। सामूहिक और व्यक्तिगत पठन सत्र आयोजित किए जाते हैं और ''लड़कियां किताबों की मनोरम दुनिया में डूबने हेतु अपनी बारी आने का बेसब्री से इंतजार करती हैं। आपको आश्चर्य होगा कि कक्षा 3 और 4 की लड़कियां न केवल पढ़ती हैं, बल्कि अंग्रेजी में संवाद भी करती हैं,'' वह गर्व से कहते है।

एक समूह वाचन सत्र।

एस कृष्णप्रतीश द्वारा रूपरेखा

Rotary PEOPLE OF ACTION

बालिका सशक्तिकरण के लिए कला प्रदर्शनी

टीम रोटरी न्यूज़

हाल ही में चिली के दूतावास में बालिकाओं के सशक्तिकरण के लिए धन जुटाने के लिए एक कला प्रदर्शनी आयोजित की गई थी। चिली के राजदूत जुआन अंगुलो द्वारा प्रदर्शनी का उदघाटन किया गया। प्रदर्शनी के चित्रों में बहुत तरह की छवियाँ थीं, सभी छवियाँ छोटी बच्चियों की क्षमता और शक्ति की ओर इशारा करते हैं। *द ब्लू मून* द्वारा समर्थित और मीनू कुमार द्वारा तरतीब से रखे गए चित्रों की नीलामी की गई और रोटरी इंडिया लिट्रेसी मिशन (आरआईएलएम) के आशा किरण कार्यक्रम के माध्यम से बालिकाओं की शिक्षा के लिए दान किया गया।

नीलामी के दौरान, पहली चित्रकारी मैक्सिको के एक परामर्श दाता ने खरीदी, जिन्होंने ₹10,000 रूपए के आरक्षित मूल्य के टैग वाली एक चित्र के लिए ₹18,000 का भुगतान किया। द ब्लू मून की जूलियगंगवानी, जो एक रोटेरियन भी हैं, ने बताया कि ₹2.15 लाख के चित्र बेचे गए और कई अन्य ₹30 लाख के चित्र बाद की बिक्री के लिए रखे गए हैं। कुल बिक्री में से एक- चौथाई बालिकाओं को शिक्षित करने के लिए, अन्य 25 प्रतिशत बालिकाओं को कुशल बनाने के लिए और शेष कलाकारों को दिया जाएगा।

दाएं से: कला प्रदर्शनी में भारत में चिली के राजदूत जुआन अंगुलो, पीआरआईडी कमल सांघवी, जूलिया गंगवानी पूर्व अध्यक्ष, रोटरी ई क्लब आफ़ प्रोगरेसिफ तिन्करस और क्यूरेटर मीनू कुमार।

आरआईएलएम के अध्यक्ष और पीआरआईडी कमल सांधवी ने प्रदर्शनी में भाग लिया और कला प्रदर्शनी आयोजित करने में मदद करने के लिए चिली के राजदूत को धन्यवाद दिया।■

अंध विद्यालय को मिली बस सुविधा

स्कूल में नई बस के उद्घाटन के अवसर पर रोटरी क्लब सोलापुर नॉर्थ के सदस्य।

रोटरी क्लब सोलापुर नॉर्थ के सदस्य स्वर्गीय श्यामसुंदर तोशनीवाल द्वारा 1987 में स्थापित भैरूरतन दमानी ब्लाइंड स्कूल, रो ई मंडल 3132 दृष्टिहीन छात्रों को आवासीय शिक्षा प्रदान करता है। विद्यालय में ब्रैल, पुस्तकालय, लिंगानुसार शौचालय, शयन कक्ष, रसोई घर, भोजनालय, कक्षाएं प्रशिक्षित शिक्षक और देखभाल करने वालों जैसी महत्वपूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती है। साथ ही मोमबत्ती, हथकरघा उत्पाद, थैला और कृत्रिम फूल बनाने का व्यावसायिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है।

माता-पिता अपने बच्चों को उनकी विकलांगता के कारण सार्वजनिक परिवहन से स्कूल भेजने में झिझकते थे। उद्यमी श्रीराम रेड्डी ने दिन के छात्रों को आवागमन की परेशानियों का समाधान करने के उद्देश्य से स्कूल को उपहार के रूप में ₹27 लाख की 30 - सीटर बस दिया। क्लब का नेतृत्व कर रहे निहार बर्टे ने श्रीराम रेड्डी को सम्मानित किया। इसके अलावा क्लब की योजना ब्रेल में सक्षम हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर के साथ एक कंप्यूटर लैब स्थापित करना है और छात्रों के हस्तनिर्मित उत्पादों की बिक्री में सहायता करने की है। ■

Rotary PEOPLE OF ACTION

उम्मीद की किरण - जयपुर लिंब्स

रशीदा भगत

रोटरी जयपुर लिंब (आरजेएल), यूके, आरआईबीआई (ग्रेट ब्रिटेन और आयरलैंड में रोटरी इंटरनेशनल) की एक प्रमुख धर्मार्थ संस्था, एशिया और अफ्रीका में कई वर्षों से आयोजित किये जा रहे कृत्रिम अंग शिविरों का वित्त पोषण और सहयोग कर रही है। अपने 32 साल के इतिहास में इस संस्था ने बेनिन, घाना, हैती, भारत, आइवरी कोस्ट, केन्या, मलावी, नेपाल, नाइजीरिया, रवांडा, श्रीलंका और तंजानिया में सफलतापूर्वक परियोजनाएं की हैं।

इस संस्था के ट्रस्टियों में से एक और भारत के प्रभारी निदेशक, पीडीजी रिचर्ड ग्रीन, हाल ही में *रोटरी न्यूज़* के साथ एक ज़ूम पर लिए साक्षात्कार में कहते हैं कि 1990 के बाद, ''हमने भारत में नौ केंद्र स्थापित किए हैं और रोटरी क्लबों का समर्थन करते हुए बड़ी संख्या में कई विशाल लिम्ब शिविरों को वित्त पोषित किया है। अफ्रीका में 24 केंद्र शुरू किए थे जिनमें से अभी केवल 8 सक्रिय हैं, कुछ केंद्र स्थानीय गड़बड़ी और विद्रोही गतिविधियों के चलते बंद हो गए; 2023 में हमने चार नए केंद्रों की योजना बनाई है।''

उन्होंने एक खुशखबरी के साथ साक्षात्कार आरम्भ किया, केरल में 600 अंग प्रदान करने के लिए 34,000 डॉलर के वैश्विक अनुदान (जीजी) आवेदन की स्वीकृति। ''मैं फरवरी में भारत गया था और भारत के हमारे मुख्य राजदूत हैं पीडीजी स्कारिया जोस कट्टूर (रो ई मंडल 3211) ने हमारी काफी सहायता की और इस क्षेत्र में बहुत काम किया है।'' प्रस्तावित शिविर रो ई मंडल 3211 के सभी पांच राजस्व जिलों में आयोजित किए जाएंगे।

ऐसा अनुमान है कि विकासशील देशों में प्रत्येक 1,000 में से एक व्यक्ति ने अपना एक अंग खो दिया है। यह अकेले भारत में दस लाख से अधिक के बराबर है।

पूर्व रो ई निदेशक और आरआईबीआई के अध्यक्ष रह चुके, आरजेएल के अध्यक्ष ब्रायन स्टॉयल और पीडीजी ग्रीन का अनुमान है कि भारत में इस ब्रिटिश धार्मिक संस्था ने 50,000 से अधिक अंग और काफी तादाद में बैसाखी, व्हीलचेयर और तिपहिया साइकिलें उपलब्ध करवाई हैं और 18 टीआरएफ ग्लोबल और मैचिंग ग्रांट प्राप्त की हैं। अफ्रीका के लिए ये संख्या, 30,000 से अधिक अंग सहित 28 टीआरएफ ग्लोबल और मैचिंग अनुदान है।

शुरुआत:

आरजेएल की स्थापना यूके के एक रोटेरियन पीटर पार्ट्रिज द्वारा बीएमवीएसएस (भगवान महावीर विकलांग

पीडीजी रिचर्ड ग्रीन (बीच में), निदेशक, रोटरी जयपुर लिंब (भारत चैप्टर), एलएन-4 हैंड प्राप्तकर्ता लावण्या प्रसाद के साथ।

सहायता समिति) की अंग-निर्माण कार्यशालाओं का भ्रमण करने के बाद की गई, जो जयपुर में विकलांगों की सहायता करने वाले सबसे बड़े संगठनों में से एक है। ''यह बात 1985 की है और उन दिनों वो छुट्टी पर आये हुए थे। उन्होंने जो देखा उससे वे इतने उत्साहित हुए कि उन्होंने यूके में एक धार्मिक संस्था के रूप में परियोजना शुरू करने का फैसला कर लिया। यह परिणाम था ब्रिटेन के एक रोटेरियन के भारत भ्रमण का जिससे इस प्रक्रिया का सूत्रपात हुआ।''

1988 में संस्था की स्थापना की गई थी और 1995 में इसे पंजीकृत किया गया और तब से इस परियोजना में सम्मिलित टीम इसी उद्देश्य की पूर्ती के लिए धन संग्रहण कर रही है। ग्रीन का कहना है कि जयपुर के अंगों - दोनों पैर और एलएन-4 हाथ - की मांग बहुत ज़्यादा है। ''मुझे हाल ही में भारत में एलएन-4 हैंड प्रोजेक्ट का संचालन करने वाले रोटेरियन मोहनकुमार ने बताया था कि *भारत में 5 मिलियन विकलांग* हैं। विचित्र बात ये है कि भारत में अंग-भंग के 80 प्रतिशत मामले बिजली के झटके लगने से होते हैं और इनमें से अधिकतर लोगों को एलएन-4 हैंड लगाए जाते हैं।'' सड़क और रेल दुर्घटनाएँ, खेतों पर दुर्घटनाएँ आदि अन्य कारण हैं। यूके संस्था द्वारा स्थापित आउटरीच शिविर और स्थायी अंग केंद्र, जिनमें से अधिकांश अस्पतालों में बनाये गए हैं, सभी आयु समूहों के स्त्री, पुरुषों दोनों के लिए खुले हैं। ग्रीन कहते हैं, ''छोटे बच्चों को अधिकतर जन्मजात विकृतियों के कारण कृत्रिम अंगों की आवश्यकता पड़ती है और भारत में पोलियो का सफाया होने से पहले कई लोग पोलियो के शिकार भी थे।'' स्टॉयल आगे कहते हैं, ''हमारे केंद्र और शिविर में उम्र के कारण किसी को भी मना नहीं किया जाता; सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि कृत्रिम अंग लगाने के बाद व्यक्ति काम करके आय प्राप्त कर सकता है।''

भारत में जयपुर लिम्बस से ग्रीन का जुड़ाव तब शुरू हुआ जब उन्होंने 2008 में बेंगलुरु से आई एक ग्रुप स्टडी एक्सचेंज टीम लीडर की मेजबानी की थी। ''उन्होंने मुझे अपने साथ रहने के लिए आमंत्रित किया था और मुझे बेंगलुरु के रमैया अस्पताल में जेएलसी दिखाने ले गए थे। सड़क पर गाड़ी चलाते समय हमने लगभग 40 साल के एक व्यक्ति को सड़क किनारे लंगड़ा कर चलते हुए देखा और जब मेरे मेजबान ने उससे बात की, तो मुझे पोलियो शब्द

जीवन परिवर्तन करने वाला अनुभव

पीडीजी स्कारिया जोस (बाएं से दूसरे) एक तकनीशियन की सहायता करते हुए। पीडीजी जॉन विल्टन, रो ई मंडल 1120, और टॉमी कनायम्पलकल भी चित्र में शामिल हैं।

मैं यूके की इस संस्था के साथ 30 से अधिक वर्षों से काम कर रहा हूँ ; मैंने 1992 में आरजेएल के साथ काम करना शुरू किया था और पाया कि इसे यूके में अत्यधिक दयालु रोटेरियनों के एक समूह का समर्थन प्राप्त है। जब मैंने पहला कृत्रिम अंग शिविर लगाया था, मैं केवल 21 वर्ष का था और टीआरएफ अनुदान के बारे में मेरी जानकारी नगण्य थी,'' पीडीजी स्कारिया जोस कट्टूर याद करते हैं।

1990 के दशक में उपलब्ध धीमे संचार माध्यमों पर टिप्पणी करते हुए, उन्होंने याद किया कि आरजेएल के ट्रस्टियों में से जब कोई एक भारत को पत्र भेजता था, वो 40 दिनों में पहुंचता था! इसके बाद ₹250 का फैक्स आया पर 21 साल के व्यक्ति के लिए वह भी बहुत महंगा था!

यूके चैरिटी के ट्रस्टियों ने वर्षों तक उनका मार्गदर्शन किया है; ''अब मैं एक वरिष्ठ रोटेरियन हूं लेकिन फिर भी उनके साथ काम करना पसंद करता हूं क्योंकि हम लोगों को केवल अंग नहीं बल्कि ज़िंदगी के साथ उम्मीद देते हैं। आख़िरकार, 70 पाउंड ब्रिटेन में सिर्फ एक अच्छे रात्रिभोज की कीमत ही तो है।''

यह कहते हुए कि ''इस परियोजना को धन्यवाद है, मैं अपेक्षाकृत बेहतर रोटेरियन बन गया हूं,'' कट्टूर कहते हैं कि ग्रीन और उनकी टीम ''इस काम को करने वाले क्लबों को पूरा सहयोग और मार्गदर्शन देते हैं और मैं भारत में क्लबों को जीजी से संबंधित टीआरएफ के सभी प्रश्नों का समाधान करने में मदद करता हूं।''

अपनी पहली मैचिंग ग्रांट के बारे में उन्होंने बताया ''1995 में 1,000 अंगों की एक परियोजना थी। यह मेरी ज़िन्दगी बदल देने वाली परियोजना थी। रोटरी का असली जादू यह है कि यह मेरे जैसे सामान्य लोगों को असाधारण परियोजनाएं करने में सहायता करता है,'' भारतीय क्लबों से अवसर का लाभ उठाने का आग्रह करते हुए कट्टूर कहते हैं। ''आरजेएल, यूके, जिसके पास अत्यधिक प्रतिबद्ध रो ई अधिकारी हैं, अधिक से अधिक आउटरीच शिविर आयोजित करना चाहते हैं ; वे यूके में रोटरी क्लबों, मंडलों को वैश्विक अनुदान के लिए भारतीय क्लबों और मंडलों के साथ जुड़ने के लिए प्रेरित करते रहते हैं। वे अंग परियोजनाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए समय-समय पर भारत व यूके में क्लबों और मंडलों का दौरा करते रहते हैं।''

सुनाई दिया। हम उसे अंग शिविर में ले आए और दो घंटे में कैलीपर्स के लिए माप लिया गया और उससे कहा कि वह अगले दिन आ कर मुफ्त में अंग लगवा सकता है।''

जब वे कार पार्क में वापस जा रहे थे, ''यह आदमी लंगड़ा कर चलते हुए वापस आया और भावुक होते हुए मुझे अपनी बाहों में भर लिया, बोला: धन्यवाद रोटरी, मैं अब काम कर सकता हूं और अपने परिवार की सहायता कर सकता हूं।''

जब ये शिविर आयोजित होते हैं तो स्टॉयल बताते हैं कि इन अंगों को फिट करने में लगने वाले समय में, अगर प्रोटोटाइप पहले से ही उपलब्ध हो, गति सबसे महत्वपूर्ण होती है, ''क्योंकि इन शिविरों में लोग दूर दूर से आते हैं। एक दिन के लिए हम उन्हें यहां रखते हैं, खाना भी खिलाते हैं और लेकिन पारंपरिक पद्धति से अंग लगाने में लगभग छह घंटे लग जाते हैं। लेकिन क्योंकि इन शिविरों में बड़ी संख्या में लोग आते हैं, इसलिए पहले दिन हम माप ले लेते हैं और अगले दिन अंग लगाते हैं।''

उन्होंने बताया कि तकनीशियनों को प्रशिक्षित करने पर काफी जोर दिया जाता है; ''निरंतरता महत्वपूर्ण शब्द है, अनवरत काम चलता रहना चाहिए क्योंकि अगर हमारी उपस्थिति में ही काम हो, जब हम या हमारे प्रशिक्षक वहां मौजूद रहें, तो कोई फायदा नहीं है।''

भारत में एक अंग की औसत कीमत 70 पाउंड (₹6,000) है। इस प्रक्रिया को समझाते हुए, ग्रीन कहते हैं, पैर बनाने वाला व्यक्ति हमारे तकनीशियन के सामने बैठता है, जो कटे हुए स्टंप को प्लास्टर ऑफ पेरिस से लपेटता है, वो तुरंत सेट हो जाता है। इन मापों के अनुसार सांचा निर्मित किया जाता है; हमें वस्तुतः पीवीसी से बना एक ड्रेनपाइप मिलता है, जो मजबूत और टिकाऊ होता है। इसके निचले भाग में जयपुर फुट होता है जो बहुत कठोर, टिकाऊ, लंबे समय तक चलने वाले रबर के मिश्रण से बना एक उत्कृष्ट कोटि का उत्पाद है।''

कुछ प्राप्तकर्ता यहां कृत्रिम अंगों की मरम्मत करवाने के लिए आते हैं, विशेषकर बच्चे क्योंकि वे बड़े हो रहे होते हैं।

पीडीजी कट्टूर का कहना है कि जयपुर फुट दुनिया में सबसे कम लागत का कृत्रिम अंग है। ''यदि आप किसी निजी व्यवसायी के पास जाएंगे तो भारत में इस जयपुर फुट की कीमत ₹30,000 पड़ेगी, लेकिन हम एक अंग के लिए सिर्फ ₹6,000 खर्च करते हैं और इसे मुफ्त में लगाते हैं।''

अफ्रीकी परिदृश्य

अफ्रीका के बारे में चर्चा करते हुए, आरजेएल ट्रस्टी और धर्मार्थ संस्था में अफ्रीका के निदेशक, डॉन शॉर्ट का कहना है कि अफ्रीका में ''26 कार्यशालाएं पहले ही संचालित हो चुकी हैं, वर्तमान में चार अन्य कांगो, रवांडा गाम्बिया और इथियोपिया में आ रही हैं। इन सभी में कोविड और स्थानीय कारणों से देरी हुई। गाम्बिया और इथियोपिया कार्यशालाओं में प्रत्येक में 1,000 अंग बनाने की क्षमता होगी और अन्य दो में 500 अंग बनाने की क्षमता होगी।''

शॉर्ट कहते हैं, ''अफ्रीका में आर्थोपेडिक अस्पताल का नेटवर्क भारत जितना विस्तृत नहीं है और कहते हैं, ''आम तौर पर हम अस्पताल के भीतर ही एक कार्यशाला का निर्माण करते हैं, इसे आवश्यक सामग्री और उपकरणों के साथ तैयार करते हैं और

ऊपरः 2002 में रोटरी क्लब मुवट्टुपुला द्वारा आयोजित कृत्रिम अंग फिटमेंट शिविर में भारत के परियोजना प्रबंधक पीडीजी पीटर स्विंस्को।

बाएंः कृत्रिम अंग लगाए जाने के बाद एक महिला मुस्कुराती हुई।

अंगों के निर्माण के लिए स्थानीय तकनीशियनों को प्रशिक्षित करते हैं। इसलिए वहां से हमारे चले जाने के बाद भी, शिविर के विपरीत, काम जारी रख सकते हैं।'' भारत के विपरीत, अफ्रीका में मरीज अंग के लिए भुगतान करते हैं और उसके बाद की सामग्री इन पैसों से खरीदी जाती है। आरजेएल के सुझाव के अनुसार कि घुटने से ऊपर और घुटने के नीचे के प्रोस्थेटिक्स के कीमत 250 डॉलर और 150 डॉलर। पीआरआईडी स्टॉयल कहते हैं, ''अगर उनके पास धन नहीं हैं तो वे धन के लिए पुनः हम से संपर्क कर सकते हैं, ताकि वह कार्यशाला चलती रहे।''

भारत के विपरीत, जहां अंग-विच्छेदन का मुख्य कारण बिजली का झटका होता है, अफ्रीका में इसके कई कारण है, सबसे आम है दुर्घटना, सड़क पर या कार्यस्थल पर। जब स्टॉयल से बारूदी सुरंगों की वजह से हाथ-पैर गंवाने के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने जवाब दिया: ''रवांडा में बारूदी सुरंग भी वास्तव में एक कारक हैं या पहले हुआ करती थीं। आठ साल पहले रवांडा में एक कार्यशाला के दौरे पर जाना हुआ था और उस समय वहां सात विकलांग थे; वे सभी बारूदी सुरंग के शिकार हुए थे।''

तो अफ्रीका में इस समस्या के समाधान में आरजेएल को कितनी सफलता मिली है? शॉर्ट ने जवाब दिया : ''हम जानते हैं कि अभी हम केवल सतही तौर पर काम कर रहे हैं, इसकी गहराई तक नहीं पहुंच सके हैं। ऐसे बहुत से लोग हैं जिनकी पहुंच कृत्रिम अंग तक नहीं है इसलिए वे बैसाखी के सहारे चलते हैं या खड़े ऊपर ही नहीं हो पाते हैं। अफ्रीका में जातीय संघर्ष, हिंसा बहुत ज़्यादा है और यहां रोटरी के लिए काम करने की बहुत गुंजाइश है। दूरदराज के इलाकों में जब ऐसी दुर्घटनाएं होती हैं तो अपर्याप्त चिकित्सा सुविधाओं वाला एक छोटा सा कमरा ही उपलब्ध होता है। जब तक घायल व्यक्ति अस्पताल पहुंचता है, तब तक अंग-विच्छेदन ही जीवन बचाने का एकमात्र तरीका बचता है। इसलिए कई विच्छेदन मजबूरी में करने पड़ते हैं।''

कट्टूर ने बताया कि भारत में, कभी-कभी बिजली ग्रिड से अवैध कनेक्शन लेने के लिए की गई टैपिंग के दौरान हुआ, अंग-विच्छेदन महत्वपूर्ण कारक है, ''मेरा मानना है कि उत्तर भारत में ये घटनाएं अधिक होती हैं पर दक्षिण में इसकी वजह

सड़क दुर्घटनाएँ हैं और केरल में इसका कारण मधुमेह भी होता है।''

भारत के सन्दर्भ में ग्रीन का अनुभव यह है कि युवा लड़कियां ''अपने नए अंगों के साथ सहजता से सामंजस्य बिठा लेती हैं। उनमें से कुछ को तो मैंने इन अंगों सहित नृत्य करते भी देखा है। चूंकि वे लंबी स्कर्ट पहनती हैं, आप आभास भी नहीं होता कि लड़की के अंग कृत्रिम हैं!'' वह बोले कि एलएन-4 हाथ बनाने वाली अमेरिकी धर्मार्थ संस्था ने 2012 में बेंगलुरु में आरजेएल समर्थित परियोजना के लिए पहली बार ये हाथ उपलब्ध कराए थे। ''इन हाथों को पहन कर कप पकड़ना कुदाल या उपकरण और साइकिल चलाना आसान हो जाता है। एक व्यक्ति तो शुरुआत में ही हाथ में कलम पकड़ने और लिखने लगा था। कंप्यूटर कीबोर्ड का उपयोग करना या बैसाखी पकड़ना तो बहुत ही सहज हो जाता है। दुनिया भर में अनेक दिव्यांगों को जयपुर अंग न केवल गतिशील करता है बल्कि स्वतंत्रता के साथ एक नया जीवन भी प्रदान करता है।''

हालाँकि भारत में राजदूत स्थापित करने से लाभ पहुंचा है लेकिन यह अफ्रीका में सफल नहीं हो सका। स्थानीय राजदूत का काम इस कार्य को सुविधाजनक बनाने और सहायता करना है।

भारत और अफ्रीका में अपने काम के अलावा, आरजेएल ने नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका में भी स्थायी केंद्र स्थापित किए हैं। 2010 में भूकंप के बाद, एक प्रमुख परियोजना के तहत हैती में एक कार्यशाला, रोगी छात्रावास, प्रशिक्षण केंद्र और 4x4 एम्बुलेंस की स्थापना की है।

यदि आप किसी निजी पार्टी में जाते हैं, तो भारत में जयपुर फुट की कीमत ₹30,000 होगी, लेकिन हम एक अंग के लिए केवल ₹6,000 तक खर्च करते हैं और इसे प्राप्तकर्ताओं को मुफ्त देते हैं।

पीडीजी स्कारिया जोस कट्टूर

टीआरएफ की महत्वपूर्ण भूमिका

ग्रीन ने कहा हैं कि भारत और अफ्रीका में विकलांगों को कृत्रिम अंग प्राप्त करने में मदद करने के लिए धन जुटाने के लिए यूके में रोटेरियनों का एक समूह प्रतिबद्ध है, और यूके की संस्था यूके और अन्य देशों में स्थित रोटरी क्लबों को भारत के क्लबों के साथ मिल कर काम करने और वैश्विक अनुदान आवेदन करने के लिए मदद करती रहती है। ''हमें कई वैश्विक अनुदानों के माध्यम से टीआरएफ से आर्थिक सहायता और सहयोग मिला है; टीआरएफ के बिना हम यह काम नहीं कर पाते!''

लेकिन, कोविड के बाद, ''धन जुटाने में बहुत परेशानी हो रही है और हमने देखा है कि रोटेरियन की मानसिकता ही बदल गई है। हमें मालूम है कि कि वहाँ ज़रूरत है और हमारे रोटेरियन हमारा सहयोग करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में हमारी आय काफी कम हो गई है,'' स्टॉयल कहते हैं।

परियोजना की लागत और उनके कार्बन पदचिह्न दोनों को कम करने के लिए, हम स्मार्ट कक्षाओं के माध्यम से नई तकनीक का उपयोग करके दूरस्थ प्रशिक्षण को अनुकूलित करने का प्रयास कर रहे हैं जहां हम अपने घरों में बैठ कर भारत या अफ्रीका के बाहरी इलाकों में तकनीशियनों को प्रशिक्षित करने में मदद कर सकते हैं।

ट्रस्टियों का अनुमान है कि वर्तमान में यूके में आरजेएल द्वारा जुटाई जाने वाली धनराशि लगभग 50,000-60,000 पाउंड प्रति वर्ष है। स्टॉयल कहते हैं, पहले ये काफी ज्यादा हुआ करती थी लेकिन ब्रिटेन में धन जुटाने पर कोविड का हानिकारक प्रभाव पड़ा है, केवल इस उद्देश्य के लिए ही नहीं बल्कि अन्य सभी चीज़ों सहित मलेरिया पर भी, जिस के लिए मैं भी काम करता हूं।

परन्तु इस काम को जारी रखने का संकल्प लिए आरजेएल के सभी सातों ट्रस्टी धन जुटाने के विभिन्न तरीकों पर विचार कर रहे हैं। ''हमें दुनिया भर के रोटेरियनों से निवेश की आवश्यकता है। टीआरएफ के साथ हमारे संबंध बहुत अच्छे हैं, हम अपनी परियोजनाओं को सही तरह से सूचीबद्ध करते हैं जो फाउंडेशन से कभी भी अस्वीकृत नहीं होती। हमें उम्मीद है कि आपका लेख लोगों को हमारे काम और सहायता के बारे में जानकारी देकर धन जुटाने में मदद करेगा।''

कट्टूर ने भारतीय क्लबों से आरजेएल, यूके द्वारा प्रदान किए गए अवसर का लाभ उठाने का आग्रह किया, ''जो जीजी के लिए अंतरराष्ट्रीय भागीदार उपलब्ध करवाने के लिए तैयार है। इसके अलावा, हम डीडीएफ से जो कुछ भी प्राप्त कर सकते हैं वह भी एक बड़ी मदद होगी... ऐसे कई मंडल हैं जिनके डीडीएफ में बड़ी राशि जमा है।'' ■

ADVT.

Shri Vaishnav Vidyapeeth Vishwavidyalaya, Indore

City Office: Shri Vaishnav Vidya Parisar, 177 Jawahar Marg, South Rajmohalla, **INDORE**-2
Campus: Indore-Ujjain State Highway, **INDORE**-453111. **Mob.: 9303700163, 9303700164, 9303700165, 9303700166, 9303700168**

THINK EXCELLENCE LIVE EXCELLENCE

ADMISSIONS 2023-24

LEARN, UNLEARN AND RELEARN AT SVVV.

Register at SVVV for skills,global exposure and industry-readiness!

Approved under Section 2(f) of the UGC Act, 1956

- EXCELLENT TRACK RECORD • Relief for the Children of COVID-19 Warriors
- Scholarships for the Meritorious Students • Registrations Open- Register@www.svvv.edu.in

↗ MoU with Hanyang University, South Korea ; St. Cloud State University, USA ; University of Science & Technology, Meghalaya for Student/Faculty Exchange and Joint Research. ↗ MoU with TCS for Technical Collaboration. ↗ MoU with NRDC (Ministry of Science & Technology) for transfer of technology to industry. ↗ MoU with NCSSS (National Cyber Safety and Security Standards) for Technical Collaboration. ↗ MoU with Tata Power Ltd. for Technical Collaboration. ↗ Agreement with CISCO Network Academy. ↗ Agreement with Bosch India. ↗ MoU with Microsoft Corporation (India) Pvt. Ltd. for Technical Collaboration. ↗ MoU with IBM for Technical Collaboration. ↗ MoU with Red Hat for Technical Collaboration. ↗ Apple Authorised Training Centre Agreement for Education. ↗ MoU with Mitsubishi Electric India. ↗ MoU with ICT Academy ↗ MoU with Mahatma Gandhi National Council of Rural Education (MGNCRE), Government of India, Ministry of Education. ↗ MoU with Impetus Technology India Pvt. Ltd. for Technical Collaboration. ↗ MoU with Manmade Textiles Research Association (MANTRA) for Technical Collaboration ↗ MoU with ICAR- Indian Institute of Soybean Research ↗ Fees Structure is approved by the Government of Madhya Pradesh. ↗ Ranked jointly by Innovation Cell of the Ministry of Education (Government of India) and AICTE in Top 50 Most Preferred Institutions in 2021.

ENGINEERING AND TECHNOLOGY

B. Tech. (4 years)
Agricultural Engineering/Automobile Engineering/ AE (Electric Vehicle Engineering)/ Civil Engineering/Electronics and Computer Science Engineering/Electrical Engineering (Solar Energy-Tata Power)/Electrical & Electronics Engineering/Electrical Engineering/ Electronics and Communication Engineering/ EC (Internet of Things)/ ME (Artificial Intelligence & Machine Learning)/ CE (Artificial Intelligence & Machine Learning)/ ECE (Artificial Intelligence & IoT)/ Electronics and Instrumentation Engineering/ Instrumentation & Control Engineering/ Mechanical Engineering/Mechanical Engineering (Plant Engineering-Tata Power)/ Mechatronics/ Railway Engineering/Robotics and Automation/Electronics (VLSI Design & Technology)

M. Tech. (2 years)
Civil (Geotechnical Engineering)/ Civil (Structural Engineering)/Civil (Transportation Engineering)/Civil (Water Resources Engineering)/Digital Communication/ Digital Instrumentation/ Embedded System & VLSI design/Industrial Engineering/ Mechanical (Thermal and Design Engineering)/ Power Electronics/Power System / Renewable Energy/ Virtual Instrumentation/ Construction Technology & Management/ Automation & Robotics

Diploma Programs (3 years)
Automobile Engineering /Civil Engineering/ Electrical Engineering /Electronics and Instrumentation Engineering/Electronics Engineering/Mechanical Engineering/ Mechatronics Engineering/ Solar Energy / Integrated Circuit (IC) Manufacturing

B. Tech. (4 years)
Computer & Communication Engineering/ Computer Science & Business Systems- (TCS)/ Computer Science Engineering/CSE (Mobile Applications)-Apple (AATCE)/ CSE (Artificial Intelligence - IBM)/ CSE (Big Data and Cloud Engineering-Impetus)/CSE (Data Science-IBM)/ CSE (Enterprise System- red hat)/ CSE (FullStack Development & Blockchain- IBM)/ CSE (Information and Cyber Security-NCSSS)/ CSE (Artificial Intelligence and Machine Learning-Microsoft)/Information Technology/ IT (Data Science-IBM)/ IT (FullStack Development & Blockchain-IBM)/ CSE (Internet of Things-IBM)

M. Tech. (2 years)
Computer Science Engineering/ Computer Science Engineering (Big Data Analytics)/ Computer Communication Engineering/ Information Security

Dual Degree Programs
B. Tech. + M. Tech. (4+2 years)
Computer Science Engineering/ Computer Science Engineering (Big Data Analytics)/ Computer Science Engineering (Cloud Computing)/Computer Science Engineering (Cyber Forensic)/Information Communication Technology/ Information Technology.

B. Tech. + MBA (4+2 years)
Computer Science Engineering/ Information Technology

Diploma Program
One-Year Post Graduate Diploma in Computer Applications (PGDCA)
Six-Months Diploma in Computer Hardware and Networking (DCHN)

B. Tech. (4 years)
Garment & Fashion Technology/ Textile Engineering/ Technical Textiles

M. Tech. (2 years)
Textile Engineering/Textile Chemistry

B. Sc. (4 years) Fashion Design

B. Des (3 years) Fashion Design

Diploma Program (3 years)
Textile Engineering

FORENSIC SCIENCE

B.Sc. (Hons.) (4 years)
Digital & Cyber Forensics

B.Sc. (3 years)
Forensic Science/ Forensic Psychology

B.A./ B.Sc. Criminology

M.Sc. (2 years) Forensic Science/ Forensic Psychology/ Cyber Forensics

M.A./ M.Sc. (2 years) Criminology

Dual Degree Program
B.Sc.+ M.Sc. (3+2 years)
Forensic Science/ Forensic Psychology

ARCHITECTURE

B.Arch. (5 years)

B.Des. (4 years) Interior Design/ Product Design/Graphics & Animation

M.Des. (2 years) Interior Design

M.Des. Graphics & Animation

Dual Degree Program
B.Des.+ M.Des. (4+2 years)
Interior Design/ Product Design/ Graphics & Animation

PLANNING

B.Plan (4 years)

M.Plan (2 years) (Urban Planning)

MANAGEMENT

MBA (2 years)
Engineering Management/ Family Business & Entrepreneurship/ International Business/ Media Management/Agri-business/ Business Analytics/Advertising and Public Relations/Tourism/ Rural Management-MGNCRE/ Hospital & Healthcare Management/ Marketing/ Human Resource/ Finance/ Fintech

BBA (Hons.) (4 years)
BBA (3 years)
BBA (Fintech) (3 years)
BBA (Rural) (3 years)

Dual Degree Programs
BBA + MBA (3+2 years)
Marketing/HR/Finance/Operations/ Fintech/Rural Management-MGNCRE

MBA (2 years) (Industrial Management)
Open to Engineering Graduates only.

JOURNALISM AND MASS COMMUNICATION

M.A. (2 years)
Journalism and Mass Communication/ Hindi Journalism

Dual Degree Program
B.A. + M.A. (3+2 years)
Journalism and Mass Communication

FINE ARTS

BFA (4 years)
Painting/ Animation

MFA (2 years)
Painting/ Animation

AGRICULTURE

B.Sc. (Hons.) (4 years) Agriculture

M.Sc. (2 years)
Agriculture/ Horticulture
Genetics and Plant Breeding/ Entomology/ Plant Pathology/ Soil Science & Agricultural Chemistry/ Agronomy/ Horticulture (Fruit Science)/ Horticulture (Vegetable Science)/ Agricultural Economics/ Agricultural Extention Education / Live Stock Production & Management

SCIENCE

B.Sc. (3 years)
Physics/ Chemistry/ Maths/ Life Science/ Computer Science/ Biotechnology/ Electronics/ Instrumentation/ Statistics/ Economics

B.Sc. (Hons.) (4 years)
Physics/ Chemistry/ Maths/Computer Science/Biotechnology/Electronics/ Instrumentation/Statistics/Economics

M.Sc. (2 years)
Physics/ Chemistry/ Maths/ Environmental Science/ Analytical Chemistry/Biotechnology

Dual Degree Program
B.Sc. + M.Sc. (3+2 years)
Physics/ Chemistry/ Maths/ Statistics

COMPUTER APPLICATIONS

BCA (3 years) Big Data Analytics-IBM

B.Sc. (3 years) Data Science

M.Sc. (2 years) Computer Science

MCA (2 years) Banking Technology

MCA (2 years)

Dual Degree Programs
BCA + MCA (3+2 years)
BCA + MCA (3+2 years)
Banking Technology

SOCIAL SCIENCES, HUMANITIES AND ARTS

B.A. (3 years)

B.A. (Hons.) (4 years)
Psychology/ Economics/ Public Administration/ English Literature/ Sociology/Political Science/ Anthropology/ History/ Hindi Literature/ Sanskrit

B.S.W. (3 years)

M.A./M.Sc. (2 years)
Psychology/ Applied Psychology/ Public Administration/ Clinical Psychology/ Counselling Psychology/ English Literature/ Sociology/ Economics/ Education/Anthropology/History/ Political Science/ Hindi Literature/Sanskrit

M.S.W. (2 years)

Dual Degree Program
B.S.W. + M.S.W. (3+2 years)

B.Lib. I.Sc. + M.Lib. I.Sc.
One- Year Advanced Diploma in French

COMMERCE

B.Com (Hons.) (4 years)
Banking & Finance/ Entrepreneurship/ Tax Procedure/ Computer Applications

B.Com (3 years)
Banking & Finance/ Entrepreneurship/ Tax Procedure/ Computer Applications

M.Com (2 years)

Dual Degree Programs
B.Com+ M.Com (3+2 years)
B.Com + MBA (3+2 years)

LAW

LL.B (Hons.) (3 years)

LL.M (2 years) Business Law/ Criminal Law

LL.M (1 year)
(Business Law, Criminal Law, Human Rights)

Integrated Programs (5 years)
B.A.LL.B (Hons.)
B.B.A.LL.B (Hons.)
B.Com. LL.B (Hons.)

HOME SCIENCE

M.Sc. (2 years) Food & Nutrition

Dual Degree Program
B.Sc.+ M.Sc. (3+2 years) Food & Nutrition

PARAMEDICAL SCIENCES

Bachelor of Medical Labratory Technician (3 years)

DIPLOMA PROGRAMS (2 years)
X ray Radiographer Technician/ Medical Lab. Technician/ Cath. Lab. Technician/ Dialysis Technician/ Optometric Refraction/ Optometrist Contact Lens/ Anesthesia Technician/ Yoga/ Naturopathy

deepak

SEPARATE HOSTEL FACILITY FOR BOYS & GIRLS.

Campus visit:
All Parents and Students are invited to visit SVVV campus.

FACULTY OF DOCTORAL STUDIES & RESEARCH

All Seats of Ph.D program have been filled up.

Teaching Assistanceship (TA) of ₹12,400 (Rupees Twelve Thousand Four Hundred Only) for all GATE Qualified Candidates admitted in 02 years full time M.Tech Program, subject to MoE/UGC/AICTE Guidelines.

Note: (1) Lateral Entry seats are available in B.Tech. (2) SVET (Shri Vaishnav Entrance Test) will be held on August 6 and 20, 2023. The seats in various programs will be filled on the basis of prescribed Tests/ SVET-2023.

Toll Free: 1800 233 9111
Helpline: 1800 102 9191

For details, visit: www.svvv.edu.in admission@svvv.edu.in

Rotary PEOPLE OF ACTION

ग्रामीण लड़कियों को स्पोकन इंग्लिश का उपहार

जयश्री

विरुधुनगर में स्पोकन इंग्लिश कार्यशाला के प्रतिभागियों के साथ आईपीडीजी वी आर मुत्तु।

शिवकाशी के श्री विद्या कॉलेज ऑफ आर्ट्स की छात्रा दीपा को पूरे एक मिनट तक धाराप्रवाह अंग्रेजी में अपनी बात से दर्शकों का मन मोहते हुए देखना उल्लेखनीय था। मंच से जब वह हाल ही में सीखी इस नई भाषा में बोल रही थी तो वहाँ पर आत्मविश्वास बिखर रहा था। रो ई मंडल 3212 की एक महत्वपूर्ण पहल *प्रोजेक्ट पंच* से प्राप्त मूल्यों को धन्यवाद देते हुए उसने कहा, दो महीने पहले तक, मैंने सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं मंच पर जाकर इतने सारे लोगों का सामना करूंगी। मैं अंग्रेजी का एक साधारण वाक्य भी व्याकरणिक रूप से सही नहीं बोल पाती थी, उत्साह से चमकते हुए चेहरे के साथ उसने कहा।

प्रोजेक्ट पंच ने स्पोकन इंग्लिश और सार्वजनिक रूप से बोलने पर कार्यशालाओं के माध्यम से दीपा और 5,500 से अधिक अन्य छात्रों में ऐसा अद्भुत परिवर्तन लाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिससे इन युवाओं को अवसरों को तलाशकर अपने सपनों को पूरा करने का एक महत्वपूर्ण कौशल प्राप्त हुआ है।

आईपीडीजी वी आर मुत्तु कहते हैं, ''हमने स्पोकन इंग्लिश कोर्स पर इस कार्यक्रम को अभिभावकों और शैक्षणिक संस्थानों के प्रमुखों से प्राप्त सुझावों की प्रतिक्रिया के रूप में आयोजित किया ताकि छात्रों को यह भाषा धाराप्रवाह बोलने में मदद मिल सकें। हम उन माता-पिता की आकांक्षाओं को समझते हैं जो चाहते हैं कि उनके बच्चे अंग्रेजी में उत्कृष्टता प्राप्त करके आज की प्रतिस्पर्धी दुनिया में विशेष रूप से रोजगार में इसका अमूल्य लाभ प्राप्त करें।''

रो ई मंडल 3212 में दक्षिणी जिले जैसे - कन्याकुमारी, रामनाथपुरम, विरुधुनगर, तुतुकुडी और तिरुनेलवेली शामिल हैं - ये ऐसे क्षेत्र है जहाँ आमतौर पर संचार के लिए अंग्रेजी भाषा कम पसंद की जाती है। ''यहाँ तक कि अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में भी शिक्षक स्थानीय तमिल भाषा में ही छात्रों के साथ बातचीत करते हैं। मुझे अंग्रेजी का महत्व तब समझ में आया जब मुझे चार साल तक काम के सिलसिले में मुंबई में रहना पड़ा। चूंकि मुझे हिंदी या मराठी भाषा नहीं आती थी इसलिए मुझे अंग्रेजी के अपने सीमित ज्ञान से ही काम चलाना पड़ा और समय के साथ मैं इसमें काफी धाराप्रवाह हो गया,'' मुत्तु कहते हैं।

हमारे ज्ञान और समझ के दायरे के प्रवेश द्वार के रूप में संचार कौशल की शक्ति को पहचानकर उन्होंने स्कूल/कॉलेज के छात्रों और शिक्षकों को प्रशिक्षित करने हेतु इस परियोजना की शुरुआत की। ''हमने बीएड प्रशिक्षुओं को भी इसमें शामिल किया ताकि भावी शिक्षकों के रूप में वे भी इस भाषा में निपुण हों।''

रोटरी क्लब विरुधुनगर के एक सदस्य और एक प्रशिक्षण संगठन, बीहाइव कम्युनिकेशंस क्लब के अध्यक्ष ए श्यामराज की अध्यक्षता में यहाँ के कुशल प्रशिक्षकों ने प्रशिक्षण दिया। जून के अंत तक पचास कार्यशालाएं पूरी की गईं जिससे प्रतिभागियों को अपनी शर्म छोड़कर दर्शकों का सामना करने में मदद मिली। प्रत्येक बैच में 100 छात्रों ने 15 घंटे का प्रशिक्षण प्राप्त किया। एक छात्र की ₹1000 की लागत को इसे प्रायोजित करने वाले रोटरी क्लबों द्वारा वहन किया गया।

''यह कार्यक्रम केवल शब्दों और व्याकरण में महारत हासिल करने के बारे में नहीं है; यह छात्रों को आत्मविश्वास के साथ स्वयं को प्रस्तुत करने और संवादात्मक सत्रों, सामूहिक चर्चाओं और रोल-प्ले के माध्यम से दुनिया से जुड़कर सशक्त बनने के बारे में है,'' श्यामराज कहते है... ''यह पाठ्यक्रम टोस्टमास्टर्स कार्यक्रम के समान था। प्रत्येक छात्र को मंच पर जाकर, माइक पकड़कर भाषण देने के लिए प्रशिक्षित किया गया,'' एक प्रशिक्षक प्रीता कहती हैं।

''मैं अब आत्मविश्वास के साथ अपने आराम क्षेत्र से बाहर निकलकर कहीं भी रह सकती हूँ। संचार अब कोई बाधा नहीं है। चूंकि हमें सार्वजनिक रूप से बोलने के लिए प्रशिक्षित किया गया है इसलिए हम में से किसी को भी भीड़ से शर्म नहीं आती और हम प्रभावी ढंग से अपने विचार रख सकते हैं,'' दीपा कहती हैं जिसकी मां उसे गर्व से देखती हैं।

यह परियोजना अब दूसरे स्तर के लिए तैयार है जहाँ पांच छात्रों को एक उन्नत कार्यशाला के लिए चुना जाएगा जिसमें तात्कालिक भाषण देने और एक कार्यक्रम की आधिकारिक रूप से मेजबानी करने पर दो दिवसीय सत्र शामिल होगा।

आईपीडीजी मुत्तु के गृह क्लब, रोटरी क्लब विरुधुनगर द्वारा आयोजित एक सम्मान समारोह में *प्रोजेक्ट पंच* और *यादुमानवल* कार्यक्रम के 55 सत्र कुछ ऐसी चिन्हक परियोजनाएं थी जिनकी डीजी मुत्तैया पिल्लई और सथप्पा पेरियानन, के विजयकुमार, एच शाजहां, एस शेख सलीम जैसे पूर्व गवर्नरों ने बहुत प्रशंसा की।

30 जून को डीजी के रूप में पद छोड़ते हुए मुत्तु को खुशी है कि यादुमानवल (अप्रैल 23 *रोटरी न्यूज़*) 70,000 से अधिक युवाओं तक पहुंच गया है, कलाम परियोजना ने करियर मार्गदर्शन के माध्यम से 10,000 से अधिक व्यक्तियों की मदद की, *विज्ञान रतम* ने एक लाख स्कूली बच्चों में विज्ञान के प्रति प्रेम जगाया और इरैवी ने 33,000 किशोरियों के लिए किशोरावस्था से जुड़ी चुनौतियों के विभिन्न रूपों को संबोधित किया; 5,000 वंचित लड़कियों को अंत:वस्त्र प्रदान किए गए।

''यह मेरे चेहरे पर एक थप्पड़ की तरह था जब मैंने पहली बार एक लड़की को बहुत हिचकिचाहट के साथ यह कहते हुए सुना: 'हम में से कई लोगों के पास आपके द्वारा इतनी कृतज्ञता के साथ दिए गए सैनिटरी पैड रखने के लिए अंडरवियर ही नहीं है।' इससे हम सभी की आँखें खुल गई और तब से हम प्रत्येक वंचित लड़की को यह सैनिटरी नैपकिन वितरित करते समय साथ में 3 अंडरवियर का एक पैक भी दे रहे हैं,'' *इरैवी* की परियोजना समन्वयक गायत्री मारीराज कहती हैं।

चित्र: जयश्री

रोटरी ने तिरुपुर में एक विशाल अस्पताल की स्थापना की

टीम रोटरी न्यूज़

पीआरआईडी सी भास्कर ने आईपीडीजी बी एलंगकुमारन (दाएं से दूसरे) और पीडीजी बी ए मुरुगनाथन (बाएं से तीसरे) की उपस्थिति में अस्पताल में एक केंद्र का उद्घाटन किया।

रोटरी क्लब तिरुपुर वेस्ट, रो ई मंडल 3203 ने शहर में रोटरी तिरुपुर वेस्ट रोटरी पब्लिक हॉस्पिटल का निर्माण कार्य पूरा कर लिया। ₹6.5 करोड़ (800,000 डॉलर) की लागत वाली यह इमारत तीन वैश्विक अनुदानों द्वारा पूरी हुई और यहाँ सामान्य चिकित्सा, डायलसिस, मधुमेह और बाल- चिकित्सा की सुविधा दी जाएगी। दाँत और नेत्र संबधी समस्याओं के इलाज की भी सुविधा दी जाएगी। यहाँ डिजिटल एक्स रे, डाइग्नोस्टिक लैब और एबुलेंस की भी सुविधा है।

सूचना और प्रचार राज्य मंत्री एम पी स्वामीनाथन ने जून में पीआरआईडी सी भास्कर, आईपीडीजी बी एलंगकुमारन, क्लब अध्यक्ष पी शानमुगसुंदरम, पल्लदम विधायक आनंदन और जिले के पूर्व राज्यपालों की उपस्थिति में अस्पताल का उद्घाटन किया। ■

हृदय की जटिल सर्जरी के बावजूद मिनी मैराथन जीता

शेखर मेहता

अविश्वासनीय, अद्वितीय, क्या? ऐसी हालत मे!, अलौकिक, उनके दृढ़ संकल्प के लिए उन्हें सलाम!

ये कुछ प्रतिक्रियाएँ हैं जिन्हें केवल दृढ़ संकल्प, इच्छा शक्ति और शारीरिक सहन शक्ति की अविश्वसनीय उपलब्धि के बारे में कही जा सकती है।

नरेश कुमार जालान मेरे क्लब, रोटरी क्लब कोलकाता, महानगर के सदस्य को 2016 में 57 वर्ष की उम्र में दौड़ने के प्रति अपने जुनून का पता चला। हर यात्रा एक ही कदम से शुरू होती है और नरेश ने अपनी यात्रा की शुरुआत 500 मीटर की दौड़ से की और वे प्रतिदिन पहले से कुछ ज्यादा दौड़ने लगे और 29 जनवरी को अपनी यात्रा शुरू करने के कुछ ही महीने बाद उन्होने न सिर्फ मिनी मैराथन में भाग लिया बल्कि चमत्कारिक ढंग से अपनी पहली मिनी - मैराथन (5 किलोमीटर) में जीत भी हासिल की।

नरेश कुमार जालान ने दृढ़ निश्चय कर लिया था और दौड़ना उन्हें अच्छा लगता था। 2017, 2018, 2019 और 2020 में बी आर सी मिनी मैराथन, 2018 में सी एस सी मिनी मैराथन, उन्होने न सिर्फ इन सब में दौड़ लगाई बल्कि प्रत्येक में जीत भी हासिल की और हरेक बार अपने दौड़ की अवधि को भी कम करते गए। 2019 में टाटा स्ट्रक्चरा में वह सभी श्रेणियों के 5,000 प्रतिभागियों में 25वें स्थान पर थे और हमारे क्लब में उन्हें 'नरेश मिल्खा सिंह' की उपाधि दी गई।

वह अपने नए जुनून का आनंद ले रहे थे, लेकिन जिंदगी की अपनी विचित्र योजनाएँ होतीं हैं, जीवन में दुर्घटनाएँ हो जाती हैं। जब दुनिया 2021 में कोविड महामारी की दूसरी लहर से जूझ रही थी, तभी नरेश को एक दुर्लभ हृदय रोग का पता चला और उनके हृदय की तत्काल सर्जरी की गई। उनकी दुनिया उजड़ गई। डॉक्टरों ने उनकी पत्नी और बेटी डॉ करिश्मा जो कि एक इंटेन्सिविस्ट है को चेतावनी दी कि परिणाम के मामले में बहुत आशावादी न हों। वे सभी खुद को सबसे बुरे के लिए तैयार कर रहे थे, लेकिन उन्हें नरेश के दृढ़ संकल्प और इससे उबरने की इच्छाशक्ति पर भरोसा था। उनके एरोटिक वाल्व (aortic valve) और एसेंडिंग एरोटा (ascending aorta) को मेटल कनड्इट (metal conduit) से बदला गया, जो एक दुर्लभ और जटिल सर्जरी थी।

चारों ओर फैले कोरोना वायरस, पाबंदियों और लॉकडाउन के कारण उनकी स्थिति में सुधार का होना कठिन था।

कठिन समय में ही परिवार के महत्व का पता चलता है। नरेश के मामले में पूरा रोटरी परिवार निःस्वार्थ रूप से एक साथ उन सभी चीजों के लिए तुरंत उनके साथ खड़ा हो गया जिनकी नरेश के परिवार को जरूरत थी। चाहे वह भावनात्मक जरूरत हो या रक्त के लिए डोनर की व्यवस्था करनी हो या फिर यात्रा से संबंधित जरूरत हो। उनकी पत्नी नीलम और बेटी करिश्मा इस कठिन समय में मिले अथक सहयोग के लिए रोटेरियन्स की सदैव आभारी रहेंगी।

धीरे- धीरे उनका मुश्किल समय खत्म हो गया और नरेश ने एक बार फिर से सामान्य जीवन जीने की उम्मीद में स्वस्थ होने की अपनी लंबी यात्रा शुरू कर दी। लेकिन जो चीज हम आम लोगों के लिए 'सामान्य' है, वह उनके लिए नहीं थी। वे अलग किस्म के बने हैं, वे न सिर्फ अपने पैरों पर खड़ा होना चाहते थे बल्कि वे फिर से दौड़ना भी चाहते थे।

अपने जुनून के लिए जाने जाने वाले नरेश कभी भी आधे-अधूरे मन से कुछ नहीं करते। वह दृढ़ और अनुशासित दोनों हैं। हमारे रोटरी जिले में वे रोटरी के सर्वज्ञाता एवं एक उत्साही और सच्चे रोटेरियन के रूप में जाने जाते हैं। मैं भी उनके ज्ञान पर सवाल करने से पहले दो बार सोचता हूँ।

अपनी कठिन परीक्षा के कुछ महीने बाद उन्होने खुद से अपना पहला कदम उठाया और फिर बड़ी कठिनाई से दूसरा कदम उठाया। फिर धीरे- धीरे दिनों और सप्ताहों के साथ उन्होने अपनी गति बढ़ाई। फिर 100 मीटर, 200, 500, 1 किलोमीटर की दौड़ लगाई। हर दिन वे एक लंबी दूरी तय करते थे। मन ही मन उन्होने यह तय कर लिया था कि मुझे इस बाधा से बाहर निकल जाना है।

ठीक 21 महीने बाद, 28 जनवरी 2023 को नरेश एक बार फिर बी आर सी, मिनी मैराथन में उतरे। उनकी बेटी और पत्नी प्रार्थनाएँ कर रही थीं। जब दौड़ शुरू होने की सीटी बजी तो घबराहट से उन्होने एक- दूसरे का हाथ थाम लिया, उनकी सांसें थम गईं। हम सभी चाहते थे कि नरेश जीत हासिल करें लेकिन हम डरे हुए थे- उन्होने कहा। जब तक उन्होने नरेश को समाप्ति लाइन पार करते नहीं देखा था तब तक उनके लिए हर मिनट बड़ा कष्टदायक रहा, समय बीतता गया, उनके दिल तेजी से धड़क रहे थे। और अंत में वे दोनों बहुत प्रसन्न हुईं और अपनी आँखों में आँसू लिए नरेश को गले लगाने के लिए दौड़ीं, ये आँसू राहत, खुशी और जीत के आँसू थे।

नरेश जीत गए थे... जीवन के उन सभी कठिनाइयों को उन्होने हरा दिया जो जिंदगी ने उन्हें दी थी। उन्होने अपनी जीत हासिल कर रिकार्ड बना दिया और वे सभी श्रेणियों में लगभग 500 प्रतिभागियों के बीच शीर्ष 5 में आए।

रोटरी क्लब कलकत्ता महानगर के सदस्य नरेश कुमार जालान, मैराथन दौड़ते हुए।

"हम अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नहीं जानते, लेकिन हाँ भारत में हमने ऐसी हृदय सर्जरी के डेढ़ साल बाद किसी को मैराथन दौड़ते और जीतते हुए नहीं सुना है," ऐसा उनके डॉक्टरों ने कहा। डॉक्टरों को नरेश पर बहुत गर्व है और करिश्मा और नीलम के लिए वे एक सुपर हीरो हैं।

लेखक पूर्व रो ई अध्यक्ष है।

Rotary
PEOPLE OF ACTION

बालिकाओं को स्वरक्षा का प्रशिक्षण

टीम रोटरी न्यूज़

सेंसई पी वासु, जापानी मार्शल आर्ट्स में पांचवीं डिग्री के काले बेल्ट विशेषज्ञ, द्वारा विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के लगभग 2,150 बालिकाओं को स्वरक्षा तकनीक में प्रशिक्षित किया गया। वासु जो रोटरी क्लब चेन्नई ईस्ट, आर ए पुरम के पूर्व अध्यक्ष थे, रो ई मंडल 3232, जिले के चार अन्य रोटरी क्लब- रोटरी क्लब मित्र, रोटरी क्लब गोल्ड कोस्ट, रोटरी क्लब मेट्रोजोन और रोटरी क्लब अलांदूर के साथ मिलकर प्रशिक्षण के लिए छात्राओं को चुना। मद्रास बे सिटी के इनर व्हील क्लब ने 20 चैरिटी होम से 6 -14 वर्ष की आयु के 150

पी वासु (बाएं), पूर्व अध्यक्ष, रोटरी क्लब चेन्नई ईस्ट आर ए पुरम, लड़कियों को आत्मरक्षा में प्रशिक्षण देते हुए।

बच्चियों को स्वरक्षा के प्रशिक्षण के लिए सिफारिश की।

"सभी सत्रों को 10 महीनों में पूरा किया गया था। हमने हर सत्र के दौरान एक विशेष सेमिनार भी आयोजित की थी, जिसमें युवा बालिकाओं में आत्मविश्वास और साहस को बढ़ाने पर ध्यान केन्द्रित किया गया था," वासु ने कहा। ■

रोटरी ने ठाणे में एक बांस का बस स्टॉप उपहार में दिया

रशीदा भगत

एक सुंदर लक्जरी विला या रिसॉर्ट आपको शायद उतने आकर्षक न लगे क्योंकि ये भारत के अनेक हिस्सों में मौजूद हैं और बहुत अमीर लोग इससे जुड़े हुए हैं। लेकिन रोटरी क्लब ठाणे इम्पीरियल रोई मंडल 3142 द्वारा ठाणे में बांस से बनाया गया एक शानदार नया बस स्टॉप निश्चित रूप से इस सपनों के शहर के लोगों को आकर्षित कर रहा है।

ठाणे में सार्वजनिक बसों से यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए बांस की सुंदर बेंच के साथ घास का कृत्रिम लॉन और बड़े करीने से व्यवस्थित बांस की चादरों और खंभों से बना अपनी तरह का पहला बस-स्टॉप निश्चित रूप से एक आश्चर्य का कारक है।

यह अनूठी और अभिनव परियोजना क्लब की अध्यक्ष रीत कुमार और उनके दो इन-हाउस इंटीरियर डिजाइनर जिया लाड (क्लब सचिव भी) और परियोजना अध्यक्ष परीक्षित लाड के दिमाग की उपज है। इस अभिनव परियोजना के बारे में जानकारी देते हुए रीत कहती हैं, ''इस वर्ष हमारी टीम एक ऐसी पर्यावरण अनुकूल और टिकाऊ परियोजना करना चाहती थी जो हमारे मंडल की थीम FAB (शानदार) परियोजनाओं के अंतर्गत भी आए। हमारी हाउसिंग सोसाइटी के पास यह जर्जर जगह थी जो अंधकारमय, नीरस और बेहद गंदी थी... इस पर फेरीवालों, शराबियों द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया था और इसका उपयोग मूत्रालय के रूप में किया जा रहा था। स्थानीय निवासियों को गंभीर स्वच्छता एवं सफाई के साथ-साथ सुरक्षा के मुद्दे का सामना करना पड़ रहा था। यहाँ मच्छर पनपने लगे थे और मालिकहीन वाहन खड़े किए जाने लगे थे। पैदल चलने वालों और राहगीरों ने इस अँधियारे स्थान को धूम्रपान करने, शराब पीने का अड्डा बना लिया था।''

यह जगह खुद को बचाने की मिन्नतें कर रही थी और क्लब के सदस्यों ने यहाँ पर एक बस शेल्टर बनाने का फैसला किया। विकल्प एक कम लागत वाले पारंपरिक स्टील और कंक्रीट के बस शेल्टर या कुछ ऐसा अनोखा करने के बीच था जो सबको आकर्षक लगे और रोटरी के सातवें

रोटरी क्लब ठाणे इंपीरियल द्वारा स्थापित बांस बस शेल्टर में यात्री।

जैविक बांस शत प्रतिशत बायोडिग्रेडेबल होते है, मिट्टी के क्षरण को रोकते है और यदि नैतिक रूप से उगाए जाएं तो ये स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं में मददगार हो सकते है और लकड़ी की मांग को कम कर सकते है।

ध्यानाकर्षण क्षेत्र, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के साथ ही इस प्रक्रिया में संगठन की सार्वजनिक छवि में वृद्धि करें।

क्लब अध्यक्ष ने स्वयं इंटीरियर डिजाइन की पढ़ाई की है और क्लब के दो सदस्य निपुण एवं कुशल इंटीरियर डिजाइनर हैं इसलिए असम के विशेष बांस से एक बस शेल्टर बनाने का निर्णय लिया गया।

अब इससे भी अधिक कठिन चीज़ सामने थी; चूंकि इस परियोजना में ठाणे नगर निगम के लिए भी एक बस स्टॉप स्थापित करना शामिल था इसलिए कई तरह की स्वीकृतियों की आवश्यकता थी। ''हम सभी जानते हैं कि एक सरकारी संगठन से आवश्यक प्राधिकरण और हस्ताक्षर प्राप्त करना कितना मुश्किल होता है; इस मामले में हमें पांच अलग-अलग सरकारी निकायों से निपटना पड़ा और पांच हस्ताक्षर प्राप्त करने पड़े,'' रीत हंसते हुए कहती हैं।

लेकिन उनकी दृढ़ता रंग लाई और उन्होंने अपेक्षित प्राधिकरण प्राप्त किया। इसके बाद बांस चुनने की बारी आई; स्थानीय या साधारण बांस काम नहीं आएगा क्योंकि मुंबई का एक मानसून इस तरह की संरचना को गंभीर रूप से खराब करने के लिए पर्याप्त है। इसलिए असम के विशेष या प्रीमियम गुणवत्ता वाले बांस खरीदने का निर्णय लिया गया... वो किस्म जो अप-मार्केट विला और रिसॉर्ट्स में उपयोग की जाती है और यह भारतीय ग्रीन काउंसिल बिल्डिंग मानदंडों द्वारा अनुमोदित है।

वह बताती हैं कि इस परियोजना द्वारा दो अन्य उद्देश्य भी पूर्ण हो रहे थे यह स्वच्छ भारत अभियान में योगदान देने के साथ ही एक अन्य

बांस खास क्यों है

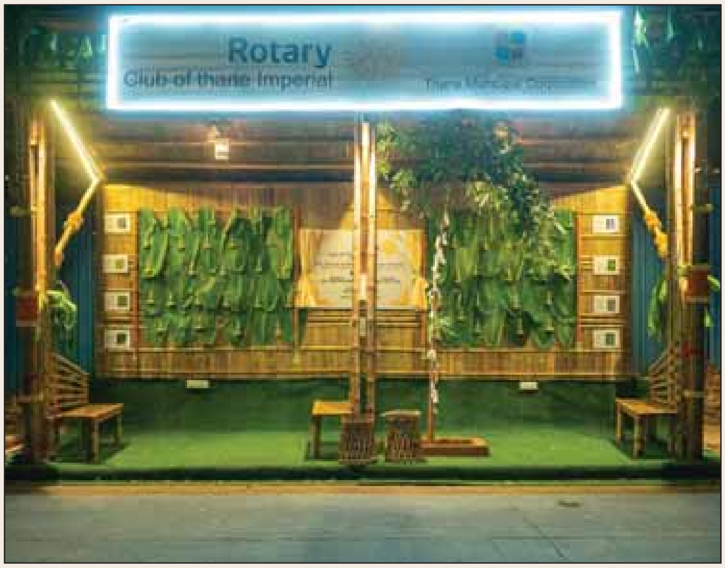

रोटरी क्लब ठाणे इंपीरियल की अध्यक्ष रीत कुमार बांस के विशेष गुणों के बारे में बताते हुए कहती है कि सबसे पहले तो यह एक पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ समाधान है; बांस को जड़ से उखाड़ने के बजाय घास की तरह काटा जा सकता है और यह खराब गुणवत्ता वाली मिट्टी में दोबारा जान डालने में मदद करता है। यह जल्दी और घने रूप से बढ़ता है इसलिए इसे बढ़ने में कम जगह और कम पानी की आवश्यकता होती है साथ ही इसे कीटनाशकों या उर्वरकों की आवश्यकता नहीं पड़ती। ''जैविक बांस शत प्रतिशत बायोडिग्रेडेबल होते है, मिट्टी के क्षरण को रोकते है और यदि नैतिक रूप से उगाए जाएं तो ये स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं में मददगार हो सकते है और लकड़ी की मांग को कम कर सकते है।''

बांस के अन्य फायदे यह हैं कि यह नरम, बैक्टीरियाहीन, जल प्रतिरोधी होते है और इसमें पर्यावरण के अनुकूल गुण होते हैं; इसमें कोई खराब तत्व नहीं होते और इसके फाइबर में सूक्ष्म छेद होने के कारण यह उत्कृष्ट वेंटिलेशन प्रदान करता है।

''हमारे शोध से पता चला है कि बांस के थर्मोरेगुलेटरी गुण आपको मौसम गर्म होने पर ठंडा रखने में मदद करते हैं। बांस की सांस लेने और नमी सोंखने की प्रकृति गर्म दिनों में बहुत राहत प्रदान करती है। बांस सूर्य की हानिकारक किरणों से यूवी सुरक्षा भी प्रदान करता है, यह UV विकिरण को 97.5 तक फ़िल्टर करता है। प्राकृतिक बांस हाइपोएलर्जेनिक होता है; यह संवेदनशील त्वचा के लिए एकदम उचित होता है क्योंकि इससे एलर्जी नहीं होती है,'' क्लब की सचिव जिया लाड कहती हैं।

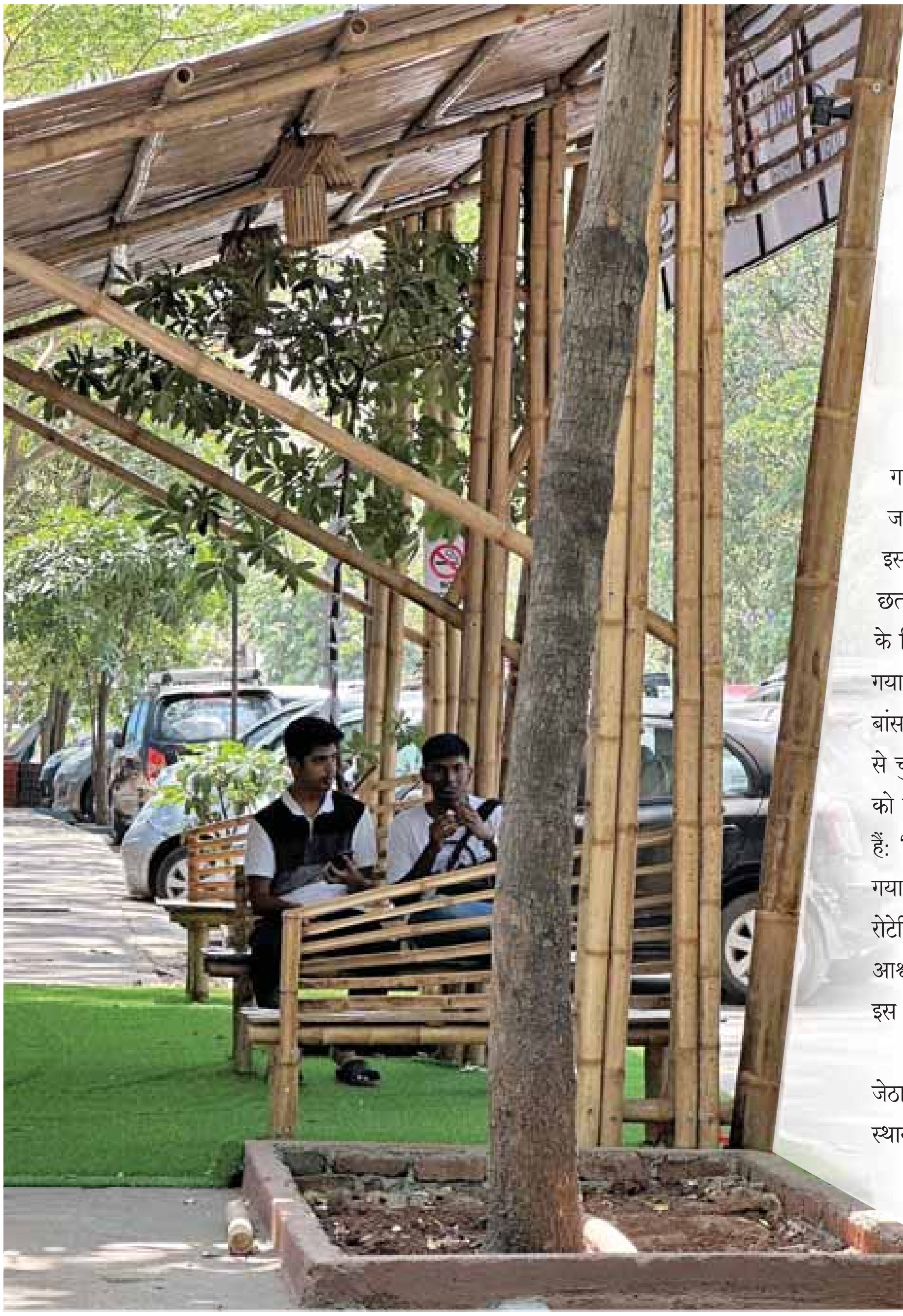

यह बांस संरचना 10-12 साल तक चलेगा क्योंकि बांस को ठीक उसी तरह विशेष रूप से तैयार किया गया है जैसे विला या रेसॉर्टस के लिए किया जाता है।

सरकारी योजना - प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बांस योजना और राष्ट्रीय बांस मिशन में भी योगदान दे रही थी। ''इस योजना का उद्देश्य भारत में प्लास्टिक के उपयोग को रोककर या कम करके बांस के व्यापक उपयोग के माध्यम से आय उत्पन्न करना और किसानों की आजीविका का समर्थन करना है; सभी उद्देश्य रोटरी द्वारा पहचाने गए हैं।''

अध्यक्ष ने कहा कि बांस के साथ काम करने वाले विशेष इंटीरियर डिजाइनरों की फीस सहित इस तरह के बस स्टॉप की सामान्य लागत लगभग ₹6 से 7 लाख आती है लेकिन क्लब इस काम को लगभग ₹3 लाख की लागत में पूर्ण करने में कामयाब रहा क्योंकि डिजाइनरों ने स्वयंसेवकों के रूप में काम किया। जब TMC द्वारा सीमेंट/स्टील के पारंपरिक बस शेल्टर बनाए जाते है तो इसकी लागत लगभग ₹2 लाख आती है क्योंकि इसे थोक दरों का लाभ मिलता है।

इस बांस संरचना की लंबी उम्र पर वह कहती है कि यह 10-12 साल तक चलेगा क्योंकि बांस को ठीक उसी तरह विशेष रूप से तैयार किया गया है जैसे विला या रेसॉर्टस के लिए किया जाता है। क्लब ने शुरुआती तीन वर्षों के लिए इसके रख-रखाव की जिम्मेदारी भी ली है। इसकी छत को बारिश के दौरान पानी के रिसाव से बचाने के लिए इसे पॉली-कार्बोनेट शीट द्वारा कवर किया गया है। यहाँ पर कचरे के डिब्बे भी रखे गए है जो बांस से बने हैं और इतने सुंदर हैं कि उन्हें आसानी से चुराया जा सकता है। इस सवाल पर कि वे चोरों को प्रलोभन दे सकते हैं, जिया मुस्कुराते हुए कहती हैं: ''यह संभव नहीं है क्योंकि उन्हें सीमेंट से जोड़ा गया है!'' घटनास्थल की सुरक्षा बढ़ाने के लिए रोटेरियनों द्वारा कैमरे भी लगाए गए हैं। TMC को आश्वासन दिया गया है कि तीन साल तक क्लब इस बस शेल्टर का रखरखाव करेगा।

उद्घाटन समारोह में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर कैलाश जेठानी और TMC आयुक्त अभिजीत बांगड़ ने स्थानीय समुदाय हेतु इस सेवाकार्य के लिए क्लब के सदस्यों को बधाई दी। बांगड़ ने कहा कि रोटरी के साथ साझेदारी में इस तरह की अभिनव परियोजनाओं के प्रस्तावों पर विचार करके उनका स्वागत किया जाएगा।

इस अपरंपरागत बस स्टॉप पर स्थानीय समुदाय और अन्य क्लबों की प्रतिक्रिया पर रीत कहती हैं, निश्चित रूप से इसे देखकर आश्चर्य होता है क्योंकि यह शेल्टर वाकई में अद्वितीय है। ''कुछ अन्य क्लबों ने भी इसमें रुचि दिखाते हुए हमसे संपर्क किया है और ढचउ कमिश्नर ने स्वयं भी इसके लिए अपनी रुचि व्यक्त की है और हम खुशी से उनकी मदद करेंगे क्योंकि हम इसकी प्रक्रिया को जानते हैं और हमारे क्लब में कुशल डिजाइनर मौजूद हैं।'' ■

ADVT.
BLOOD BANK
EQUIPMENT
Precision
that ensures you don't have to use a microscope to view the happiness
• 4.3" Colour HMI with touch screen
• 200000 data storage capacity
• Configurable maintenance reminder
• 7 days circular chart recorder
• Caster wheels for ease of mobility
• Self-diagnostic system with error messages
• Email, SMS and call alert up to 15 users
• Connectivity to central monitoring software
• Multilevel password protected HMI
• High speed ethernet connectivity
• Multi-level password protected HMI
• Micro controller based programs
• Frost free refrigeration system
• Micro controller based programs
• Blood Collection Monitor
• Blood Donor Couch
• Blood bag tube sealer
• Cryofreeze (-80.0°C)
• Plasma Freezer (-40.0°C)
• Laboratory Centrifuge
• Cryoprecipitate bath
• Plasma Thawing bath
• Platelet Incubator and agitator
• Blood Bank Scale
• Centrifuge Equaliser
• Walk in Blood Bank Refrigerator
• Laboratory refrigerators
• Plasma expressor
• Laminar air flow
Refrigerated Centrifuge
Lab refrigerator
Blood Bank Refrigerator
Platelet incubator
Ultra Plasma freezer
Labtop Instruments Pvt. Ltd.
ISO 13485 : 2012
Labtop House, Plot No. 59, Waliv Phata, Sativali Road, Vasai (E),
Dist - Palghar - 401208, Maharashtra, India. Tel.:+918446053761 to 70 (10 lines)
Email: info@labtopinstruments.com
Web: www.labtopinstruments.com
LABTOP®
Quality Lab Equipment

उनके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए युवा से जुड़ें: बेनर्जी

रशीदा भगत

आज, कोविड का डर भले ही कम हो गया हो, लेकिन लोग, विशेष रूप से युवा, आईआईटी आदि के छात्र अधिक परेशान, चिंतित नज़र आते हैं, उन्हें इस बात की चिंता है कि उनका भविष्य क्या होगा, वे अपना जीवन कैसे जिएंगे।

मैं कोई जादूगर नहीं हूं लेकिन स्कूलों और कॉलेजों में हमारे छात्रों के साथ और अधिक जुड़ाव से शायद इस का समाधान निकल सकता है, पीआरआईपी कल्याण बेनर्जी ने कहा।

वह चेन्नई में डीजीएन महावीर बोथरा के सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे, जो 2024-25 में नवगठित होने जा रहे मंडल 3233 का और उसके अगले वर्ष डीजीएनडी डी देवेंद्रन कार्यभार संभालेंगे।

बेनर्जी ने कहा कि *रोटरी न्यूज़* के पिछले अंक में उन्होंने रो इ अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली की हाल की चेन्नई यात्रा के बारे में पढ़ा था और रो ई के तत्कालीन निर्वाचित अध्यक्ष ने जिन असामान्य विषयों को छुआ उनमें से एक मानसिक स्वास्थ्य के विषय में था। ''यह एक ऐसा विषय है जिस पर शायद हमारे देश के रोटेरियन, जो हमारी असंख्य सामुदायिक सेवा परियोजनाओं में व्यस्त हैं और उन्हें पूरा करने के लिए धन जुटा रहे हैं, इसमें बहुत अधिक संलग्न नहीं हैं।''

लेकिन गुजरात के वापी में, जहां वो रहते हैं, उनके रोटरी क्लब वापी ने एक ट्रस्ट गठित किया था जो प्रबंधन विषय में कॉलेज चलाता था। ''मैं आपको बताऊँ, इससे न सिर्फ हमारी युवा पीढ़ी और हमारे रोटेरियनों को सफलता मिली के चेहरे पर ख़ुशी छाई बल्कि कुल मिला कर पूरे समाज को भी संतुष्टि मिली है।''

मेकिनली ने पोलियो उन्मूलन के लिए जारी रोटरी की लड़ाई पर भी चर्चा की। ''दुर्भाग्य से, रोटरी जगत के अधिकांश लोगों का सोचना है कि पोलियो लगभग ख़त्म हो गया है और अब हमें अन्य समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए। लेकिन पोलियो 'पूरी तरह से समाप्त' नहीं हुआ है और हर जगह पोलियो के रोगाणुओं का अन्यत्र स्थानांतरित होने का खतरा बना रहता है। पिछले कुछ वर्षों में समय-समय पर हमने देखा है कि मुंबई से मेडागास्कर और न्यूयॉर्क तक कई स्थानों पर सीवेज में पोलियो के कीटाणु मिले भी हैं। और जैसे जैसे लोग यात्रा करते हैं उनके साथ बीमारियाँ भी यात्रा करती हैं। इसलिए टीकाकरण करना होगा और सावधानियान बरतनी होंगी, और इनकी सहायता के लिए पोलियोप्लस फंड में निरंतर और अधिक से अधिक सहयोग करना होगा, जब तक कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान से पोलियो के आखिरी मामले ख़त्म नहीं हो जाते,'' उन्होंने कहा।

चेन्नई को इस देश में अपने पसंदीदा रोटरी बंधुत्व क्षेत्रों में से एक बताते हुए बेनर्जी 1990 के दशक की अपनी निरंतर यात्राओं को याद करते

हुए अतीत में खो गए। ''आते ही मैं पुरानी यादों में खो जाता हूँ क्योंकि 1990 के दशक में क्रिश चितले (रोटरी क्लब मद्रास से) के साथ मेरी अक्सर बातचीत होती थी, जो भारत में खसरे को खत्म करने पर काम करने वाले पहले, रोटरी के शुरूआती नेताओं में से एक थे, जिसके बाद पोलियो के खिलाफ लड़ाई में हमारी कई मुलाकातें हुई और अंततः जीत पर। मुझे याद है कि मैंने दिवंगत पीडीजी रामकृष्ण राजा के साथ पोएस गार्डन स्थित उनके घर पर कई रातें बिताई और उनकी पत्नी राजलक्ष्मी द्वारा बनाये गए डोसे का स्वाद चखा था; वर्ष भर में कई मंडल सम्मेलनों में उपस्थित होने का, जिसमें वह सम्मेलन भी शामिल है जब निदेशक वेंकी आपके मंडल अध्यक्ष थे और दिवंगत पीडीजी रेखा शेट्टी से मुलाकात, जो ख़ुशी-ख़ुशी मुझे अपनी नई किताबें देती थीं और पूर्व निदेशक पीटी प्रभाकर से उनके घर पर मुलाकात, क्रिकेट के बारे में चर्चा करने के लिए, जिसका हम दोनों ने भरपूर आनंद उठाया।

पीआरआईपी कल्याण बेनर्जी और पीआरआईडी सी भास्कर को डीजीएन महावीर बोथरा (दाएं से तीसरे), उनकी पत्नी जयश्री, डीजीएनडी डी देवेंद्रन (दाएं से चौथे), उनकी पत्नी अर्चना और पीडीजी आर श्रीनिवासन के साथ सम्मानित किया गया। चित्र में पीडीजी गण आई एस ए के नज़र, मुत्तुपलनियप्पन, आईपीडीजी एन नंदकुमार, उनकी पत्नी सुमेधा और माला भास्कर भी शामिल हैं।

अभी मैनें सोचना शुरू किया ही था कि हो सकता है कि अब आप मुझसे उकता गए हों क्योंकि, मैं बार-बार इन चीजों के बारे में ही चर्चा करता हूं, और मुझे अपने दोस्त पीडीजी इसाक नज़र का निमंत्रण मिला और इससे पहले कि उनका मन बदलता, मैंने तुरंत हामी भर दी।''

एक और वजह थी उनकी उत्सुकता की ''दो उत्कृष्ट रोटरी नेताओं के सम्मान कार्यक्रम में शरीक होने की।'' उन्हें यह जानकर ख़ुशी हुई जब उन्हें पता चला कि बोथरा और देवेन्द्रन दोनों 2014-15 में लाइट अप वर्ष के दौरान मलाइट अप प्रेसिडेंटफ रह चुके थे, जब गैरी हुआंग रो इ अध्यक्ष थे और उनकी थीम थी *लाइट अप रोटरी।*

बेनर्जी ने रो ई मंडल 3230 का नेतृत्व करने के लिए डीजी नंदकुमार को बधाई दी, जिसमें 7,400 से अधिक सदस्य थे और ये विभाजित होने वाला था। इसका तात्पर्य यह हुआ कि एक वर्ष के बाद, दोनों नए मंडल 3,700 से अधिक सदस्यों के साथ आरम्भ होंगे। ''यह चेन्नई में रोटरी की अप्रत्याशित वृद्धि का प्रमाण है।'' उन्हें याद आया कि एक दशक पहले ''मंडल 3230, वो मूल मंडल जिससे आपने शुरुआत की थी, मंडल 3231 और 3232 में विभाजित हुआ था। और आज हम यहां खड़े हैं, करीब दस साल से थोड़ा अधिक समय ही हुआ है, आप फिर से दुगने हो रहे हैं।''

ये देख कर उन्हें आश्चर्य हुआ कि ''वो क्या है जो रोटरी को भारत में फलने-फूलने और बार-बार दुगुना करने में सहायता करता है, जबकि उन देशों में रोटरी सिमट कर छोटी होती जा रही है, जिन स्थानों पर रोटरी इससे पहले शुरू हुई थी। और इसलिए, मैं आज के अपने नायकों से पूछता हूं, आप अपने कार्यकाल को किस तरह से रोशन करने की आशा करते हैं?''

बैठक को संबोधित करते हुए रो इ निदेशक ए एस वेंकटेश ने भावी गवर्नर बोथरा और देवेंद्रन को सलाह के कुछ शब्द कहे। पहला यह कि अपने स्वास्थ्य की उपेक्षा न करें; क्योंकि उन्हें न केवल अपने वर्ष के लिए बल्कि मंडल अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल तक पहुंचने वाले वर्ष में भी बहुत कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी।

इसके बाद उन्होंने डड फॉर्मूला का ज़िक्र किया, जिसे हर मंडल अध्यक्ष को अपनाने की जरूरत है। ''इस सूत्र का पहला भाग मौन रहें; अनर्गल बातें ना करें नहीं तो मुसीबत में पड़ जाओगे। लेकिन इस के बावजूद, अगर आप परेशानी में पड़ जाएं, तो मुस्कुराएं; उन्हें आश्चर्य होगा कि आखिर आप क्या चाहते हैं। मंडल अध्यक्ष के रूप में आपके

पीआरआईडी ए एस वेंकटेश (दाएं) और पीडीजी नज़र।

कार्यकाल की सफलता के लिए मौन और मुस्कान दोनों आवश्यक हैं।''

खुद अपने और कई अन्य मंडल अध्यक्षों के अनुभव के आधार पर ''मैं आपको बता सकता हूं कि यह आपके समय की विभिन्न मांगों और आपकी निर्णय लेने की क्षमता की चुनौतियों के मामले में एक तनावपूर्ण वर्ष होने वाला है। अलग-अलग तरह की खींचतान और दबाव होंगे, लेकिन सच तो यह है कि नेतृत्व करने के लिए मंडल ने इसका अध्यक्ष आपको चुना है, इसका मतलब है कि उन्हें विश्वास है कि आप बेहतर प्रदर्शन करेंगे।''

वेंकटेश ने उन्हें सुझाव दिया कि वे अपने कार्यकाल के शुरू होने तक उपलब्ध समय का उपयोग प्रत्येक क्लब की ताकत और कमजोरियां जानने में लगाएं ... यह किस प्रकार की परियोजनाएं या कोई अन्य कार्य कर सकते हैं। ''इसके अलावा, इस समय रोटरी के बारे में अधिक जानकारी एकत्र करें। रोटरी ऑनलाइन पर इसके बारे में बहुत सारी, भली भांति शोध की गई जानकारी उपलब्ध है जो अच्छी तरह से प्रलेखित है और समझने में आसान है। अपने ज्ञान और कौशल को बढ़ाएं ताकि आप अपनी ज़िम्मेदारी संभालने के लिए बेहतर ढंग से तैयार हों। रोटरी के ज्ञान और क्लबों की गहरी समझ के साथ, दुनिया में कोई भी चीज़ आपको एक सफल गवर्नर बनने से नहीं रोक सकती,'' उन्होंने अंत में कहा।

बोथरा और देवेन्द्रन दोनों को बधाई देते हुए, पीआरआईडी सी बास्कर ने इस भव्य आयोजन के लिए इसाक नज़र के नेतृत्व में गठित आयोजन समिति की सराहना की। ''मैं बहुत सारे अभिनंदन समारोहों में गया हूं, लेकिन यहां, रो इ ज़ोन्स से इतने अधिक जोनल अधिकारी मौजूद हैं, कि यह एक मिनी जोन इंस्टिट्यूट जैसा लग रहा है।''

वे इसलिए भी भाग्यशाली थे कि रोटरी के भीष्म, पीआरआईपी बेनर्जी ने स्वयं उन्हें सम्मानित किया।

उन्होंने एक चीज हमेशा याद रखने के लिए कहा कि ''जब आप रोटरी में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर बनते हैं, तो आपकी भूमिका आपके क्लब और मंडल से ऊपर हो जाती है और आप उस समुदाय के राजदूत बन जाते हैं जिसमें आप रहते हैं। रोटरी में लोग पद के लिए संघर्ष करते हैं, कुछ भला करने के लिए । लेकिन डीजी बनने का मौका हर किसी को नहीं मिलता। यह दुर्लभ से भी दुर्लभ अवसर है; यह मेरा अनुभव है। अभी तक आपका अनुभव केवल आपके क्लब और मंडल तक सीमित रहा है । लेकिन एक रोटरी गवर्नर के रूप में आप विश्व में जहां जाते हैं, आपको सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। हमेशा याद रखें कि गवर्नर के रूप में आप दुनिया के सबसे बड़े सेवा संगठनों में से एक का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। ईश्वर ने यह अवसर आपको भलाई करने के लिए दिया है।''

भास्कर ने अपने समय को याद किया जब वो गवर्नर थे। ''जब मैं मंडल अध्यक्ष था उस समय भारत की स्थिति बिल्कुल अलग थी; हम वैश्विक अनुदान मांगने के लिए अन्य देशों के रोटेरियनों के पास जाते थे। आज, भारत में हुई प्रगति के कारण, हम टीआरएफ के दूसरे सबसे बड़े दानदाता हैं। पिछले आठ वर्षों में स्थिति नाटकीय तरीके से बदली है।''

पूर्व निदेशक ने उनसे एक नया पाठ्यक्रम तैयार कर आगे बढ़ने और उनके पूर्ववर्तियों का अनुसरण ना कर नया कुछ करने का सुझाव दिया। ''अगर आज के रोटेरियन अधिक मनोरंजन चाहते हैं, उन्हें दीजिए। हम चाहते हैं कि लोग आएं, मौज-मस्ती करें और साथ ही समाज के लिए भी काम करें।'' स्टीव जॉब्स का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि सामान्य क्लबों को, सक्रिय और जीवंत क्लबों में बदलने के लिए गवर्नरों को जुनून, ऊर्जा, और प्रतिबद्धता और फोकस की आवश्यकता होगी। ''चीज़ों को अलग तरीके से करने के लिए असाधारण कल्पनाशक्ति रखें; उत्कृष्ट संचार कौशल विकसित करें। आपका मूल्यांकन आपके संचार कौशल के आधार पर किया जाएगा .. माइक पर और ईमेल पर भी। यही कारण है कि रोटरी आपके संचार कौशल को बेहतर बनाने के लिए आपको समय से पहले चुनती है।''

पीआरआईपी गेरी हुआंग ने एक वीडियो संदेश के माध्यम से अपने ''लाइट-अप प्रेसिडेंटस'' को शुभकामनाएं दी।

डीजी नंदकुमार और पीडीजी नज़र ने दोनों आगामी मंडल अध्यक्षों की सराहना की और कहा कि उनके मंडल को उनसे बहुत उम्मीदें हैं, जिन्हें पूरा करने का उन्हें प्रयास करना चाहिए।

बोथरा और देवेन्द्रन के साथ, पीडीजी चंद्रमोहन, जिन्हें सीओएल में मंडल के प्रतिनिधि के रूप में चुना गया है, और पीडीजी आर श्रीनिवासन, जो रो इ निदेशकों की नामांकन समिति में रहेंगे, उन्हें भी कार्यक्रम में सम्मानित किया गया, जिसमें रो ई मंडल 3231 मंडल अध्यक्ष जेकेएन पलानी, डीजीई सरवनन के साथ डीजीएन विनोद सरावगी, दोनों रो ई मंडल 3234 से और तमिलनाडु के अन्य मंडलों से कई पीडीजी मौजूद थे।

चित्र: रशीदा भगत

विकलांगों के लिए इलेक्ट्रॉनिक हाथ

टीम रोटरी न्यूज़

दो दिवसीय कृत्रिम अंग वितरण शिविर में रोटरी क्लब हीरानंदानी एस्टेट, रो ई मंडल 3142 द्वारा रोटरी क्लब पूना डाउनटाउन, रो ई मंडल 3131, इनाली फाउंडेशन और न्यू एरा इनफॉर्मेटिक के साथ एक संयुक्त परियोजना के अंतर्गत 65 विकलांगों को बैटरी संचालित इलेक्ट्रॉनिक 'इनाली' हाथ लगाए गए।

यह शिविर क्लब द्वारा संचालित ठाणे के हीरानंदानी फाउंडेशन स्कूल में आयोजित किया गया। जहाँ क्लब को इनाली फाउंडेशन से सीएसआर अनुदान के तहत 175 फिटमेंट प्राप्त हुए वहीं ''हमारे पास इस शिविर के लिए पूरे महाराष्ट्र से कुल 1,895 लोगों का पंजीकरण था। रोटरी क्लब पूना डाउनटाउन और इनाली स्वयंसेवकों की मदद से हमने शिविर से तीन सप्ताह पहले लाभार्थियों के लिए कृत्रिम अंगों की आवश्यकता का मूल्यांकन पूरा किया,'' परियोजना अध्यक्ष डॉ नम्रता श्रीवास्तव ने कहा। इन्फोसिस सोशल इनोवेशन के जेम्स डायसन और इनाली फाउंडेशन के संस्थापक एवं नासकॉम पुरस्कार विजेता प्रशांत गाडे ने लाभार्थियों के मूल्यांकन में क्लब की सहायता की। शिविर से पहले की जांच-पड़ताल के बाद चुने गए दिव्यांगों को शिविर में फिटमेंट के लिए बुलाया गया।

इनाली हैंड फिटमेंट कैंप में लाभार्थियों के साथ पीआरआईडी अशोक महाजन। चित्र में (दाएं से तीसरे) प्रोजेक्ट चेयर डॉ नम्रता श्रीवास्तव भी शामिल हैं।

लाभार्थियों को अपने दैनिक कार्यों और गतिविधियों के लिए कृत्रिम हाथ का उपयोग करने का प्रशिक्षण एवं परामर्श दिया गया। नम्रता ने कहा, ''हमने एक रिकॉर्डेड वीडियो दिखाया जिसमें इनाली हाथ के कुशल उपयोग के बारे में बताया गया है।'' चुने गए शेष 91 लोगों को पुणे के इनाली फाउंडेशन सेंटर में कृत्रिम अंग फिट किए जाएंगे।

आईपीडीजी कैलाश जेठानी ने क्लब अध्यक्ष अमित राजे, डॉ नम्रता, सह-अध्यक्ष अरुणिमा सिंह और अनुभा खराबे को इस अंतर-जिला अंग फिटमेंट शिविर को इतना सफल बनाने के लिए बधाई दी।

एक लाभार्थी, धनश्री संभाजी भोसले इलेक्ट्रॉनिक हाथ मिलने के बाद भावुक हो गईं। उसके पति ने कहा, ''मेरी पत्नी इस विकृति के साथ जन्मी थी। लेकिन वह शिक्षित है और मेरे एवं मेरे बेटे और यहां तक कि दूसरों के लिए भी सभी काम सिर्फ एक हाथ से करती है। अब इस नए हाथ से एक पेशेवर की तरह बाइक चलाने का उसका सपना पूरा हो जाएगा।'' वैभव विट्ठल गलांडे और मधुकर वाडकर, जिन्होंने एक दुर्घटना में अपने दोनों ऊपरी अंगों को खो दिया था, इस नए जीवन को पाकर खुशी से झूम उठे। वाडकर ने कहा, ''मैं अब अपने जीवन के बड़े लक्ष्यों को पूरा कर सकता हूं क्योंकि मुझे मेरे दोनों हाथ मिल गए है।''

पीआरआईडी अशोक महाजन, डीजीई मिलिंद कुलकर्णी और डीजीएनडी हर्ष मकोल ने शिविर का दौरा किया और वे एक नई उम्मीद के साथ बाहर निकलने वाले लाभार्थियों के उत्साह और उनकी खुशी के साक्षी बने। बैटरी संचालित, स्विच-आधारित यह इलेक्ट्रॉनिक इनाली हाथ दो साल की वारंटी के साथ आता है और इनाली फाउंडेशन ने पिछले पांच वर्षों में विकलांगों को इस तरह के 7,000 अंग वितरित किए हैं। ■

Bridging Gaps, Empowering Dreams

A University in Aruba makes it possible for students from India to become a physician or a veterinarian in the USA, with a unique intake mechanism that is as credible as it is cost-effective. Xavier University School of Medicine's Doctor of Medicine (MD) and Doctor of Veterinary Medicine (DVM) Program in association with KLE Belagavi.

THE World Health Organisation (WHO) puts the global healthcare provider shortage at 4.3 million – this comprises physicians, nurses and healthcare support staff. This is as per the WHO recommended ratio of 1:1100 doctors to individuals.

That North America is a dream destination for aspiring healthcare providers is an acknowledged fact. However, it is equally well known that international students face a number of barriers and challenges in getting admission to medical schools in the United States of America and Canada. Stringent Medical College Admission Test (MCAT) requirements raise the competition bar at the entrance level and the issue of very limited seats for international students remains a perennial problem.

The Xavier University School of Medicine Aruba has conceptualized and implemented a unique intake mechanism that makes it possible for students from India to live their dreams of graduating with a North American medical degree not only at a significantly reduced cost but also with global exposure to the world's brightest. Ravishankar Bhooplapur, President, XUSOM, says, "After extensive and intensive research into the credentials, capabilities and collaborative mindsets of medical schools in India, we identified a few institutions and after talks, finalised our partnership with KLE Academy of Higher Education, Belagavi, an established institution with impeccable education delivery credentials in order to implement our initiative".

Since 1916

Dreaming different: The aim is simple-to provide Indian students the opportunity to achieve their dream at a fully accredited medical school at affordable tuition fees. Students begin their journey in India at KLE

Academy of Higher Education and Research, continue their pre-clinical studies at Xavier University School of Medicine in Aruba, and then complete their clinical training in the USA at Xavier's affiliated and accredited teaching hospitals and clinics.

Once they complete their MD programme at Xavier University, students are eligible to apply for PG training/residency in USA and Canada. With its decades of experience guiding its students into competitive residency positions, Xavier University provides XUSOM the accomplishment of its graduates matching for residency training across disciplines such as Internal Medicine, Pediatrics, Family Medicine, Psychiatry, and Surgery, including plastic surgery, neurology, and other fields.

The process remains the same for those wishing to be veterinarians – after completing their DVM degree, students can appear for the North American Veterinary Licensing Examination (NAVLE) and immediately accept jobs without residency training.

The modern and innovative curriculum and resources such as NBME and Kaplan review programmes ensure that Xavier Students are well-prepared for the United States Medical Licensing Examination (USMLE) and North American Veterinary Licensing Examination (NAVLE).

DOCTOR OF MEDICINE 6-YEAR PROGRAMME

Pre-Med	Basic Science	Clinical Rotations
2 years - India	2 years - Aruba	2 years - US/Canada

DOCTOR OF VETERINARY MEDICINE 6-YEAR PROGRAMME

Pre-Med	Basic Science	Clinical Traning
2 years - India	2 years - Aruba	2 years - US/Canada/New Zealand/Australia/UK

The Programming Paradigm: The intake mechanism has been designed and fine-tuned with great attention to not just compliance requirements, but recommendations as well.

Doctor of Medicine: Students will complete their first two years of pre-medical training at KLE's campus in Belagavi. Students then automatically progress to study preclinical sciences (Basic Sciences) at Xavier University Aruba. The final two years of hands-on clinical training will be completed in USA and Canada at Accreditation Council for Graduate Medical Education (ACGME) approved hospitals.

Doctor of Veterinary Medicine: After two years of pre-med training at KLE, students will automatically progress to complete three years of the DVM programme in Aruba. This will be followed by one year of clinical experience in the US, Canada, Australia, New Zealand, and other countries. Xavier's veterinary programme has already applied for accreditation with CAAM-HP and other agencies.

Excellence at Xavier: XUSOM has paid due attention, performed due diligence and acquired the requisite compliances for offering medical education.

Accreditations – or valid external quality assurance conducted by recognised agencies in medical education – have been sought committedly and received by Xavier. Unwavering in its dedication to uphold the highest academic standards in medical education, XUSOM constantly seeks validation of its excellence from international accrediting bodies.

These recognitions are vital and have enabled Xavier graduates to secure exceptional residencies and become licensed physicians throughout the North America for one and a half decades now.

The New York State Education Department (NYSED) fully approves Xavier University School of Medicine. Xavier is also fully accredited by the Accreditation Commission on Colleges of Medicine (ACCM). ACCM standards are comparable with the Liaison Committee on Medical Education (LCME) standards- the accreditor of US and Canadian medical schools. ACCM is also closely aligned with the National Committee on Foreign Medical Education and Accreditation (NCFMEA). The US Department of

Affiliated Clinical Teaching Hospitals

Pennsylvania
- Baruch S. Blumberg Institute

New York
- Long Island Community Hospital
- St. Joseph's Medical Center
- Mercy Medical Center
- Wyckoff Heights Medical Center

Maryland
- St. Agnes Hospital
- Sinai Hospital
- Northwest Hospital
- Willoughby Beach Pediatrics

Illinois
- Jackson Park Hospital
- Rush Copley Medical Center
- Saint Anthony Medical Center

Education empowers the NCFMEA to review written and applied accreditation standards for medical schools outside North America. ACCM is approved by NCFMEA and is recognized as having standards comparable to those utilised in the US The institute has also featured in 10 Caribbean medical school lists in 2019. The Government of Aruba granted Xavier a charter in 2004 – this permits Xavier to grant MD, DVM, and other healthcare science degrees.

On the curriculum: The MD curriculum at XUSOM is recognised as modern, innovative and providing its students a distinct edge.

The MD curriculum in the Basic Science Programme is an integrated organ-based curriculum with both vertical and horizontal integration. Students are exposed to clinical skills training and hospital postings from the first semester in Aruba. Courses such as medical humanities, professionalism, ethics, and behavioural sciences are integrated with the core biomedical preclinical sciences. The final examination for all the courses includes questions from the National Board of Medical Examination (NBME)- the body that conducts the USMLE. Students get exposed to NBME examinations for all the basic science courses, thus enhancing their preparation for USMLE Step 1. During the last semester of the basic sciences (MD6), students are offered Kaplan Live USMLE preparation with access to multiple question banks and resources in conjunction with a faculty-run comprehensive review of basic sciences. All students must pass USMLE Step 1 before proceeding to the clinical training (Years 3 and 4) in the USA.

The Clinical Sciences curriculum, designed by the Xavier faculty, focuses on USMLE step 2 requirements and standards set by various national associations in respective clinical courses. Clinical training is conducted at ACGME-approved teaching hospitals and includes a total of 84 weeks of training (core rotations and elective rotations). NBME shelf examinations are required to complete each rotation. Students are provided with multiple library resources, support, and guidance to perform well in USMLE Step 2 CK.

Guiding the way: Students at XUSOM are assured of all guidance in making choices. Especially in the crucial 4th year, medical students are supported through the residency application. Clinical deans hold multiple orientation sessions and provide students with MSPE (Medical Student Performance Evaluation) letters.

Xavier Clinical Chairs and Deans individually mentor students interested in applying for residency in their respective specialties. Xavier registrars and clinical coordinators guide the students with the residency match cycle, deadline dates, and the application process. Xavier regularly invites residency programme directors and hospital executives to guide students through the match process.

The Dean and Assistant Deans of the Students Affairs and department personnel offer a structured support system for international students to facilitate a smooth transition into the MD programme. Each student is paired with a faculty mentor to monitor their academic progress.

Small class sizes allow individualized mentorship from highly-qualified faculty from the first day. No wonder that Xavier has had a more than 95 per cent first-time pass rate for the USMLE every year for many years.

Student organisations play an important role in routinely conducting social activities and engaging with new students to help them acclimatise to the new environment. Xavier Immigration staff provide counseling and extensive support to the students on the Visa process to enter Aruba and USA. Xavier students are eligible for H1/J1 visa programme.

The campus quotient: XUSOM's all-inclusive campus is a space that enables and empowers students to achieve their full potential and more. Beautiful outdoor spaces, sporting amenities, an outdoor gym, and other conveniences make this a haven of serenity. Though crime is practically non-existent on Aruba, all measures have been taken to secure the safety of students.

With the $70 million campus transformation underway, students are assured of a safe yet exciting and dynamic space to call their own. This new academic campus will include a theater-style auditorium, state-of-the-art classrooms, labs, research facilities, seminar rooms, a new library, study areas for individuals and small and large groups, student lounges, and a walk-in clinic.

Diversity at work: Xavier University's student body is represented by more than 20

Fee structure

MD Programme

USD 15,000

for the Pre-Med studies at KLE

(**Note:** Students can pay in Indian rupees. All students from the KLE programme receive a USD 55,000 scholarship to the MD programme. Students will pay only USD 135,000 for the four-year MD. Programme instead of the standard tuition fee of USD 190,000)

Vet Programme

USD 15,000

for the Pre Vet studies at KLE

(**Note:** All students from the KLE. programme receive a 50 per cent scholarship (equivalent to USD 57,000) to the Vet Programme. Students will pay only USD 57,000 for the four-year VET program instead of the standard tuition fee of USD 114,000).

Admission Indian students are required to pass NEET Examination. A faculty admission committee will interview every student before acceptance.

Percentage of Indian Students and the rest of the world - More than 90% of XUSOM students are from North America. The remaining students represent more than 26 countries worldwide. Indian students represent only 1-2 % of the total student body.

For More Information Please Contact:

infoindia@xusom.com
+91 91 0083 0083
+91 98 8528 2712

countries worldwide. Students from different cultural and ethnic backgrounds learn from each other and learn with each other. This is extremely significant as it provides the cultural foundation, awareness and sensitivity required by future physicians to care for the healthcare needs of increasingly culturally diverse populations in most developed countries.

Cost cutting: Xavier's partnerships in India have agreed to offer the MD/ DVM training at a very affordable cost without compromising on the quality and opportunities for the training of Indian students. This enables a larger percentage of the talent pool to aspire to learn and practice medicine globally.

Students are exposed to clinical skills training at teaching hospital from the first semester in Aruba

Aiding the scholar: Xavier University has designed multiple opportunities to financially support its students as they embark on their medical school journey. Several scholarships – Shaping Xavier Scholarship, Presidential Excellence Scholarship, Chancellor's Scholarship, Congressman John Lewis Memorial Scholarship, Pramukh Swami Maharaj Scholarship, MCAT and Medical Field Experience Scholarships are awarded to deserving students every year. The Guru Nanak Scholarship was set up to commemorate Guru Nanak's 600^{th} birthday.

Not just that, all students who join the September 2023 cohort are entitled to a $55,000 tuition scholarship over the course of the entire programme.

Advantage Aruba: Aruba is a beautiful island in the Dutch Caribbean, constantly ranked as one of the safest islands by tourists. Aruba is also one of the most developed islands in the Caribbean. It is the only island with highest connections to the USA, Europe, and Central America with multiple daily flights.

The X factor: From a unique intake system, to world-class education delivery, a beautiful space to live and grow in, and the full support of a committed system and stakeholders all at high cost-benefit ratio, XUSOM has everything that the today's medical student may aspire to. ■

XUSOM: Forging new paths

Ravi Bhooplapur, President of Xavier University School of Medicine, has roots in India but has spent his professional life in the US.

THE World Health Organization estimates a global shortage of 4.3 million physicians over the next 10 years.

Understanding that there is a massive demand for well-trained physicians and veterinarians, particularly in the Western world, and wanting to give back based on his great successes so far, Ravi wanted to fulfill this need and provide opportunities for students who want to become doctors or veterinarians in North America and India.

After careful research and consideration, and many interactions with KLE, Ravi and Xavier launched and new integrated 2+2+2 model for students in India to begin their pre-medical studies in India at KLE, then complete the basic sciences in Aruba at Xavier's brand new campus, and finish clinical rotations at accredited teaching hospitals in the US.

Xavier is unwavering in its dedication to upholding the highest academic standards in medical education, and many international accrediting bodies continually validate its commitment to excellence. Ravi has led Xavier's accreditation, which is the highest attainable possible. Xavier has full accreditation from the Accreditation Commission on Colleges of Medicine (ACCM). The National Committee on Foreign Medical Education and Accreditation (NCFMEA), under the U.S. Department of Education, recognises ACCM to have similar standards as its medical school accreditation body.

In addition, Xavier has been approved by the New York State Department of Education and the Medical Board of California, two states that need additional approvals. In fact, Xavier is just one of just 8 international medical schools that has full accreditation and approval by New York State. Xavier plans to have all 50 states in the US for licensure by 2026, and the veterinary program will receive accreditation in the US and other international bodies in the coming years.

The school follows an innovative curriculum that trains students for USA and Canadian licensing exams. Ravi has ensured that the most qualified faculty are there to teach and mentor the students. Xavier's curriculum is taught at the highest level and is similar to that of US medical schools. All the US Medical Licensing Examinations (USMLE) are part of the curriculum and the graduation requirements of the program. The last 2 years of our program provides students with hands-on medical experience as they perform clinical rotations at accredited teaching hospitals (ACGME approved) in the USA and Canada. Xavier students can apply for Postgraduate (residency training) to any hospital in the 50 states in the US as well as in the provinces and territories of Canada. Continuous guidance, mentoring, and assistance prepare students for residency interviews. Students from countries other than the USA are eligible for Hl/Jl visas.

In addition, Ravi has spearheaded and overseen the transformation of Xavier's campus in Aruba. Xavier has built a new all-inclusive residential campus with all food, transportation, housing, and 24/7 security included. In addition, Xavier is in the midst of building a new $70 million dollar academic campus that will be opening in Fall 2024. Aruba is a very safe and secure place, and sits below the hurricane belt, so the island does not receive any of the extreme weather most other Caribbean islands experience.

Xavier students have been very successful, with more than 1,100 alumni working as doctors around the world over the past 20 years. Xavier's success is defined by student success. Student first-time passing rate in the USMLE Step 1 and Step 2, as well as the number of residency matches, are very high. XUSOM has more than 90 percent first-time USMLE pass rate and successful residency matches.

Ravi has built Xavier into one of the top 10 medical schools in the Caribbean, as named by Money Inc. Magazine. He has ensured that the school is able to offer a high quality medical education at an affordable tuition, and that Xavier students and alumni continue to achieve a high level of success in the medical field. ■

For more information, *visit XUSOM.com or email InfoIndia@xusom.com.*
+91 91 0083 0083, +91 98 8528 2712

XUSOM Snapshot

Year of inception: 2004

Courses offered: MD Program, Doctor of Veterinary Medicine (D.V.M.), Doctor of Physiotherapy

Student intake in the first year: 150

Total alumni strength: 1100 approximately.

Placement record: Approximately 81% for Residency Match
18 % for other gainful employment in the healthcare sector

क्लब अनुभव सबसे महत्वपूर्ण है

टॉम गम्प

रोटरी इंटरनेशनल के सर्वेक्षणों से ज्ञात हुआ है कि सदस्यों द्वारा अपने रोटरी क्लब को चाहने की पहली वजह है क्लब का शानदार अनुभव। सवाल यह है कि हम कोशिश कर एक बेहतरीन क्लब अनुभव का सृजन कैसे कर सकते हैं? इसे करने का आसान क्रमबद्ध तरीका नीचे दिया गया है।

- क्लब में मूल्यांकन और सर्वेक्षण करवाएं। रोटरी किसी भी अन्य व्यापार की तरह है। हम एक उत्पाद बेच रहे हैं और वो है क्लब का अनुभव। यदि हम क्लब का अनुभव बढ़िया प्रदान करवाते हैं, तो हमारे सदस्य टिके रहते हैं और दूसरों को भी क्लब में लाते हैं। अपने सदस्यों को वह मूल्य दें जो वे चाहते हैं। वे क्या चाहते हैं, ये जानने के लिए कि एक सर्वेक्षण करें। आप पहले से उपलब्ध विभिन्न मूल्यांकन टूल *MyRotary* में खोज सकते हैं या आप अपना खुद का उपकरण तैयार कर सकते हैं।
- परिवर्तन लाएं। क्योंकि सर्वेक्षण अपने आप में अच्छे और प्रभावशाली होते हैं, इससे आपके सदस्य महसूस करते हैं कि वे आपके अपने हैं क्योंकि आप उनकी बात सुनते हैं, उन्हें अपनी बात रखने का अवसर प्रदान करते हैं। एक क्लब प्रेसिडेंट्स-इलेक्ट ट्रेनिंग (PETS) में, मैंने एक बार सभी पीई से हमें यह बताने के लिए कहा कि वे शानदार क्लब अनुभव के लिए एक बदलाव क्या करने जा रहे हैं। पीई ट्रॉय ने कहा कि वह डेसर्ट में पाई लेंगे! कमरे में ठहाके गूँज उठे। कुछ साल बाद मेरी मुलाकात ट्रॉय 'द पाई गाइ' से हुई और मैंने उससे पूछा कि क्या उसे अपनी पाई मिल गई। उसे मिली; लेकिन एक अजीब बात हुई। उस बदलाव से खुश होकर क्लब के सदस्यों ने अन्य क्षेत्रों में भी परिवर्तन का सुझाव देना शुरू कर दिया। उनका क्लब धीरे-धीरे बदलाव के प्रतिरोधी क्लब से बदलाव चाहने वाले क्लब में बदल गया। यह अब अपने मंडल का दूसरा सबसे बड़ा क्लब है। रोटरी के पास एक परिवर्तन मॉडल है जो आपको सुझाव दे सकता है कि परिवर्तन विरोधी सदस्यों को साथ ले कर चलते हुए परिवर्तन कैसे करें।
- हमेशा सकारात्मक सोच रखें, मुस्कुराएं और धन्यवाद कहें। हमारे द्वारा की गयी छोटी-छोटी चीजें बहुत ज्यादा मायने रखती हैं। मुख्य द्वार पर खड़े होकर प्रतिभागियों (सदस्यों और मेहमानों) का मुस्कुराहट और विनम्रता के साथ अभिवादन करना सबको आकृष्ट करता है और ये उन्हें अपनापन महसूस कराता है। योगदान को मान्यता देना भी वैसा ही है, कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप इसे कैसे देते हैं।
- रोटरी के बाहर भी ध्यान केंद्रित करें। हम रोटेरियन जब एक समूह में होते हैं, दूसरों से बात करने की अपेक्षा आपस में ज़्यादा बात करते हैं। मुझे रोटरी अध्यक्ष-चुनाव प्रशिक्षणों, PETS, मंडल समारोहों, इंस्टिट्यूट, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों आदि में भाग लेना पसंद है। हालाँकि, मैं हमेशा सोचता हूँ, काश, अपने दोस्तों को भी हमारे साथ शामिल होने के लिए कह पाता। अपने अगले सेवा प्रोजेक्ट या सामाजिक कार्यक्रम में किसी मित्र को अपने साथ ज़रूर लाएँ - उन्हें अच्छा लगेगा (भले ही उन्हें व्यापारिक बैठकों में भाग लेना पसंद न हो)!

आइए, हम सब मिलकर शानदार क्लब अनुभव का सृजन कर रोटरी को आगे बढ़ाएं!

(लेखक रो ई की सदस्यता विकास समिति के सदस्य हैं)

क्या आपने

रोटरी न्यूज़ प्लस

पढ़ा है?

या यह आपके जंक फोल्डर में जा रही है?

हम हर महीने आपकी परियोजनाओं को प्रदर्शित करने के लिए ऑनलाइन प्रकाशन ROTARY NEWS PLUS निकालते हैं। यह प्रत्येक सदस्य को महीने के मध्य तक ई-मेल द्वारा भेजा जाता है।

रोटरी न्यूज़ प्लस हमारी वेबसाइट www.rotarynewsonline.org पर पढ़ें।

अध्ययन का उपहार

रशीदा भगत

बच्चों में वीडियो गेम, टेलीविजन और लंबे समय तक इंटरनेट सर्फ करने की बढ़ती प्रवर्ति पर अंकुश लगाने और इस लत को दूर कर उनमें किताबें पढ़ने के प्रति रुचि जगाने के लिए, रो ई मंडल 3132 की डीजी स्वाति हर्केल, महाराष्ट्र में सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों में कई वर्षों से पुस्तकालय स्थापित कर रही हैं।

विगत सात वर्षो से वह आरआईएलएम (रोटरी इंडिया लिटरेसी मिशन) के अंतर्गत अपने मंडल की साक्षरता अध्यक्ष हैं, वह रो ई मंडल 3132 में रोटरी द्वारा क्रियान्वित शिक्षा और बुनियादी साक्षरता की कई परियोजनाओं में भाग ले चुकी हैं। ''हम सभी को ज्ञात है कि पढ़ना सिर्फ एक बुनियादी आवश्यकता नहीं है; यह जीवन के सभी क्षेत्रों में छात्रों की सफलता का आधार है। एक महत्वपूर्ण पेशेवर भाषा कौशल होने के अलावा पढ़ाई रोचक, जानकारीपूर्ण और प्रेरणादायक साहित्य से परिचय कराती है जो जीवन के प्रति हमारे दृष्टिकोण और अनुभव को समृद्ध करती है,'' वह कहती हैं।

वह बताती हैं कि कई वर्षों तक अपने मंडल की साक्षरता अध्यक्ष के रूप में उन्होंने प्रौढ़ शिक्षा के क्षेत्र में भी कार्य किया है और प्रौढ़ शिक्षा पर एक किताब भी लिखी है। यह किताब मराठी में लिखी गई थी लेकिन इसका अनुवाद कई भाषाओं में किया गया है।

सरकारी स्कूलों में जहां सामान्य रुचि की सीमित पुस्तकें उपलब्ध होती है वहां बच्चों का किताबों के जादुई संसार से परिचय करवाने के लिए, उन्होंने 2017-18 में *ज्ञान की लाइब्रेरी* नामक एक स्कूल पुस्तकालय परियोजना शुरू की।

इस के तहत, उनके क्लब रोटरी क्लब वाई ने शुरुआत में रो ई मंडल 3132 के जिला परिषद स्कूलों में प्रत्येक पुस्तकालय को 200 पुस्तकों का एक लाइब्रेरी बॉक्स दान किया। प्रत्येक लाइब्रेरी की लागत ₹5,000 है और इस उद्देश्य के लिए रोटेरियन धन और किताबें दान करने के लिए बढ़ चढ़ कर आगे आए। ... स्कूली बच्चों को कैसी किताबें ज्यादा पसंद हैं, उनकी प्रतिक्रिया जानने के लिए बॉक्स में पता लिखा एक पोस्टकार्ड रखा जाता है, जिसमें छात्रों से अपने सुझाव देने का आग्रह किया जाता है।

विभिन्न स्कूलों में पुस्तक पढ़ने के सत्र जहाँ बच्चे उन किताबों पर चर्चा करते हैं जो वे पढ़ते हैं।

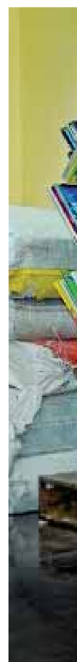

स्कूल की लाइब्रेरी में रोटेरियन द्वारा उपहार में दी गई किताबें रखी हुई हैं।

इस परियोजना के तहत अभी तक 1,500 पुस्तकालय स्थापित किए जा चुके हैं, और जिस दिन वह मंडल की पहली महिला डीजी बनीं, उस दिन स्कूलों को 50 पुस्तकालय और उपहार में दिए गए थे। आज जब वह अपने मंडल का नेतृत्व कर रही हैं, तो स्वाति को विश्वास है कि ''हम इस वर्ष 1,000 स्कूल पुस्तकालय की स्थापना करेंगे।''

पुस्तकालयों में दी गई ज़्यादातर पुस्तकें मराठी में हैं, हाँ, कुछ अंग्रेजी में भी हैं। किस तरह की किताबें दी गईं और सिर्फ ₹5,000 में लगभग 200 किताबें कैसे मिलीं, इस पर डीजी कहते हैं, ''कई तो कहानी की किताबें हैं, वास्तविक जीवन की कहानियां, प्रेरणादायक कहानियां, जीवनियां और

आत्मकथाएं, जादू की किताबें और कॉमिक्स... हम *अमर चित्र कथा* कॉमिक्स देते हैं जो बच्चों को बेहद पसंद हैं।'' छात्रों से मिली प्रतिक्रिया से वह प्रसन्न हैं।

जहां तक छोटे बजट में इतनी सारी किताबें लाने की बात है तो वह मुस्कुराती हैं और कहती हैं, ''हमने प्रकाशकों के साथ बात की जो 20 से 50 प्रतिशत की छूट देते हैं, खासकर पुरानी किताबों पर जिनकी बिक्री नहीं होती। साथ ही, कुछ किताबें बहुत कम पृष्ठों की हैं, उनकी कीमत ₹10-15 होती है और उन्हें एक बार में ही पूरा पढ़ा जा सकता है।'' इस परियोजना ने एक धर्मार्थ संगठन,रत्न निधि फाउंडेशन के साथ भी करार किया है जो किताबों के साथ-साथ किताबों को रखने के लिए अलमारियाँ भी देता है। वह कहती हैं कि रोटरी के प्रयासों को महाराष्ट्र के अन्य प्रकाशनों के योगदान से भी मदद मिली है। बहुत छोटे और बड़े छात्रों के लिए किताबों के अलग-अलग सेट बनाये जाते हैं।

सिर्फ नाम के लिए पुस्तकालय की स्थापना स्थापित नहीं की जा रही बल्कि किताबें अलमारी या बक्से से निकल कर बच्चों के हाथों में पहुँच रही हैं या नहीं इस के लिए योजना की संरचना विशिष्ट तरीके से की गई है। उदाहरण के लिए, हर महीने एक निर्दिष्ट दिन पर, कक्षा शिक्षक को पुस्तकालय में 1-2 घंटे बिताने आवश्यक हैं। ''एक किताब चुन ली जाती है और प्रत्येक छात्र को उस किताब के बारे में कुछ कहना होता है। वे एक घेरे में बैठते हैं और किताब पर चर्चा होती है और इसमें भाग लेने के लिए, प्रत्येक बच्चे को किताब पढ़ना आवश्यक है। हमारा उद्देश्य छात्रों में पढ़ने की आदत विकसित करना है, जो न केवल उसे अकादमिक रूप से लाभान्वित करेगी बल्कि उसे सफलता के लिए आजीवन साधन प्रदान करेगी,'' स्वाति ने आगे कहा।

माता-पिता और शिक्षकों की संतुष्टि के बारे में संक्षेप में वह कहती हैं, बच्चों के भीतर पढ़ने में कम होती रुचि को ले कर दोनों में गहरी चिंता हैं, ''बच्चे टीवी देखना और वीडियो गेम खेलना पसंद करते हैं, इसलिए इस प्रयास से माता-पिता और शिक्षक बहुत खुश हैं। हमारा प्राथमिक कार्य न केवल छात्रों को पढ़ना शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करना है बल्कि हम इसका भी ध्यान रखते हैं हैं कि उन्हें इस प्रक्रिया में आनंद आए। पढ़ने से व्यक्ति का ध्यान और एकाग्रता बढ़ती है, विश्लेषण करने की क्षमता में वृद्धि होती है और शब्दावली का विस्तार होता है।'' ■

हमारा उद्देश्य छात्रों में पढ़ने की आदत विकसित करना है, जो न केवल उन्हें अकादमिक रूप से लाभान्वित करेगी बल्कि उन्हें सफलता के लिए आजीवन साधन प्रदान करेगी।

स्वाति हर्केल
DG रो ई मंडल 3132

ADVT.

www.iisuniv.ac.in

IIS (deemed to be UNIVERSITY) JAIPUR

FORMERLY **ICG**

Admissions Open 2023-24

UG/PG/Ph.D./D.Litt./D.Sc. & Professional Programmes

Undergraduate Programmes

- B.A. ▸ B.Sc. ▸ B.Com.
- B.A./B.Sc./B.Com. Hons.
- B.A./B.Sc./B.Com. - Research
- B.A./B.Sc./B.Com. Hons. - Research

Specialized Programmes

- **B.Com. Hons.** (Proficiency in Chartered Accounting/Proficiency in Company Secretaryship) Specialized programmes and separate academic calendars for aspirants of CA & CS.
- **B.Com. Hons.** (Applied Accounting and Finance) Accredited by ACCA UK

UG-Professional Programmes

- **B.A.** (J.M.C.) ▸ **B.F.A.** ▸ **B.C.A.**
- **B.Sc. Hons.** (Forensic Science)
- **B.Sc. Hons.** (Data Analytics & AI)
- **B.Sc. Hons.** (Home Science)
- **B.Sc. Hons.** (Fashion Design)
- **B.Sc. Hons.** (Multimedia & Animation)
- **B.Sc. Hons.** (Jewellery Design & Technology)
- **B.B.A.**
- **B.B.A.** (Aviation & Tourism Management)
- **B.Voc.*** *UGC Approved

Integrated Programmes

- **B.A. B.Ed.*** ▸ **B.Sc. B.Ed.***
  *NCTE Approved
- **B.Sc. M.Sc.** (Nano Science & Technology)

Post Graduate Programmes

- M.A. ▸ M.Sc. ▸ M.Com. ▸ M.F.A.
- M.S.W. ▸ M.Sc. Home Science
- M.B.A. (Semester Based)
- M.A./M.Sc. in Yogic Sciences
- RCI approved professional diploma in Clinical Psychology

DISTINGUISHING FEATURES

- Extra & Co-curricular Activities
- Placement Support
- Wi-Fi enabled campus
- Conveyance / Hostel Facility
- NCC, NSS, Sports

Co-Educational Programmes

@ IISU Block, ISIM Campus,
Mahaveer Marg, Mansarovar

- **B.C.A.** ▸ **B.B.A.** ▸ **B.Lib.Sc.**
- **M.A.** (Digital Media & Communication)
- **M.C.A.**
- **M.B.A.** (Dual Specialization, Trimester based)
  MBA/MCA AICTE Approved

Short Term Courses

- Cyber Security and Cyber Law (Online)
- Certificate Course in Textile Design

Research Programmes

- **Ph.D.** (Admission through Research Entrance Test.)

Research Entrance Test : **22 July 2023**

Preparatory Classes along with UG/PG Programmes

- Civil Services ▸ NET ▸ USCMA

College of Physiotherapy & Allied Health Sciences

(Co-Educational) & IIS Sitapura Campus

- **B.P.T.** ▸ **M.P.T.** ▸ **Ph.D.**

FOR COUNSELLING AND ANY QUERIES, CONTACT AT

9358819994
ARTS & SOCIAL SCIENCES

9358819995
SCIENCE

9358819996
COMMERCE & MANAGEMENT

8949322320
PHYSIOTHERAPY

or mail at : **admissions@iisuniv.ac.in**

Gurkul Marg, SFS, Mansarovar, Jaipur, Rajasthan-302020
+0141 2400160 / 161, 2397906 / 07
Toll Free No. : **1800 180 7750**

BHAAVIKA THANVI
B.A. (HONS.)-PSYCHOLOGY, 2020 BATCH

UPSC CIVIL SERVICES 2022
RANK - 100

SOME OF OUR DISTINGUISHED ALUMNAE

Padmini Solanki
IAS

Aruna Rajoria
IAS

Yasha Mudgal
IAS

Darshika Rathore Ajinkya
Endpoint, Middle East, UAE

Laxmi Tatiwala
Chartered Accountant

Shweta Sirohi Gupta
Careflight, Sydney, Australia

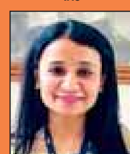
Beenu Dewal
8th Rank, RAS 2018

Manvi Soni
International Shooter

Priyanka Raghuvanshi
RPS

Fg. Lieutenant Swati Rathore
Indian Air Force

Vasundhara Singh
Dietician, AIIMS, New Delhi

Fg. Off. Shivanshi Pathak
Indian Air Force

Bhawana Garg
RAS

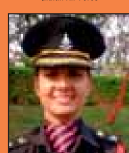
Maj. Komal Rathore
Indian Army

Lt Karnika Singh
Indian Army

Sqn. Ldr. Unnati Sahera
Flying Officer

भारत में 7 रोटरी मंडलों में नारी शक्ति

संभवतः भारतीय रोटरी के इतिहास में पहली बार, 2023-24 रोटरी वर्ष में सात रोटरी मंडलों - 3000, 3030, 3040, 3131, 3132, 3182 और 3262 - का नेतृत्व महिला मंडल गवर्नर द्वारा किया जा रहा है। रोटरी मंडलों 3040, 3131 और 3182 को छोड़कर इनमें से अधिकांश मंडलों में पहली बार एक महिला नेता नेतृत्व कर रही हैं।

ऊपर से दक्षिणावर्त: रो ई मंडल 3131 की डीजी मंजू फड़के (बाएं) पत्नी विश्वास, पोती अंतरा, बेटी ईशा और आरआईडी टीएन सुब्रमण्यन के साथ; डीजी स्वाति हर्केल पीआरआईपी शेखर मेहता और पीआरआईडी महेश कोटबागी के साथ; रो ई मंडल 3262 की डीजी जयश्री मोहंती अपने पति तन्मय (दांए) और पीडीजी धीरेंद्र नाथ पाधी के साथ; रो ई मंडल 3030 की डीजी आशा वेणुगोपाल, पीडीजी आनंद झुंझुनूवाला के साथ; रो ई मंडल 3182 की डीजी बी सी गीता (दांए) पीडीजी अभिनंदन शेट्टी के साथ; रो ई मंडल 3040 की डीजी रितु ग्रोवर, पीआरआईडी कमल सांघवी (बाएं) और डीजीई अनीश मलिक के साथ; रो ई मंडल 3000 की डीजी आनंदता जोती अपने पति सी राजकुमार (बाएं) और पीडीजी एम मुरुगानंदम के साथ।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

पार्क में पौधे लगाए जा रहे हैं।

बाएं: हेतर मेकिनली पार्क में पौधारोपण कर रही हैं। रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली और रोटरी क्लब देवनार कि आईपीपी विद्या सुब्रमण्यन भी चित्र में शामिल हैं।

Rotary PEOPLE OF ACTION

एक जैव विविधता पार्क

टीम रोटरी न्यूज़

रोटरी क्लब देवनार (RCD) पिछले कुछ वर्षों से विभिन्न पहलों के लिए मुंबई के लगभग 100 साल पहले स्थापित सबसे बड़े और सबसे पुराने अनाथालय चेंबूर चिल्ड्रन होम (CCH) के साथ जुड़ा है। सौभाग्य से और असामान्य रूप से मुंबई जैसे शहर में CCH के पास बहुत सारी अप्रयुक्त जगह थी और पिछले रोटरी वर्ष में क्लब ने यहाँ के रहवासियों के लिए ''यहाँ का वातावरण जीवंत करने हेतु एक परियोजना की। हम यहाँ के रहवासियों को बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने के बजाय उनके विकास और कल्याण के लिए उन्हें एक स्थायी मॉडल प्रदान करना चाहते थे,'' क्लब की पूर्व अध्यक्ष विद्या सुब्रमण्यन कहती है।

उचित विचार-विमर्श के परिणामस्वरूप इस पूरे क्षेत्र को परिवर्तित करने हेतु एक समग्र विकास योजना तैयार की गई। परिणाम प्रभावशाली रहे; पूरे डंपयार्ड को उद्यानपथ में बदल दिया गया। ''दो एकड़ भूमि को अनेक खंडों में विभाजित किया गया और प्रत्येक को पर्यावरण संरक्षण हेतु तैयार किया गया। इस जैव-विविधता पार्क का उद्घाटन तत्कालीन रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली द्वारा किया गया और अब यह क्षेत्र अन्य शैक्षणिक संस्थानों के छात्रों के दौरे के लिए खुला है जिन्हें पर्यावरण के संरक्षण और समर्थन के महत्व पर विशेषज्ञों द्वारा शिक्षित किया जाएगा।''

एक बागवानी विशेषज्ञ के कुशल मार्गदर्शन में अनेक स्थानीय फलदार पेड़ लगाए गए और छह महीनों के अंदर उद्घाटन पर रंग-बिरंगे फलों ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। एक किचन गार्डन भी तैयार किया गया और यहाँ पर उगाई गई सब्जियों का उपयोग इस परिसर में रहने वाले बच्चों के भोजन हेतु किया जाएगा।

विद्या बताती हैं कि बच्चों को कृषि-तकनीक सीखने और गहन खेती की समझ हासिल करने

ऊपरः रो ई अध्यक्ष गॉर्डन मेकिनली और हेतर मेकिनली, रो ई निदेशक टीएन सुब्रमण्यन और पीआरआईडी अशोक महाजन (बाएं)।

के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। ''उन्हें जैविक सब्जियों और फलों के उत्पादन, उपज की ब्रांडिंग और अंततः इसका विपणन करने हेतु प्रशिक्षित किया जाएगा। महाराष्ट्र में सह्याद्री वन के कुछ पवित्र क्षेत्रों को देव-राय के नाम से जाना जाता है इसलिए हमने इसे देव-राय परियोजना नाम दिया।''

इस पूरे पार्क को यथास्थिति में बनाए रखने के लिए वानस्पतिक खाद के लिए इस क्षेत्र का एक हिस्सा निर्धारित किया गया है।

एक तितली उद्यान स्थापित करने के लिए इस क्षेत्र के विशेषज्ञ दिवाकर थोम्बरे की मदद ली गई जिससे रंगीन तितलियों की विभिन्न किस्मे आकर्षित हो रही है। पार्क के ठीक बीचों-बीच तितली की 9 फीट की एक रंग-बिरंगी संरचना स्थापित की गई जहाँ एक विश्राम क्षेत्र - गज़ेबो भी स्थापित किया गया। किनारों पर लटकते पक्षी फीडर इन पंखों वाले आगंतुकों की निरंतर चहचहाहट के साथ इस जगह को जीवंत बनाए रखते हैं, वह आगे कहती हैं।

यहाँ के विशाल वर्षा वृक्ष, जिसे ध्यान क्षेत्र का नाम दिया गया है, के नीचे रो ई के सात ध्यानाकर्षण क्षेत्रों को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया है। एक दर्शक दीर्घा पूरे बगीचे का विहंगम दृश्य प्रदान करती है। चूंकि CCH के बच्चों के पास अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए कोई क्षेत्र मौजूद नहीं था इसलिए उनकी प्रदर्शन कला के लिए 200-सीटर का एक ओपन एयर सेमी-सर्कुलर स्थल तैयार किया गया।

विद्या ने इस पूरी परियोजना को निष्पादित करने में अपने क्लब के सदस्यों द्वारा उनकी पेशेवर विशेषज्ञता का योगदान देने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया; पूर्व अध्यक्ष और एक वास्तुकार लीलाधर परब ने देव-राय का लेआउट तैयार किया; एक अन्य पूर्व अध्यक्ष और एक सिविल इंजीनियर, राजेंद्र दात्ये ने इस परियोजना को आकार देने के लिए अपनी टीम की पेशकश की और पूर्व अध्यक्ष झंकार गडकरी ने इस पूरी परियोजना में बहुत ही आवश्यक सौंदर्य स्पर्श जोड़ा।

''आकर्षक चित्रों, रंगीन रास्तों और संकेतकों ने इस स्थान को एक मैले-कुचैले स्थल से वर्तमान के शांतिमय स्थान में बदल दिया। हम भाग्यशाली थे कि तत्कालीन निर्वाचित अध्यक्ष मैकनली ने इस पार्क का उद्घाटन किया। उनकी पत्नी हेथर ने ध्यानमग्न बुद्ध की प्रतिमा के चारों ओर फूल बिछाए।''

उद्घाटन समारोह में तत्कालीन रो ई निदेशक टी एन सुब्रमण्यन, पीआरआईडी अशोक महाजन और तत्कालीन डीजीई अरुण भार्गव मौजूद थे। रोटरी क्लब मुंबई लेकर्स द्वारा प्रायोजित 450 जोड़ी जूते बच्चों को भेंट किए गए।

इस सुंदर पार्क को स्थायी बनाने और इसका उचित रखरखाव सुनिश्चित करने के लिए रोटरी क्लब देवनार ने अगले 10 वर्षों तक इस पार्क का रखरखाव करने की जिम्मेदारी ली है। ■

पोलियो समाप्ति के लिए अमेरिकी रोटेरियन की वैश्विक उड़ान

वी मुत्तुकुमारन

90 दिनों में विश्व की परिक्रमा, पोलियो समाप्ति के लिए। यह मिशन था, आयोवा, अमेरिका के दो उत्साही रोटेरियन, पीडीजी जॉन ओकेनफेल्स (71) और पीटर टीहेन (70) का, जिन्होंने 5 मई को एक छोटे एकल इंजन विमान (सेसना टी 210 एम) में सीडर रैपिड्स के हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी। उनकी योजना 30 जुलाई को अपनी वैश्विक उड़ान सम्पूर्ण करने की थी।

फ़ेलोशिप ऑफ़ फ्लाइंग रोटेरियन्स के सदस्यों के रूप में, रिश्ते में दोनों भाई ''हमेशा अजीबोगरीब कारनामे करना चाहते थे और पेशेवर पायलट होने के नाते, हमने पोलियो जैसे नेक काम के लिए कुछ बड़ा करने का निर्णय किया जिसके लिए रोटरी 35 वर्षों से प्रयास कर रही है।'' टीहेन कहते हैं अभी तक केवल 700 पायलट ही हल्के विमानों से दुनिया की उड़ान भर चुके हैं और उनमें से करीब 270 से कम आज भी जीवित हैं। ''हमारा प्राथमिक उद्देश्य पोलियो समाप्ति के बारे में जागरूकता पैदा करना और टीआरएफ की पोलियोप्लस पहल के लिए पूंजी जुटाना है। अपनी यात्रा शुरू करने से पहले ही, हमने दान में 1 मिलियन का जुटा लिए थे और अब मैंने अपना लक्ष्य 3 मिलियन तक बढ़ा दिया है,'' वह कहते हैं। वो चेन्नई में अपने प्रवास के दौरान चेंज मेकर्स प्रेसिडेंट एलुमनी एसोसिएशन (सीएमपीएए), रो ई मंडल 3232 द्वारा आयोजित स्वागत समारोह में बोल रहे थे। दोनों भाइयों द्वारा जुटाई गई कुल राशि का मिलान बिल और

चेन्नई में एक पोलियो धन संचयन कार्यक्रम में (बाएं से) डीजीई सरवनन, भारती, सुमेधा, आईपीडीजी एन नंदकुमार, पूर्व मंडल सचिव सी कृष्णचंदर, पीडीजी गण ओकेनफेल्स, श्रीधर, रोटरी क्लब मद्रास की पूर्व अध्यक्ष विजया भारती, डीआरएफसी बी दक्षिणायनी, डीजीएन विनोद सरावगी, दिनेश सेठी, पूर्व अध्यक्ष, रोटरी क्लब चेन्नई अक्षय, और मीनाक्षी पेरियाकरुप्पन, तत्काल पूर्व अध्यक्ष, रोटरी क्लब मद्रास टी नगर।

मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा 2:1 के अनुपात में किया जाएगा।

स्वयं के विमान सेसना (एकल इंजन) से हवाई यात्रा का पूरा खर्च ये दोनों रोटेरियन पायलट वहन कर रहे हैं, क्लबों, रोटेरियनों और जनता से प्राप्त दानराशि टीआरएफ को जायेगी, पीडीजी ओकेनफेल्स कहते हैं। ''हम हवाई यातायात नियंत्रकों और हवाई अड्डे के अधिकारियों की उदारता से अभिभूत हैं जिन्होंने कुछ जगहों पर गैसोलीन शुल्क माफ किया है,'' उन्होंने कहा।

कुल मिलाकर, 21 देशों में वे 39 जगह रुकेंगे और 25,300 मील से अधिक की दूरी तय कर तीन महीनों में विभिन्न टाइम ज़ोन्स में 165 घंटे से अधिक की उड़ान भरेंगे।

पीडीजी जॉन ओकेनफेल्स (दाएं से) पीडीजी जे श्रीधर, आईपीडीजी एन नंदकुमार; रोटरी क्लब चेन्नई पोर्ट सिटी से आर राजशेखरन; रो ई मंडल 3234 के डीजीएन विनोद सरावगी और डीजीई एन एस सरवनन की उपस्थिति में एक बच्चे को पोलियो की खुराक देते हुए। ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन के शहर चिकित्सा अधिकारी डॉ एस बानुमति (बीच में), मौखिक टीकाकरण में मदद करती हुईं।

टीहेन कहते हैं, ''हमारे स्टॉपओवर पर इन देशों में हमारे 24 फंडरेजर कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिसका व्यय मेजबान क्लब उठाएंगे और हमारी मेजबानी करेंगे।''

क्या आप गंभीर हैं?

जब रोटरी क्लब सेडर रेपिड्स वेस्ट, रो ई मंडल 5970 के सदस्य पीटर टीहेन ने अपनी पत्नी जेनेट को 'सिर्फ मनोरंजन के लिए' दुनिया भर में उड़ान भरने का ज़िक्र किया, तो वो बोली, ''क्या आप वास्तव में गंभीर हैं?'' वह 2018 की बात है। उस समय, मैं अकेले जाना चाहता था। बाद में, उन्होंने अपने भाई, पीडीजी ओकेनफेल्स के साथ मिलकर ये काम किया, जिन्होंने 2019 में ऑस्ट्रेलिया के हैम्बर्ग कन्वेंशन में पृथ्वी की उड़ान भरने की घोषणा की थी। जेनेट तब थोड़ी नरम पडी क्योंकि उनके पति अपने भाई के साथ जा रहे थे, पूर्व में अमेरिकी वायु सेना पायलट (1972-76) ओकेनफेल्स, थाईलैंड के एक लड़ाकू मिशन में रह चुके थे और द्वितीय विश्व युद्ध के प्रशिक्षण विमानों का संचालन और रखरखाव करते थे। तेहेन कहते हैं, ''पृथ्वी की उड़ान पर

पायलट 21 देशों में 39 स्टॉपओवर करेंगे और 25,300 मील की दूरी तय करेंगे और 3 महीने में विभिन्न समय क्षेत्रों में 165 से अधिक घंटे की उड़ान भरेंगे।

जाने का हमारा चौथा प्रयास है। दो दफ़ा (2020, 2021) कोविड के कारण उड़ान नहीं भर सके; और तीसरा 2022 में यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद निरस्त कर दिया था।''

कराची में अपने तीन दिवसीय प्रवास के अंत में, ''जहां हम पोलियो फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं के साथ बस्तियों और झोपड़ियों में गए थे, एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई जिसमें रोटरी क्लब, डब्ल्यूएचओ और यूनिसेफ के अधिकारियों ने भाग लिया।'' एक पत्रकार ने पायलटों से पूछा, ''अब तो आपने खुद हमारी जगह देख ली है और यहां क्या चल रहा है, तो इसके बाद भी क्या आप दुनिया से पोलियो उन्मूलन को लेकर आशान्वित

सह-पायलट पीटर टीहेन (दाएं) ने चेन्नई में पीडीजी जे श्रीधर, जॉन ओकेनल्स और रो ई मंडल 3232 के रोटेरियनों की उपस्थिति में अपना 70 वां जन्मदिन मनाया।

हैं? इस तीखे सवाल पर टीहेन ने जवाब दिया, ''नहीं, मुझे 'उम्मीद' नहीं है; हमें 'यकीन' है कि इस दुनिया से पोलियो का सफाया किया जा सकता है। उम्मीद के बजाय यकीन सही शब्द है, क्योंकि पोलियो के संदर्भ में जागरूकता पैदा करने के लिए ऐसे सकारात्मक संदेश महत्वपूर्ण हैं।''

नागपुर में उतरने के बाद टीहेन बीमार पड़ गए थे कुछ समय के लिए अस्पताल में भर्ती थे,

---

हमारा प्राथमिक उद्देश्य टीआरएफ की पोलियोप्लस पहल के लिए धन जुटाना है। अपनी यात्रा शुरू करने से पहले ही, हमने दान में 1 मिलियन का आंकड़ा पार कर लिया था, और मैंने अपना लक्ष्य अब 3 मिलियन तक बढ़ा दिया है।

पायलट पीटर टीहेन

रोटरी क्लब सेडर रेपिड्स वेस्ट,

रो ई मंडल 5970

उनका इलाज करने वाले एक भारतीय डॉक्टर ने पूछा ''आखिर आपको पोलियो के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए दुनिया भर में यात्रा करने की क्या सूझी, अब तो ये अस्तित्व में ही नहीं है।'' इस कथन ने, ''मेरे विचार को और पुख्ता कर दिया कि पोलियो को ख़त्म करने के लिए हमें अपने जागरूकता अभियान में और गति लानी होगी जो अभी दुनिया से ख़त्म नहीं हुआ है; 99.98 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है, लेकिन अभी भी इसका एक छोटा सा हिस्सा बाकी है।''

नागपुर में व्यवधान

कराची से निकल कर सेसना विमान नागपुर में उतरा जहां उसमें एक खराबी आ गई और उन्हें बेलगाम, गोवा के लिए वाणिज्यिक उड़ानें लेनी पड़ीं फिर वहां से चेन्नई के लिए उड़ान भरी। श्रीलंका में रुकने के बाद, उन्होंने थाईलैंड, कुआलालंपुर, बाली, ऑस्ट्रेलिया के लिए उड़ान भरी और फिर प्रशांत द्वीप समूह गए। टीहेन कहते हैं, ''सेडर रैपिड्स में वापिस अपने बेस पर लौटने से पहले, हमारी सबसे लंबी और चुनौतीपूर्ण यात्रा हवाई से कैलिफोर्निया की होगी।'' श्रीलंका से, विमान लेने के लिए वो वापिस नागपुर लौट आए।

रोटरी क्लब आयोवा सिटी एएम के सदस्य और 2014-15 में रो ई मंडल 6000 के मंडल अध्यक्ष रह चुके गवर्नर ओकेनफेल्स, पोलियो मुक्त विश्व के लिए अंतर्राष्ट्रीय सेवा पुरस्कार के प्राप्तकर्ता हैं और सिटी कार्टन रीसाइक्लिंग, आयोवा के संस्थापक-सीईओ के रूप में सेवानिवृत्त हुए हैं। उनके चचेरे भाई टीहेन एक लेखक, मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ हैं और उन्होंने अमेरिका, प्यूर्टो रिको, गुआम, श्रीलंका, हैती और सूडान के दारफुर क्षेत्र में 67 प्रमुख आपदाओं में बचाव अभियानों में नेतृत्व की भूमिका निभाई है। वह आयोवा विश्वविद्यालय में एक संकाय हैं और सीडर रैपिड्स फ्रीडम फेस्टिवल के संस्थापक हैं।

भारत में रोटरी के पोलियो युद्ध की शुरुआत चेन्नई से हुई थी, जिसमें रोटरी क्लब मद्रास ने पोलियो टीके (मौखिक खुराक) खरीदे थे और 2.5 मिलियन के 3-एच अनुदान के माध्यम से कोल्ड चेन की सुविधाएं निर्मित की थीं, इसके लिए 1985 में तत्कालीन रो इ अध्यक्ष कार्लो स कैंसेको को धन्यवाद, पीडीजी जे श्रीधर, रो ई मंडल 3232 ने याद किया। बाद में बीमारी से लड़ने के लिए ''तीन-स्तरीय दृष्टिकोण रखते हुए, क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर के डॉ जैकब जॉन के नेतृत्व में एक पोलियो टास्क फोर्स का गठन किया गया था। यह सब 1979-80 में रेड मीज़ल्स प्रोग्राम से पहले हुआ था, जिसे क्लब ने रोटरी क्लब व्हिटबी के डॉ केनेथ हॉब्स और रोटरी क्लब मद्रास के आर्किटेक्ट क्रिस चितले के नेतृत्व में कनाडाई प्रतिनिधियों की सहायता से शुरू किया था, बताया श्रीधर ने, जिहोने कार्यक्रम का समन्वय किया था। चेन्नई के रोटेरियनों ने केक काटकर टीहेन का 70वां जन्मदिन मनाया। इससे पूर्व डीजी एन नंदकुमार के नेतृत्व में रो ई मंडल 3232 के सदस्यों ने पोलियो समाप्त करने के लिए दो पायलटों के मिशन के लिए 10,000 डॉलर का दान दिया।

सीएमपीएए के लगभग 60 सदस्यों ने रोटरी क्लब चेन्नई हॉलमार्क के डीजीएन विनोद सरावगी और गणेश गोपालन के साथ त्रैमासिक बैठक में भाग लिया, जिसमें फ्लाइट टू एंड पोलियो मिशन के लिए प्रत्येक ने 1,000 डॉलर का योगदान दिया। वैश्विक उड़ान के बारे में अधिक जानकारी के लिए, *www.flighttoendpolio.com* पर लॉग ऑन करें। ■

एक झलक

टीम रोटरी न्यूज़

पटना में बना रोटरी पार्क

पॉर्क में क्लब के सदस्य और आईपीडीजी संजीव ठाकुर।

रोटरी क्लब पटना रो ई मंडल 3250 ने पटना के मेन बोरिंग कैनाल रोड पर, एक मैदान, जहाँ एक समय कचरे फेंके जाते थे, को एक हरा- भरा सार्वजनिक पार्क में तब्दील कर दिया है। इस पार्क के देखभाल का दायित्व क्लब ने लिया है। पार्क क्लब के दिवंगत अध्यक्ष मनोज कुमार की याद में बनाया गया है। ■

मदुरै क्लब ने वृद्धाश्रम का नवीनीकरण किया

एंजेल देवकी होम में आईपीडीजी आई जेराल्ड और डीजीई आर राजा गोविंदासामी, क्लब के सदस्यों के साथ।

रोटरी क्लब मदुरै स्टार, रो ई मंडल 3000 ने मदुरै के नजदीक मुक्कमपट्टी गाँव में एक वृद्धाश्रम ङ्गएन्जेल देवकी होमम का निर्माण कार्य पूरा किया। वर्तमान समय में 75 वासियों को यह सुविधा मुहैया कराई गई है। इस वृद्धाश्रम का उदघाटन आईपीडीजी आई जेराल्ड और डीजीई आर राजा गोविंदसामी ने किया। क्लब ने अपनी फाउंडेशन और जन- सहयोग के माध्यम से ₹15 लाख जुटाए। ■

मुंबई को मिला एक चलता- फिरता क्लीनिक

मेडिकल वैन के उद्घाटन के बाद टीआरएफ ट्रस्टी वाइस- चेयर भरत पांड्या और आईपीडीजी संदीप अग्रवल्ला, क्लब के सदस्यों के साथ।

रोटरी क्लब मुंबई कांदीवली वेस्ट, रो ई मंडल 3141 ने भक्ति वेदान्त अस्पताल के साथ साझेदारी में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए सभी प्रकार की आवश्यक चिकित्सा संबंधी उपकरण सहित वैन दिया। यह वैन कैंसर, हृदय और नेत्र रोगों पर केन्द्रित सालाना 225 स्क्रीनिंग शिविर आयोजित करने में मदद करेगी। क्लब ने सी एस आर और सदस्यों के योगदान से 59 लाख रूपए जुटाए। वाहन का उद्घाटन टी आर एफ ट्रस्टी वाइस-चेयर भरत पाण्ड्या और आईपीडीजी संदीप अग्रवल्ला ने किया। ■

जालना को हरा - भरा बनाना

पौधरोपण स्थल पर क्लब के सदस्यों के साथ

जालना को हरा - भरा बनाने और जैविक विविधता को बढ़ाने के लिए रोटरी क्लब जालना मिडटाऊन, रो ई मंडल 3132 'प्रोजेक्ट शांतिवन' के तहत 2.5 एकड़ भूमि पर सफलतापूर्वक 7,000 पेड़ लगाए। इस पहल का उद्देश्य स्थानीय वन- वनस्पति के विकास और संरक्षण को प्रोत्साहित करना है। ■

निदेशक मंडल 2023-24

रो ई निदेशक मंडल को उनके क्षेत्रों द्वारा नामांकित किया जाता है और दो साल के लिए चुना जाता है। नौ नए निदेशक और निर्वाचित अध्यक्ष 1 जुलाई को बोर्ड में शामिल किये गए।

गॉर्डन मेकिनली

अध्यक्ष, रोटरी क्लब साउथ क्वींसफेरी, वेस्ट लोथियन, स्कॉटलैंड

1984 में जब मेकिनली रोटरी में शामिल हुए उस वक्त वो 26 साल के थे। वे ग्रेट ब्रिटेन और आयरलैंड में रो ई अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के रूप में कार्य कर चुके है। उन्होंने रो ई निदेशक के रूप में और कई समितियों में भी में अपनी सेवाएं दी हैं, हाल ही में वो 2022 ह्यूस्टन कन्वेंशन कमेटी के सलाहकार रहे। वह और उनकी पत्नी, हेतर भी रोटेरियन हैं, दोनों पॉल हैरिस फेलो, मेजर डोनर, रोटरी फाउंडेशन के बेनेफेक्टर्स और बक्वेस्ट सोसाइटी के सदस्य हैं।

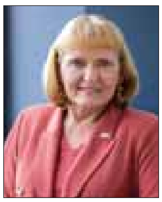

स्टेफ़नी ए अर्चिक

अध्यक्ष-निर्वाचित, रोटरी क्लब मैकमरे, पेंसिल्वेनिया, यूएसए

1991 से रोटेरियन अर्चिक ने टीआरएफ ट्रस्टी और रो ई निदेशक के रूप में कार्य किया है। वह सीओएल के तीन सत्रों में प्रतिनिधि और मेंबर-एट-लार्ज रही हैं। विभिन्न रो ई समितियों की सदस्य रह चुकी अर्चिक ने चुनाव समीक्षा समिति और रोटरी रणनीतिक योजना समिति और टीआरएफ की शताब्दी समारोह समिति की अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया है। वे मेजर डोनर हैं और टीआरएफ की बक्वेस्ट सोसाइटी की सदस्य हैं।

पैट मेरीवेदर-आर्जेस

उपाध्यक्ष, रोटरी क्लब नेपरविले, इलिनुआ, यूएसए

पैट 2002 में रोटरी में सम्मिलित हुईं। उन्होंने रोटरी की कोविड-19 टास्क फोर्स में, सीओएल और काउंसिल ऑन रेजोल्यूशन के प्रतिनिधि के रूप में और आरआरएफसी, आरआईपीआर और शिकागो में 2018 के अध्यक्षीय शांति सम्मेलन की अध्यक्ष के रूप में कार्य किया है। वह WASRAG के बोर्ड में हैं और हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स की अंतर्राष्ट्रीय फ़ेलोशिप की अध्यक्ष हैं।

पैट को टीआरएफ का मेरिटोरियस सर्विस प्रशस्ति पत्र मिला है। वह और उनके पति जॉर्ज, स्वयं भी रोटेरियन हैं, पॉल हैरिस सोसाइटी के सदस्य हैं साथ ही मेजर डोनर और बेनेफेक्टर्स भी हैं।

ड्रियू केसलर

कोषाध्यक्ष, रोटरी क्लब नॉर्थ रॉकलैंड (हैवरस्ट्रॉ) न्यूयॉर्क, यूएसए

ड्रियू 2001 में 20 साल की उम्र में रोटरी के सदस्य बने। उन्होंने 25 साल की उम्र में क्लब अध्यक्ष और 32 साल की उम्र में उन्होंने गवर्नर के रूप में कार्य किया। उन्होंने यंग पास्ट गवर्नर्स कमेटी में सीओएल और काउंसिल ऑन रेजोल्यूशन के प्रतिनिधि के रूप में और आरआईपीआर के रूप में रो ई की सेवा की है। वह मंडल 7210 के कार्यकारी बोर्ड के सदस्य हैं, एक समिति जिसकी उन्होंने मंडल का नेतृत्व करने में मदद की थी। उनकी पत्नी विकी भी रोटेरियन हैं।

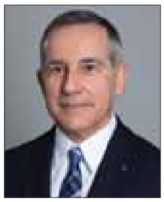

अल्बर्टो सेचिनी

निदेशक 2022-24, रोटरी क्लब रोमा नॉर्ड-एस्ट, इटली

अल्बर्टो 1988 में रोटरेक्टर रहे और 1994 में वे अपने पहले रोटरी क्लब में शामिल हुए। रो ई को उन्होंने एक समिति सदस्य, आरपीआईसी और सलाहकार, गवर्नर इलेक्ट ट्रेनिंग सेमिनार में फैसिलिटेटर के रूप में सेवाएं दी है। रोटरेक्ट - इंटरेक्ट कमेटी के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के रूप में कार्य कर चुके अल्बर्टो ने 2014 में सिडनी में रोटरेक्ट प्रीकन्वेंशन बैठक की अध्यक्षता की। अल्बर्टो को सर्विस एबव सेल्फ अवार्ड और टीआरएफ का प्रशस्ति पत्र साइटेशन फॉर मेरिटोरियस सर्विस प्रदान किया गया। वह मल्टीपल पॉल हैरिस फेलो और बेनेफेक्टर के रूप में फाउंडेशन का सहयोग करते हैं।

घिम बोक च्यू

निदेशक 2023-25, रोटरी क्लब बगिस जंक्शन, सिंगापुर

च्यू 1996 में रोटरी से जुड़े और 2013 में - डिस्ट्रिक्ट गवर्नर बने थे। उन्होंने एआरआरएफसी, आरपीआईसी, आरसी और जोन इंस्टीट्यूट कमेटी के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया है। वह 2024 में सिंगापुर में आयोजित होने वाले रो ई सम्मेलन के लिए होस्ट ऑर्गनाइजिंग कमेटी के अध्यक्ष हैं। च्यू को सर्विस एबव सेल्फ अवार्ड प्राप्त कर चुके हैं। अपनी पत्नी फीलिस सहित, वह एकएकेएस चेयर सर्कल के सदस्य हैं।

पैट्रिक डैनियल चिसांगा

निदेशक 2022-24, रोटरी क्लब नवाज़ी, ज़ाम्बिया

एक इंटरेक्टर रहने के बाद, पैट्रिक 1986 में रोटरी से जुड़े और 1988 में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर बन गए। उन्होंने सदस्यता समिति और रीच आउट टू अफ्रीका कमेटी सहित कई समितियों में रो ई को सेवाएं दी हैं और एक प्रशिक्षण नेता और रोटरी इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया है। उन्हें सर्विस एबव सेल्फ अवार्ड और टीआरएफ का प्रशस्ति पत्र साइटेशन फॉर मेरिटोरियस सर्विस प्रदान किया गया है। वह और उनकी पत्नी पेट्रोनेला दोनों मेजर डोनर हैं।

एंटोनियो हेनरिक बारबोसा डी वास्कोनसेलोस

निदेशक 2023-25, रोटरी क्लब फ़ोर्टालेज़ा, ब्राज़ील

वास्कोनसेलोस 1996 में रोटरी में सम्मिलित हुए और 38 साल की उम्र में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर बने उन्होंने रो ई के प्रशिक्षण नेता, आरसी, आरआरएफसी, सीओएल प्रतिनिधि, रोटरी जोन इंस्टीट्यूट अध्यक्ष, आरआईपीआर और 2020 में रो ई सम्मलेन की प्रमोशन कमेटी के सदस्य के रूप में कार्य किया है। उन्होंने ऐंडोमेन्ट/मेजर गिफ्ट एडवाइज़र के रूप में टीआरएफ को सहयोग दिया है। एक पॉल हैरिस फेलो, वह अपनी पत्नी रेनाटा मैसेडो के साथ बेनेफैक्टर, बक्वेस्ट सोसाइटी के सदस्य और प्रमुख दाता के रूप में टीआरएफ का सहयोग करते हैं। वास्कोनसेलोस को रो ई के सर्विस एबव सेल्फ से सम्मानित किया जा चुका है।

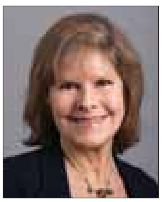

ईव कॉनवे-गाज़ी

निदेशक 2023-25, रोटरी क्लब रेडब्रिज, इंग्लैंड

कॉनवे-गाज़ी 2000 में रोटरी में शामिल हुईं। 2012 में, वह लंदन में पहली महिला डीजी बनीं। उन्होंने 2016-17 में ग्रेट ब्रिटेन और आयरलैंड में रोटरी इंटरनेशनल अध्यक्ष के रूप में कार्य किया है। वह और उनके पति, रॉबर्ट गाज़ी मेजर डोनर हैं और बक्वेस्ट सोसाइटी के सदस्य हैं।

डैनियल सी हिमेलस्पैच

निदेशक 2023-25, रोटरी क्लब डेनवर माइल हाई, कोलोराडो, यूएसए

हिमेलस्पैच 1993 में रोटरी से जुड़े और डीजी के रूप में सेवाएं देने के बाद, एंड पोलियो नाउ के समन्वयक सहित मंडल और जोन के कई नेतृत्व पदों पर कार्य किया। उन्होंने क्लब में लचीलेपन के प्रावधानों को प्रस्तावित कर अधिनियम 16-21 बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसे 2016 की सीओएल में सम्मिलित किया गया। वह और उनकी पत्नी, लेस्ली, पॉल हैरिस सोसाइटी और बक्वेस्ट सोसाइटी के सदस्य हैं और मेजर डोनर हैं। हिमेलस्पैच को उनकी सेवाओं के लिए के लिए टीआरएफ का प्रशस्ति पत्र साइटेशन फॉर मेरिटोरियस सर्विस प्रदान किया गया।

टीएन ''राजू'' सुब्रमण्यन

निदेशक 2023-25, रोटरी क्लब देवनार, भारत

1987 में सुब्रमण्यन अपने क्लब के चार्टर सदस्य के रूप में रोटरी में शामिल हुए। उन्होंने चुनाव समीक्षा समिति, संविधान और उपनियम समिति और सीओएल आयोजन समिति के सदस्य के रूप में रो ई की सेवा की है। सुब्रमण्यन ने रोटरी इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष, प्रशिक्षण नेता और समर्थन प्रशिक्षण नेता, आरआरएफसी और पीडीजी के लिए आयोजित रोटरी फैलोशिप के निदेशक के रूप में भी कार्य किया। उनकी दो सबसे चुनौतीपूर्ण रहीं रोटरी भूमिकाएँ हैं, प्रशिक्षण नेता और 2022 सीओएल के उपाध्यक्ष के रूप में काम करना, जब अध्यक्ष कोविड-19 से बीमार पड़े और उन्हें बैठक का नेतृत्व करना पड़ा था।

सुब्रमण्यन और उनकी पत्नी, विद्या, पॉल हैरिस सोसाइटी सदस्य, एकेएस सदस्य और बेनेफैक्टर हैं। वह सर्विस एबव सेल्फ अवार्ड और टीआरएफ के साइटेशन फॉर मेरिटोरियस सर्विस प्रशस्ति पत्र के प्राप्तकर्ता हैं।

हंस-हरमन कार्स्टेन

निदेशक 2023-25,

रोटरी क्लब आचेन-फ्रैंकेनबर्ग, जर्मनी

कार्स्टेन 2003 में रोटरी से जुड़े और 2016-17 में डीजी बन गए। वे रो ई के प्रशिक्षण नेता और दो बार सीओएल के प्रतिनिधि रह चुके हैं, जहाँ उन्होंने जर्मनी, स्विट्ज़रलैंड और ऑस्ट्रिया में जर्मन भाषी मंडलों के प्रशिक्षण और प्रस्तावों का संयोजन किया था। उन्होंने रोटरी क्लब की बैठकों में रोटरैक्टर्स को भाग लेने की अनुमति देने के लिए 2022 का प्रस्ताव दिया था, जिसे सफलतापूर्वक स्वीकार कर लिया गया। कार्स्टेन एक पॉल हैरिस फेलो हैं, और पत्नी नादजा पिकार्ड के साथ मेजर डोनर हैं।

जेरेमी हर्स्ट

निदेशक 2022-24,

रोटरी क्लब ग्रैंड केमैन, केमैन आइलैंड्स

1988 में रोटरी में शामिल हुए हर्स्ट रो ई सदस्यता समिति के सदस्य रह चुके हैं, इसके आलावा वो कई बार आरआईपीआर रह चुके हैं। वह और उनकी पत्नी, मिशेल, मेजर डोनर हैं और बक्वेस्ट सोसाइटी, पॉल हैरिस सोसाइटी और पोलियोप्लस सोसाइटी के सदस्य हैं और वह टीआरएफ के प्रशस्ति पत्र साइटेशन फॉर मेरिटोरियस सर्विस के प्राप्तकर्ता हैं।

मुहम्मद फ़ैज़ किदवई
निदेशक 2022-24,
रोटरी क्लब कराची करसाज़, पाकिस्तान

1980 में रोटारैक्ट बने मुहम्मद, पाकिस्तान के पहले रोटरी निदेशक हैं। वह 1987 में रोटरी में शामिल हुए और 1993 में रोटरी क्लब कराची करसाज़ के चार्टर सदस्य बने। वह आरआईएलएम के संस्थापक और अध्यक्ष हैं। उन्हें सर्विस एबव सेल्फ अवार्ड, टीआरएफ का डिस्टिंगुइश्ड सर्विस अवार्ड और साइटेशन फॉर मेरिटोरियस सर्विस प्रशस्ति पत्र मिला है। वह और उनकी पत्नी उज़्मा रोटरी फाउंडेशन के मेजर डोनर हैं।

अनिरुद्धा रॉयचौधरी
निदेशक 2023-25,
रोटरी क्लब कलकत्ता मेगा सिटी, भारत

रॉयचौधरी 1995 में एक चार्टर सदस्य के रूप में रोटरी में शामिल हुए। पांच बार आरआईपीआर रह चुके अनिरुद्धा ने रो ई को आरपीआईसी, एआरसी, एआरएफसी के रूप में सेवा दी है और टीआरएफ के तकनीकी सलाहकारों के कैडर के सदस्य हैं। वह आरआईएलएम के कार्यकारी निकाय के सदस्य के रूप में कार्यरत हैं, जो निशुल्क डिजिटल सामग्री प्रदान करता है और उनका लक्ष्य है 27 मिलियन स्कूली छात्र। वह सर्विस एबव सेल्फ अवार्ड और टीआरएफ के साइटेशन फॉर मेरिटोरियस सर्विस प्रशस्ति पत्र और डिस्टिंगुइश्ड सर्विस अवार्ड के प्राप्तकर्ता हैं। वह और उनकी पत्नी, शिप्रा, दोनों लेवल 3 के मेजर डोनर हैं और बक्वेस्ट सोसाइटी के सदस्य हैं।

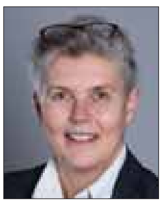

लीना जे मेजर्सकौग
निदेशक 2022-24, रोटरी क्लब एनेबक्क, नॉर्वे

लीना 1997 में अपने क्लब की पहली महिला सदस्य के रूप में जुडी और उस समय इनकी उम्र सबसे कम थी। रोटरी में एंड पोलियो नाउ ज़ोन समन्वयक, आरसी, सीओएल प्रतिनिधि और आरआईपीआर रह चुकी हैं। वह टीआरएफ की बेनेफैक्टर और मेजर डोनर हैं।

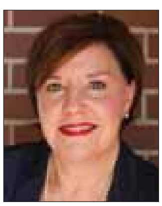

बेथ स्टब्स
निदेशक 2023-25,
रोटरी क्लब मैरीविले, यूएसए

स्टब्स 1991 में अपने होम क्लब में शामिल हुईं। उन्होंने 21 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया है, संयुक्त राष्ट्र में रोटरी दिवस के लिए न्यूयॉर्क जा चुकी हैं, भारत में भी एक एनआईडी में सेवा दे चुकी हैं, अपने क्लब की साझेदारी परियोजनाओं के लिए मैक्सिको की यात्रा करने के साथ उन्होंने अपने देश में आयोजित विभिन्न जोन बैठकों में भाग लिया है। वह और उनके पति, टोनी, एकेएस सदस्य हैं।

योशियो सातो
निदेशक 2022-24,
रोटरी क्लब ओकायामा-साउथ, जापान

1989 से रोटेरियन, योशियो ने मंडल 2690 रोटरी फाउंडेशन ऑडिट कमेटी के अध्यक्ष और रोटरी जापान सेंटेनियल एक्जीक्यूटिव कमेटी और रो ई जापान यूथ एक्सचेंज मल्टीडिस्ट्रिक्ट के सदस्य के रूप में रोटरी की सेवा की है। ज़ोन स्तर पर, उन्होंने रो ई निदेशक के लिए गठित नामांकन समिति के संयोजक और एक प्रशिक्षण नेता और आरआईपीआर के रूप में कार्य कर चुके हैं। योशियो टीआरएफ का सहयोग एकेएस सदस्य, पॉल हैरिस सोसाइटी सदस्य, बेनेफैक्टर और बक्वेस्ट सोसाइटी सदस्य के रूप में करते हैं।

येओंग हो युन
निदेशक 2023-25, रोटरी क्लब मसान दक्षिण, कोरिया

युन 1983 में रोटरी में शामिल हुए और 2013-14 में महानिदेशक बने। एंडोमेंट/मेजर गिफ्ट एडवाइजर के रूप में अपने तीन साल के कार्यकाल के दौरान उन्होंने अपने क्षेत्र में 51 अतिरिक्त एकेएस सदस्यों को शामिल करने में मदद की। इसके अलावा, उन्होंने रो ई को एआरपीआईसी और दो बार प्रशिक्षण नेता के रूप में सेवा दी हैं।

युन सर्विस एबव सेल्फ अवार्ड और टीआरएफ के डिस्टिंगुइश्ड सर्विस अवार्ड के प्राप्तकर्ता हैं। वह और उनकी पत्नी, हे सुक ली, एकेएस ट्रस्टी सर्कल के सदस्य हैं।

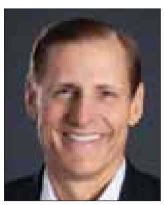

जॉन ह्यूको
महासचिव और सीईओ, रोटरी क्लब कीव, यूक्रेन

जॉन ह्यूको रो ई और टीआरएफ के महासचिव और सीईओ हैं। वह इवान्स्टन स्थित रो ई मुख्यालय और 6 अंतरराष्ट्रीय कार्यालयों में लगभग 800 विविध कर्मचारियों का नेतृत्व करते हैं। वह और उनकी पत्नी मेजर डोनर हैं।

टीआरएफ ट्रस्टी अगले अंक में

रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय डेस्क से

रो ई-लाइसेंस प्राप्त विक्रेता

रो ई ने दुनिया भर में 130 से अधिक विक्रेताओं को लाइसेंस दिया है ताकि वो रोटरी चिन्ह और लोगो के साथ माल बनाकर बेच सकें। लाइसेंस प्राप्त विक्रेताओं की कुल बिक्री का एक हिस्सा रोटरी को दिया जाता है जिससे हर जगह के क्लबों और मंडलों की परिचालन सेवाओं को लाभ मिलता है। हमारे लाइसेंस प्राप्त विक्रेताओं का उपयोग करके आप रोटरी का समर्थन कर रहे हैं और साथ ही आपको गुणवत्ता वाला सामान भी प्राप्त होता है। नकली माल रोटरी के ब्रांड या छवि को नुकसान पहुंचा सकते हैं। आप हमारे विक्रेताओं की सूची ऑनलाइन देख सकते हैं। लाइसेंस प्राप्त न करने वाले विक्रेताओं के बारे में *रो ई लाइसेंसिंग* को सूचित किया जा सकता है। आपके लिए भारत के लाइसेंस प्राप्त विक्रेताओं का विवरण नीचे दिया गया है:

अधिक जानकारी के लिए rilicensingservices@rotary.org या 847-866-4463 पर रो ई लाइसेंसिंग टीम से संपर्क करें। आप राजेश आनंद, कानूनी और प्रबंधन कार्य प्रबंधक से भी rajesh.anand@rotary.org या 011-42250144 पर संपर्क कर सकते हैं।

Licenced vendors	Address	E-mail ID & website
Better Services	350, A to Z Industrial Estate, G K Marg, Lower Parel (West), Mumbai 400013	better@betterservices.org *www.better.in*
Mohan Plastics Limited	63, Roshanara Plaza Complex, Roshanara Road, New Delhi 110007	mohanplastic@yahoo.com/ info@mohanindustries.org *www.mohanindustries.org*
Tej Brothers	4806/24, Bharat Ram Road, Darya Ganj, New Delhi 110002	tejbrothers@gmail.com *www.tejbrothers.com*
Sacheti & Company	Shivaji Nagar, Opposite Jain Temple, Kishangarh 305801, Rajasthan	sacheti_co@usa.net *www.sacheti.org*
Naveen Enterprises	11, Naveen Mansion, 1st Main Road, 4th 'T' Block, Jaya Nagar, Bangalore- 560041	naveen@naveenenterprises.net *www.naveenenterprises.in*
BK AD Gifts	130 C, Kottur Road, Palayamkottai, Tirunelveli, Tamil Nadu 627002	netparkkannan@gmail.com

रोटरी संस्थान (भारत) से योगदान के लिए अनिवार्य आवश्यकताएं

- *योगदान फॉर्म/कवरिंग नोट* जिसमें चेक/डीडी के माध्यम से किए गए योगदान के लिए दानकर्ता का सम्पूर्ण विवरण (नाम, सदस्यता आईडी, निधि निर्देश और पैन नंबर) का उल्लेख हो।
- चाहे राशि कुछ भी हो सभी योगदानों के लिए *पैन नंबर* अनिवार्य है।
- *कॉर्पोरेट पत्र* यदि योगदान दाता के स्वयं/परिवार-नियंत्रित व्यवसाय/न्यास के खाते से किया गया है।

Rotary.org के माध्यम से रोटरी संस्थान (भारत) योगदान के लिए दिशा-निर्देश

- डुप्लिकेट आईडी जनरेशन से बचने के लिए *My Rotary* के माध्यम से लॉगिन करें और अपने क्लब के अंतर्गत अपने योगदान को सामयिक जमा कराएं।
- *My Rotary* लॉगिन न होने पर अपना लॉगिन बना लें और ऑनलाइन योगदान करते समय अपने पंजीकृत ईमेल पते का उपयोग करें।
- पारिवारिक न्यास/कंपनी से योगदान के मामले में रो ई दक्षिण एशिया कार्यालय को चेक/बैंक ड्राफ्ट भेजें। *My Rotary* के माध्यम से इन योगदानों को करने से बचें।
- अपनी 80-जी रसीद पर सही पैन नंबर सुनिश्चित करने के लिए सबमिट पर क्लिक करने से पहले अपने पैन की दोबारा जांच कर लें।

लर्निंग सेंटर कोर्सेस

रोटेरियनों और नेताओं के रूप में आपके पास रोटरी के ऑनलाइन Learning Center तक पहुंच है जो आपकी नेतृत्व की भूमिका में आपकी सहायता करने हेतु अनेक पाठ्यक्रम प्रदान करता है। दाताओं की पहचान करने की युक्तियों के लिए Learning Center में Fundraising Basics पर जाएं और ब्रोशर विचारों, संदर्भ गाइड, पीपीटी और धन संचयन उपकरण की खोज करने के लिए Foundation Giving learning topic पर जाएं। अधिक जानकारी के लिए Course Catalog देखें। ■

प्लास्टिक को ना कहें

प्रीति मेहरा

कुछ व्यवहारिक सुझाव जो प्लास्टिक पर आपकी निर्भरता कम करने में मददगार हो सकती है

पर्यावरण कार्यकर्ताओं और सरकारों के तमाम प्रतिबंधों और ध्येयपूर्ण अभियानों के बावजूद प्लास्टिक अभी भी सर्वव्यापी है। साधारण सब्जी विक्रेताओं से लेकर बड़े - बड़े दुकानों, भोजनालयों और एअरलाइनों तक प्लास्टिक कैरी बैग, डिस्पोजेबल कटलरी, बोतलें, कॉफी-कप के ढक्कन और रैपर के रूप में हर जगह देखने को मिलता है। वास्तव में, अनुमान है कि हम अपने दैनिक जीवन में जितना प्लास्टिक का उपयोग करते हैं उसका 90 प्रतिशत हिस्सा फेंक दिया जाता है और यह गड्ढों में या हमारी नदियों में जमा हो जाता है और हमारे महासागरों को प्रदूषित करता है।

एक नागरिक के रूप में हम निश्चित रूप से प्रकृति पर प्लास्टिक के बोझ को कम करने में अपना योगदान दे सकते हैं। मैं प्लास्टिक शॉपिंग बैग से शुरुआत करता हूँ। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के अनुसार विश्व में प्रति मिनट लगभग दस लाख प्लास्टिक बैग की खपत होती है। यह एक चौंकाने वाला आंकड़ा है। जब आप सोचते हैं कि पॉलीथीन शॉपिंग बैग को सिर्फ 1965 में स्वीडिश कंपनी सेलोप्लास्ट ने पेटेंट दिया था, इसका मतलब यह है कि 58 वर्षों में यह एक विशेष चीज न होकर एक विकराल समस्या बन गई है जिसे दुनिया अभी भी हल करने की कोशिश कर रही है।

हम खरीददारी करते समय प्लास्टिक बैग को नकारते हुए प्लास्टिक मुक्त दुनिया के लिए अपने प्रयासों की शुरुआत कर सकते हैं। स्थानीय बाजार से किराने का सामान खरीदने के लिए परिवार के सदस्यों द्वारा इस्तेमाल किए गए कपड़े के पर्याप्त थैले बनाकर रखे जा सकते हैं। किसी मौके पर इस्तेमाल करने के लिए एक या दो बैग पारिवारिक कार में भी रखे जा सकते हैं। यदि आप थोड़ा ज्यादा भुगतान करते हैं तो आजकल कई मॉल कपड़े या जूट के बैग दिया करते हैं। हरे रंग का ही विकल्प चुनें।

बात सिर्फ शॉपिंग बैग की ही नहीं है। इस बारे में सोचें कि आप दिन भर में कितनी बार प्लास्टिक को किसी विकल्प से बदल सकते हैं। कैफे में ले जाया गया एक कॉफी मग आपको प्लास्टिक की टोपी वाले डिस्पोजेबल कप से कॉफी पीने से बचाता है। जब आप घर पर खाना मंगाते हैं या टेक- अवे से लेते हैं तो आप खाने के साथ प्लास्टिक कटलरी देने के लिए मना कर सकते हैं। इस तरह के हस्तक्षेप, चाहे

वे कितने भी छोटे या महत्वहीन क्यों न लगे, आपको प्लास्टिक पर निर्भर होने से बचाता है।

बोतलबंद पानी, जो भिन्न- भिन्न आकारों के प्लास्टिक कंटेनरों में आते हैं, यह एक ऐसी चीज है जिससे हममें से अधिकांश लोगों को बचना मुश्किल हो सकता है। नगर निगम के पानी की गुणवत्ता में भरोसे की कमी के कारण ऐसा होता है, खासकर यात्रा के दौरान। वास्तव में सुरक्षित सार्वजनिक पानी की कमी इतनी है कि बोतलबंद पानी भारत में एक विशाल और बढ़ता हुआ उद्योग बन गया है, जिसके बाजार का आकार 2022 में 22.72 बिलियन डॉलर है और 2030 तक इसके 32.61 बिलियन डॉलर तक पहुँचने की उम्मीद है, जबकि प्रमुख ब्रांडों का कहना है कि वे पुनर्चक्रण विकल्पों को अपना रहे हैं। हम एकल उपयोग प्लास्टिक की बोतलें और यहाँ तक कि पुनर्चक्रण योग्य पीईटी बोतलों को कैपिंग स्थलों और लोकप्रिय पर्यटन स्थलों पर बेतरतीब ढंग से फेंके हुए देख सकते हैं।

एक हरित कारवाई जो आप कर सकते हैं वह यह है कि पुनर्चक्रण योग्य बोतलों और पैकेजिंग को बिलकुल त्यागने के बजाए उन्हें एकत्र करें और पंजीकृत पुनर्चक्रण कर्ताओं को दें, जिहोने महानगरों में दुकानें खोल रखी हैं। अगला सबसे अच्छा विकल्प उन्हें ऐसे कबाड़ीवाले को दें जिसका पुनर्चक्रण करने वालों के साथ संपर्क है। यह ध्यान देने योग्य है कि प्लास्टिक कचरा, क्योंकि यह जैविक रूप से नष्ट नहीं होता है, मिट्टी में 1000 से अधिक वर्षों तक बना रहता है।

क्योंकि प्लास्टिक सस्ता और आसानी से उपलब्ध होता है इसलिए यह एक लोकप्रिय पैकेजिंग सामाग्री है। आपके द्वारा खरीदे जाने वाले अधिकांश खाद्य पदार्थ प्लास्टिक के कंटेनरों और पैकेटों में आते हैं। यह सुनिश्चित करें कि वह पुनर्चक्रण के योग्य सामग्री से बना है या नहीं। यदि हाँ तो उसे पुनर्चक्रण के लिए देना न भूलें। उसे कचरे की ढेरी में छोड़ना उचित नहीं होगा, जहां से संभवत: वह शहर के बाहर गड्ढे में पहुँच जाएगा। इसके अलावा जब भी संभव हो गैर- प्लास्टिक या जैविक घटक वाली पैकेजिंग का विकल्प चुनें, भले ही वे थोड़े महंगे हों।

हममें से कुछ लोगों को वह थैली क्रांति याद होगी जिसने 1980 के दशक की शुरुआत में देश को अपनी चपेट में ले लिया था। छोटे प्लास्टिक सैशे में उचित मूल्य वाले सौंदर्य प्रसाधन और स्वास्थ्य उत्पादों को बेचकर ग्रामीणों को चंगुल में फंसाया जाता था। तमिलनाडु के एक छोटे से शहर कुड्डालोर में शुरू हुई बाजारीकरण क्रांति जल्दी ही एफएमसीजी निर्माताओं को आकर्षित कर ली। आज शैम्पू, टूथपेस्ट, टेल्कम पाउडर और टमाटर सॉस और पानी सहित कई अन्य उत्पाद सैशे में उपलब्ध हैं।

लेकिन अब यह पता चला है कि इस बाजारीकरण क्रांति का पर्यावरण पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ा क्योंकि इसके परिणाम स्वरूप देश भर में प्लास्टिक शैसे का प्रसार हुआ। ग्रामीण भारत में प्लास्टिक से नालों और नदियों में रुकावट आती है, जिसमें पानी की बोतलें, पानी के शैसे और एकल इस्तेमाल होने वाले कॉस्मेटिक शैसे शामिल हैं। प्रतिबद्ध पर्यावरण कार्यकर्ता आपको सलाह देंगे कि शैसे वाले उत्पादों का उपयोग करने से बचें, भले ही यह शौचालय किट के रूप में होटलों में मुफ्त में दिये जाएँ, तब भी इसका इस्तेमाल न करें। दरअसल आज के समय में बुद्धिमानी यह है कि छोटे पैकेटों में सामान खरीदने के बजाए आप बड़े कंटेनर में थोक में सामान खरीदें, जो अधिक समय तक चलते हैं।

हालाँकि प्लास्टिक से बचना शुरू में मुश्किल लग सकता है लेकिन कोई भी इस आदत को अपना सकता है और इसके बारे में अच्छी बातें भी फैला सकता है। आप अपने घर से इसकी शुरुआत कर सकते हैं। याद रखें केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय के अनुसार भारत में सालाना 3.5 मिलियन टन प्लास्टिक के कचरे निकलते हैं और इसमें से अधिकांश न तो परिष्कृत किए जाते हैं और न ही इनका पुनर्चक्रण होता है। इससे हवा और पानी दूषित होते हैं और पर्यावरण का ह्रास होता है।

अब समय आ गया है कि हम अपनी पृथ्वी को बचाने में अपना योगदान दें।

लेखिका एक वरिष्ठ पत्रकार हैं, जो पर्यावरण के मुद्दों पर लिखती हैं।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

आपके गवर्नर्स

मेहुल राठौड़
वकील, रोटरी क्लब अहमदाबाद मेट्रो
रो ई मंडल 3055

स्वाति हर्कल
इन्फोटेक सलाहकार, रोटरी क्लब वाई, रो ई मंडल 3132

जल परियोजनाएं, उनकी प्राथमिकता

रोटरी की विविधता ने मेहुल राठौड़ को इस सेवा संगठन की ओर आकर्षित किया। ''मैंने अपने दिवंगत पिता एच वी राठौड़ को रोटरी क्लब डीसा के संस्थापक-अध्यक्ष के रूप में समुदायों तक पहुंचते देखा है। एक बच्चे के रूप में, मैं उनकी कार्यसेवा से प्रभावित था। मेरे भाई पीडीजी शशांक राठौड़ मेरी प्रेरणा हैं,'' डीजी राठौड़ कहते है।

वह 10 नए क्लब शुरू करना चाहते हैं और 450 नए रोटेरियन जोड़ना चाहते हैं। उनका ध्यान जल-संबंधी परियोजनाओं पर है। *प्रोजेक्ट जल साक्षरता* स्कूलों और संस्थानों तक पहुंचेगी और विभिन्न साझेदारियों के माध्यम से हम कम से कम ₹1.5 करोड़ की जल संबंधी परियोजनाएं करेंगे।

अस्पतालों को चिकित्सा उपकरण दान किए जाएंगे और राजस्थान के एक रोटरी ब्लड बैंक को अपग्रेड किया जाएगा। 20 स्कूलों और 20 वृद्धाश्रमों का नवीनीकरण किया जाएगा। ''मैं प्रत्येक रोटेरियन से 26.5 डॉलर एकत्रित करना चाहता हूँ - वार्षिक कोष में 300,000 डॉलर का योगदान देने के लिए 1917 में इस राशि के साथ पहली अक्षय निधि शुरू की गई थी; और टीआरएफ का लक्ष्य 800,000 डॉलर का है।'' उनकी पत्नी भावना रोटरी गतिविधियों की बहुत बड़ी अनुयायी हैं और उनके बेटे अभिजीत एक रोटरेक्टर है। राठौड़ भी एक रोटरेक्टर रहे है।

100 'परिवर्तित' गांवों की योजना

स्वाति हर्कल कहती हैं, ''लोगों के जीवन को परिवर्तित करने हेतु रोटेरियनों के अथक प्रयासों को देखते हुए मैं 1999 में रोटरी से जुड़ी।'' उनकी शीर्ष प्राथमिकता उन 100 गांवों को परिवर्तित करना है जिन्हें क्लबों ने अपनी RCCयों द्वारा सामुदायिक परियोजनाएं करने हेतु पहले ही गोद ले लिया है।

प्रोजेक्ट परिवर्तन का उद्देश्य एक 10-सूत्रीय एजेंडे के माध्यम से गांवों का समावेशी विकास करना है - *दृष्टि, सृष्टि, स्वच्छ* (स्कूलों में WASH), *आस्था* (मासिक धर्म स्वच्छता), *सक्षम, स्वयं, भूमि, जल धारा* (नदी के किनारे वृक्षारोपण), *विद्या* और *आई* (मां)।

उनकी पसंदीदा पहलों में से एक मृदा पुनर्जनन तकनीक (एसआरटी) है, जो सतारा जिले के तीन गांवों में की गई एक प्रायोगिक परियोजना है, जिसके अंतर्गत सभी 70 किसान मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार के साथ अच्छी फसल की रिपोर्ट दे रहे हैं। अब एसआरटी को 1,000 से अधिक किसानों तक ले जाया जाएगा।

गैर सरकारी संगठनों की मदद से लगभग एक लाख पौधे लगाए जाएंगे। इस वर्ष रोटरी क्लब 10 सर्जिकल शिविर आयोजित करेंगे। मेरा लक्ष्य 100 से अधिक हैप्पी स्कूल करना है। प्रोजेक्ट *ई-टीचर* के तहत 1,000 से अधिक ग्रामीण स्कूलों में डिजिटल कक्षाएं स्थापित करके उन्हें डिजिटल स्कूलों में परिवर्तित किया जाएगा, वह समझाती है। उनका टीआरएफ लक्ष्य 500,000 डॉलर का है।

से मिलिए

वी मुत्तुकुमारन

पी भरणीधरन

बिल्डर, रोटरी क्लब कांचीपुरम टेम्पल सिटी
रो ई मंडल 3231

साक्षरता, स्वास्थ्य और पर्यावरण पर ध्यान

मंडल के क्लबों ने 1 जुलाई को एक घंटे में 245 गांवों में एक लाख पौधे लगाकर वर्ल्ड रिकॉर्ड्स यूनियन में प्रवेश किया। हम इस साल ₹1 करोड़ की विविध परियोजनाएं शुरू करेंगे, भरणीधरन कहते हैं।

चेन्नई-बेंगलुरु राजमार्ग पर ₹40 लाख की लागत से सात पॉल हैरिस सामुदायिक शौचालय स्थापित किए जाएंगे। कांचीपुरम में 70,000 डॉलर के वैश्विक अनुदान के माध्यम से सात मशीनों वाला एक रोटरी डायलिसिस सेंटर स्थापित किया जाएगा।

1,000 से अधिक सरकारी स्कूलों में एक ई-लर्निंग ऐप पेश की जाएगी। रोटरी इंडिया ह्यूमैनिटी फाउंडेशन के साथ संयुक्त रूप से 300 व्हीलचेयर वितरित की जाएंगी। वह 1,000 नए सदस्यों और 10 नए क्लबों को जोड़ना चाहते है; टीआरएफ को देने के लिए उनका लक्ष्य 200,000 डॉलर का है। जब 2001 में उनके बेटे जिष्णु का जन्म हुआ, ''वह अधिक वजनी (4.5 किलो) होने के कारण सांस नहीं ले पा रहा था और न ही रो पा रहा था। उस नवजात को सीएमसी, वेल्लोर के आईसीयू में स्थानांतरित किया गया।'' उनके रोटरी दोस्तों ने तुरंत रक्त प्रदान करके मेरे बेटे को बचाया। रोटेरियनों के निस्वार्थ भाव से विस्मित होकर वह 2001 में एक चार्टर सदस्य के रूप में अपने क्लब से जुड़े।

जी सेंगुट्टूवन

विनिर्माण, रोटरी क्लब तंजावुर मिड टाउन, रो ई मंडल 2981

रोटरी ने उनकी जान बचाई

2009 में, डीजी सेंगुट्टूवन को तंजावुर के केडीआर अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जो एक रोटेरियन द्वारा संचालित था क्योंकि तीव्र संक्रमण के कारण उनकी दोनों किडनियाँ खराब हो गई थी। उनकी अनुशंसा के आधार पर, मुझे चेन्नई के पास स्थित श्री रामचंद्र अस्पताल ले जाया गया और मैं पूरी तरह से ठीक हो गया। 2020 में फिर से वह 400 प्रवासी परिवारों को भोजन की आपूर्ति करवाते हुए कोविड से संक्रमित हो गए और एक महीने तक आईसीयू में रहे। ''रोटेरियनों ने मुझे आत्मविश्वास और उम्मीद दी,'' वह कहते हैं।

उनकी 40 एनालॉग क्लॉक टॉवर (₹25 लाख) स्थापित करने और दोपहिया सवारों को रोटरी लोगो वाले 3,000 हेलमेट वितरित करने की योजना है। तीन डायलिसिस केंद्र (वैश्विक अनुदान: ₹27 लाख प्रत्येक) और दो नवजात वार्ड (वैश्विक अनुदान: ₹28 लाख प्रत्येक) स्थापित किए जाएंगे। सरकारी स्कूलों में क्लब के योगदानों और मंडल निधि की मदद से पांच शौचालय खंड (वैश्विक अनुदान: ₹40 लाख) और हाथों की धुलाई के 100 स्टेशन (₹25 लाख) का निर्माण किया जाएगा। मैंग्रोव के एक लाख पौधे लगाए जाएंगे। तंजावुर के प्रसिद्ध बृहदेश्वर मंदिर के पास एक विशाल स्वच्छता खंड (सीएसआर: ₹40 लाख) बनाया जाएगा। टीआरएफ को देने के लिए उनका लक्ष्य 1 मिलियन डॉलर का है। मैं 2006 में फैलोशिप का आनंद लेने के लिए रोटरी से जुड़ा था, वह आगे कहते हैं।

एन कृष्णमूर्ति द्वारा रूपरेखा

संगीत और माधुर्य

सुशीला, दक्षिण की कोकिला

एस आर मधु

"उनकी आवाज में जादू है, मंत्रमुग्ध कर देती है।" स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर ने 1969 में पी सुशीला के बारे में कहा था, अवसर था : सर्वश्रेष्ठ महिला पार्श्वगायिका का पहला राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने पर पी सुशीला को सम्मानित करने के उपलक्ष्य में, एवीएम के प्रमुख सरवना चेट्टियार द्वारा मद्रास में आयोजित एक कार्यक्रम। (गीत: फिल्म *उर्यन्द मनिदन* में पाल *पोलावे।)* एवीएम की ओर से लता ने सुशीला को एक लघु वीणा भेंट की और बाद में उनके घर भी गईं।

लता अपने साथ तमिल गीतों का एक संग्रह बंबई ले गईं और इसकी रचनाओं और गीतों की जम कर प्रशंसा की, विशेषकर *पासमलर* और *पाव मन्निप्पु* की।

जब सुशीला लता से मिलने बंबई आईं, तो उनका स्वागत पूरी गर्मजोशी और प्रेम के साथ किया गया, लता बोली: "वास्तव में मंगेशकर बहनें पांच हैं जिनमें से एक दक्षिण में रहती है।" आशा भोसले ने सुशीला को *दीदी* कहना शुरू कर दिया। उन्होंने अवसर पर चेन्नई में आयोजित कार्यक्रम में सुशीला के तीन गीत भी गाए थे।

अगर बॉलीवुड संगीत की सबसे महान शख्सियत लता थीं, तो सुशीला दक्षिण की नंबर 1 महिला पार्श्व गायिका, जिन्होंने 1952 में शुरू हुए 60 साल के अपने शानदार संगीत करियर का आनंद लेते हुए इसमें 11 भाषाओं में गीत गाये। उनका चरम काल था 1960 और 1970 का दशक, तब शायद ही कोई ऐसी फिल्म होती थी जिसमें वह न हों। उन्होंने पांच बार सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायिका का राष्ट्रीय पुरस्कार जीता - 1969, 1971, 1977, 1982 और 1983 में (दो बार तमिल गीतों के लिए और तेलुगु के लिए तीन बार) - और राज्य सरकार

पी सुशीला

और लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कारों से उन्हें कई बार नवाज़ा गया। उन्हें 2008 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया।

1970 में, सुशीला और टीएमएस (टी एम सुंदरराजन) को तमिलनाडु राज्य का आधिकारिक गीत *नीरारुम कडलुदुत्त* रिकॉर्ड करने के लिए कहा गया था। तब से इसे सभी आधिकारिक समारोहों में बजाया जाता रहा है।

2016 में, 80 वर्ष की उम्र में, सुशीला ने 1960 से तमिल और तेलुगु सहित भारत की 12 भाषाओं में 17,695 एकल, युगल और कोरस-समर्थित नंबर गाने के साथ गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में प्रवेश किया। यह सम्मान उनके प्रशंसकों के प्रयासों द्वारा संभव हो पाया जिन्होंने इसके लिए आवश्यक दस्तावेजों और प्रमाण पत्रों की व्यवस्था की थी। (गिनीज किसी गाने को तभी मान्यता देता है जब कि उसके कम से कम 100,000 रिकॉर्ड बिके हों और वो रिकॉर्डिंग कंपनियों द्वारा प्रमाणित हो।)

सुशीला के संपूर्ण संगीतमय संग्रह में 40,000 से अधिक गाने हैं। आईटी विशेषज्ञ और संगीत समीक्षक श्रीराम लक्ष्मण, जो सुशीला के मित्रों और स्वयंसेवी सहायकों के अंतरंग समूह से संबंध रखते हैं, उनका कहना है, ''उनके सबसे बड़े प्रशंसक ने भी उनके 35 प्रतिशत से अधिक गाने नहीं सुने होंगे।''

एल आर ईश्वरी और वाणी जयराम के साथ जिन्हें 2013 में पी सुशीला पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

उनके गीत तमिल सिनेमा की कुछ सबसे यादगार फिल्मो और दृश्यों की याद दिलाते हैं, जिन पर यह लेख केंद्रित है।

''अगर मैं किसी गायिका की पूजा करता हूं, तो वो है सुशीला,'' ए आर रहमान ने कहा, जिन्होंने अपनी के एम म्यूज़िक कंज़र्वेटरी के एक डिविशन का उद्घाटन करने के लिए उन्हें आमंत्रित किया था। तमिल कवि और गीतकार एस वैरामुत्तु का कहना है

2016 में, 80 वर्ष की उम्र में, सुशीला ने 1960 से तमिल और तेलुगु सहित भारत की 12 भाषाओं में 17,695 एकल, युगल और कोरस-समर्थित नंबर गाने के साथ गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में प्रवेश किया।

ए आर रहमान के साथ।

कि अगर मरने से पहले उनसे आखिरी इच्छा पूछी जाए तो वह दरवाजे बंद करके एकांत में सुशीला का गाना सुनना चाहेंगे।

उन्होंने कहा कि चार कारक उन्हें एक महान गायिका बनाते हैं। ''उनकी समझने की शक्ति,'' (संगीतकार क्या चाहता है, उस स्थिति की मांग क्या है और एक कलाकार क्या दर्शाना चाहता है (एक ऐसी आवाज़ जो मधुर है और अद्वितीय है; स्पष्ट और दोषरहित उच्चारण उनकी मातृभाषा तेलुगु होने के बावजूद, उनकी अभिव्यक्ति और अपनी आवाज़ में ढाल कर व्यक्त करने की क्षमता)। यह किसी भी मनोभाव या अहसास को अपनी आवाज़ में उतार सकती है - वह

''अगर मैं किसी गायिका की पूजा करता हूं, तो वो है सुशीला,'' ए आर रहमान ने कहा, जिन्होंने अपनी के एम म्यूज़िक कंज़र्वेटरी के एक डिविशन का उद्घाटन करने के लिए उन्हें आमंत्रित किया था।

प्रेम.आनंद, उल्लास, दुःख, उदासी, भक्ति, उत्साह, शांति, आत्मनिरीक्षण, पारिवारिक स्नेह चाहे कुछ भी हो।

वैरामुत्तु बताते हैं कि जब उन्होंने *पुदिय मुगम* (1993) के लिए *कण्णुक्कु मई अळगे* गीत लिखे, तो एआर रहमान से कहा कि केवल सुशीला से ये गीत गवाइयेगा। क्यों, रहमान ने पूछा। ''गाने में अळगे शब्द कई बार आता है और केवल सुशीला ही इसका सही उच्चारण कर सकती है।'' रहमान ने सहमति दे दी।

पूर्व मुख्य मंत्री जयललिता के लिए सुशीला ने पांच भाषाओं की 100 फिल्मों में 300 से अधिक गाने गाए हैं। 2004 में, अन्ना पुरस्कार प्राप्त करने के लिए जब वह मंच पर पहुंचीं, तो जयललिता उठीं, उन्हें बाँहों में भर के चूम लिया। मुख्यमंत्री के रूप में जयललिता के तीनों शपथ ग्रहण समारोहों में सुशीला को आमंत्रित किया गया था।

सुशीला के कुछ बेहतरीन गीत

- *बृंदावनमुम नंदकुमारनुम* -1955। (*मिस्सिअम्मा* में एएम राजहंद पी सुशीला। संगीतकार: एस राजेश्वर राव।) एक मधुर रोमांटिक युगल जिसने तब श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। एएम राजा की मखमली आवाज (अक्सर तलत से तुलना की जाती है) जादू पैदा करने के लिए सुशीला के मधुर आकर्षण से मेल खाती है।
- *विन्नोडुम मुगिलोडुम* - 1957 (*पुदैयल* में सी एस जयरामन के साथ। संगीतकार: विश्वनाथन-राममूर्ति।) महान संगीत जोड़ी द्वारा एक सम्मोहक प्रस्तुति, जब शिवाजी-पद्मिनी की

ऊपर से दक्षिणावर्त:

- *बॉलीवुड गायक मोहम्मद रफी (बीच में) के साथ पी सुशीला।*
- *लता मंगेशकर के साथ।*
- *पी बी श्रीनिवास के साथ।*
- *पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के साथ।*
- *लता और उषा मंगेशकर के साथ।*
- *गीतकार कन्नदासन के साथ सुशीला।*
- *तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जे जयललिता ने सुशीला को सम्मानित किया।*
- *संगीतकार नौशाद के साथ।*

जोड़ी चेन्नई में इलियट के समुद्र तट पर रोमांस करती है।

- *एन्नइ पोल पेन्नल्लवो*/ 1957 (*वनंगामुडी*/ संगीतकार: जी रामनाथन।) ''क्या आप मेरी तरह महिला नहीं हैं?'' सुशीला की आवाज़ में सावित्री मंदिर में एक देवता से प्रार्थना करती है। यदि उसकी आवाज़ देवता को नहीं पिघला सकी, तो कोई और भी नहीं पिघला सकता था।
- *अमुदाई पोळियुम निलवे* - 1957। (*तंगमलाई रगसियम*/ संगीतकार: टी जी लिंगप्पा।)
- *मुल्लै मलर मेले* - 1958। (*उत्तमा पुत्तिरन* में टीएमएस के साथ। संगीतकार: जी रामनाथन।) एक सुंदर संगीतमय प्रस्तुति जो शिवाजी और पद्मिनी पर फिल्माया गया है।
- *उन्नै कण्डु नानाड* -1959। (*कल्याणा परिसु*/ संगीतकार: ए एम राजा।) यहां दिवाली की फुलझड़ियाँ स्क्रीन को रोशन करती हैं, उसी तरह सुशीला की खनक भी भी। जेमिनी गणेश-सरोजा देवी का यह गाना हर दिवाली टीवी स्पेशल कार्यक्रम में जरूरी है।
- *कादलिले तोल्वियुट्राल*/ - 1959 (*कल्याणा परिसु*/ संगीतकार: ए एम राजा।) प्यार में असफल होने की पीड़ा की मार्मिक अभिव्यक्ति। इस फिल्म में संगीतकार के रूप में गायक राजा की शुरुआत चमत्कारिक रूप से सफल रही।
- *अत्तान एन्नात्तान* - 1961 (*पाव मन्निप्पु*/ संगीतकार: एम एस विश्वनाथन।)
- *मालैय पोळुदिन मयक्कत्तिले* 1961 (*भाग्यलक्ष्मी*/ संगीतकार: विश्वनाथन

2004 में, अन्ना पुरस्कार प्राप्त करने के लिए जब वह मंच पर पहुंचीं, तो जयललिता उठीं, उन्हें बाँहों में भर के चूम लिया।

राममूर्ति)। गाने की पहली पंक्ति शाम के चढ़ते सुरूर के बारे में है। लेकिन यहां सुशीला की आवाज़ और विश्वनाथन-राममूर्ति की प्रतिभा दर्शकों को मदहोश कर देती है।

- *राजाविन पार्वें रानियिन पक्कम,* 1966 (*अन्बे वा* टीएमएस के साथ। एम एस विश्वनाथन)। एमजीआर और सरोजा देवी रथ पर सवार हैं, नन्हे फरिश्ते फूलों की वर्षा कर रहे हैं। गाना और फिल्म दोनों सुपरहिट रहे।
- *मन्नावन वंदानड़ी* - 1967। (*तिरुवरुट्सेल्वर।* संगीतकार: के वी महादेवन।) यह शानदार गीत, जिसमें पद्मिनी 20 फीट ऊंची नटराज प्रतिमा के सामने शाही दरबार में नृत्य कर रही है, संगीत, नृत्य, नृत्यकला और निर्देशन का अद्भुत संगम है।

लता अपने साथ तमिल गीतों का एक संग्रह बंबई ले गईं और इसकी रचनाओं और गीतों की जम कर प्रशंसा की।

बाएं से: एस पी बालासुब्रमण्यम, एस पी शैलजा, सुशीला और एस जानकी।

- *नलमदाना* - 1968 (*तिल्लाना मोगनाम्बाल।* संगीतकार: के वी महादेवन)। यह महान फिल्म, संगीत-नृत्य-रोमांस का महाकाव्य है। गाने में मेलोडी, नृत्य, ड्रामा और तेज़ गति एक्शन है।

करियर का उद्भव

सुशीला का जन्म विजयनगरम में एक संगीत प्रेमी परिवार में हुआ था। उनके पिता वकील थे और एक वीणा वादक भी थे। उन्होंने सुशीला को कर्नाटक संगीत में चरणबद्ध प्रशिक्षण दिलवाया संगीतकारों और आलोचकों को अक्सर वे घर पर आमंत्रित कर उनसे गाने के लिए कहा करते थे। अपनी बेटी को दूसरी एम एस सुब्बुलक्ष्मी बनाने का सपना था। लेकिन सुशीला का झुकाव फिल्म संगीत की ओर था, उन्होंने स्कूल कई प्रतियोगिताओं में भाग लिया, घर की अलमारियाँ में पुरस्कारों के ढेर लगा दिए। उन्होंने विजयनगरम के महाराजा म्यूज़िक कॉलेज से संगीत में डिप्लोमा प्राप्त किया।

एम एस विश्वनाथन और टी एम सौंदरराजन (दाएं) के साथ।

ऑल इंडिया रेडियो पर बच्चों के रेडियो कार्यक्रम *पप्पा मलर* में सुशीला ने पहली बार सार्वजनिक प्रस्तुति दी थी। 1951 में, निर्माता पी नागेश्वर राव ने आकाशवाणी से बच्चों की फिल्म के लिए एक महिला गायक सुझाने के लिए कहा। आकाशवाणी द्वारा प्रस्तावित पाँच लड़कियों में से एक सुशीला भी थी। ऑडिशन में, उन्होंने फिल्म *बैजू बावरा* से लता का भावुक गीत *मोहे भूल गए सांवरिया* गाया था। निर्माता नौशाद के प्रशंसक थे और गाना सुन कर वो रो पड़े। उन्होंने सुशीला को उनकी पहली फिल्म असाइनमेंट - *पेट्रा ताई* में ए एम राजा के साथ एक युगल गीत थमा दिया।

एवीएम प्रोडक्शंस के आमंत्रण पर वो उनके नियमित स्टाफ में पार्श्व गायिका के रूप में शामिल हो गई और तीन साल तक उनके साथ रहीं। एवी मयप्पन ने उन्हें तमिल में विशेष प्रशिक्षण दिलवाया जो एक ईश्वर की देन थी और इससे उन्हें अपने करियर को संवारने में बहुत मदद मिली।

उनके परिवर्तन का साल 1955 था, जैसे लता के लिए 1949। इस साल *कनवने*

कनकन्डा दैवम और *मिस्सिअम्मा* फ़िल्में रिलीज़ हुईं; दोनों जबरदस्त हिट गईं और इन फिल्मों के गानों से उन्हें जबरदस्त शोहरत हासिल हुई।

और पार्श्वगायन की दुनिया में जब उनका पदार्पण हुआ तो वहां पी लीला, जिक्की, एमएल वसंत कुमारी और जमुना रानी जैसी गायिकाओं की भीड़ थी। लेकिन सुशीला बहुत तेजी से चढ़ती चली गई। शिवाजी-पद्मिनी अभिनीत *पुदैयल, मल्लिका* और *उत्तमा पुत्तिरन* में रोमांटिक से लेकर खुशमिजाज और उदासी भरे कई चार्टबस्टर शामिल थे। उदाहरण: *तंगा मोहना थमराए (पुदैयल), नीला वन्ना कन्नने (मल्लिका), मुल्लई मलर मेले (उत्तमा पुत्तिरन)।* फिल्म *तंगमलाई रगसियम* में कई गायक थे, लेकिन सुशीला का सबसे लोकप्रिय और मधुर गीत था *अमुदाई पोळियुम निलावे।* ऐसा गाना जो आपको चलते चलते रुक कर सुनने पर मजबूर कर दे।

1959 का कल्याण परिसु (शादी का उपहार) सुशीला के लिए एक करियर का उपहार बन कर आई। फिल्म में उन्होंने दो एकल और तीन युगल गीत गाए थे और सभी सदाबहार हिट रहे। इस फिल्म के साथ गायक एएम राजा संगीतकार बन गए और उनका संगीत एक सनसनी।

1960 के दशक में, सुशीला प्लेबैक की बेताज लेकिन निर्विवाद मलिका थीं। इस दशक की लगभग हर फिल्म में उनका एक गाना था। वामनन ने कहा, ''हर गाने के साथ उनकी आवाज़ और ज़्यादा खूबसूरत होती गई।'' *कर्पगम, मन्नादि मन्नन, कल्लात्तूर कन्नम्मा, पुदिया परवई, कादलिक्का नेरामिल्लई, कर्णन, वेन्निरा आडाई, आयिरत्तिल ओरुवन, पट्टनत्तिल बूदम, अन्बे वा, वानियम्बाडी, सरस्वती सबदम, नेन्जिल ओर आलयम, तिरुवरुट्सेल्वर, तिल्लाना मोगनाम्बाल* जैसी फिल्मों ने सुशीला को तमिल प्लेबैक संगीत में नंबर एक पर ला खड़ा किया।

वह महान संगीतकार विश्वनाथन-राममूर्ति, के वी महादेवन और जी रामनाथन की पसंदीदा गायिका थीं। पद्मिनी, सावित्री, के आर विजया, देविका, कंचना, सौकर जानकी और जयललिता जैसी शीर्ष अभिनेत्रियों ने स्वीकार किया है कि सुशीला के गीतों ने उनके अभिनय प्रदर्शन में गहराई और करिश्मा पैदा करने के साथ साथ उनकी छवि चमकाने में भी योगदान किया था। उन्होंने ए एम राजा, टी एम एस और एस पी बी के साथ कई यादगार युगल गीत गाए हैं।

उनका दबदबा 1970 के दशक में भी कायम रहा जहां उन्होंने कई राष्ट्रीय और राज्य पुरस्कार जीते और हिंदी फिल्मों में भी गाने गाए। वह कई संगीतकारों की पहली पसंद बनी रहीं। लेकिन धीरे-धीरे सुशीला ने फिल्म असाइनमेंट में छंटाई करते हुए भक्ति पर ध्यान केंद्रित किया और 1,000 से अधिक भक्ति गीतों की रिकॉर्डिंग की और भारत और विदेशों में लाइव शो किए। उन्होंने अमेरिका और कनाडा, यूरोप और मध्य पूर्व में बड़ी संख्या में श्रोताओं को मुग्ध किया। कई शहरों में, भारतीय समुदाय ने सुशीला और उनकी टीम को घरेलू आतिथ्य प्रदान करने का आग्रह भी किया था।

2008 में, पी सुशीला ट्रस्ट की स्थापना हुई। यह ट्रस्ट जरूरतमंद संगीतकारों को मासिक पेंशन प्रदान करता है। हर नवंबर में, एक धन-संग्रह संगीत समारोह आयोजित किया जाता है और इसमें लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार प्रदान किया जाता है। टी एम एस, पी बी श्रीनिवास, एस जानकी, वाणी जयराम, एल आर ईश्वरी, पी जयचंद्रन, एस पी बालासुब्रमण्यम और के जे येसुदास को पुरस्कार प्रदान किए जा चुके हैं।

''मैं पैदा ही गाने के लिए हुई हूं,'' सुशीला अपने शानदार और संतोष जनक करियर के बारे में कहती हैं, जिसने पूरे संगीत जगत को प्रेरित किया और लाखों प्रशंसकों और संगीत-प्रेमियों का मनोरंजन किया है। अपनी विनम्रता और सादगी सहित वह एक सेलिब्रिटी के रूप में भी एक रोल मॉडल रही हैं।

सुशीला के साथ (बाएं से) फिल्म कलाकार राजश्री, कंचना और सचू।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार और रोटरी क्लब मद्रास साउथ के सदस्य हैं

शब्दों की दुनिया

सारगर्भित विचार

संध्या राव

भोजन और आस्था, हमें वो बनाती है जैसे हम हैं

सफर मायने रखता है, हम जानते हैं, मंजिल नहीं और किताबें पढ़ना एक निरंतर चलता सफर है, विशेषकर अगर पढ़ने में आनंद आ रहा हो तो उत्सुकता बढ़ती जाती है कि इसका अंत कैसे होगा। लेकिन, आप अपनी आतुरता पर अंकुश लगाते हैं और धीरे -धीरे हर शब्द, वाक्य, विचारों का स्वाद लेते जाते हैं, यह हमारी कल्पनाशीलता को विस्तार देता है... कई लोगों के लिए, कोविड-19 वायरस के प्रसार के बाद हुआ लॉकडाउन, अपनी पाक कला की आज़माइश का और उसे निखारने का वक्त था।

समय का अकेले आनंद उठाने और कुछ लोगों के लिए, यह भीतर झाँकना शुरू करने का वक्त था। बहुत संभव है कि यह सब अवचेतन में रहा हो जब मैंने किताबों की दुकान पर शोबा नारायण लिखित *फ़ूड एंड फेथ: ए पिलग्रिम्स जर्नी थ्रू इंडिया* देखी; यह तो संभव ही नहीं था कि मैं उन पन्नों को न पलटूँ जिनमें स्पष्ट विचार, स्वच्छ लेखन, यहाँ तक कि जिनमें कुछ कुछ मेरा अपना भी परिलक्षित हो रहा था। लेकिन मैंने इसे जैक ओफ़याः द्वारा लिखित *डाइजेस्टिंग इंडिया: ए ट्रैवल राइटर्स सब-कॉन्टिनेंटल एडवेंचर्स विद द टमी* के बाद ही पढ़ना शुरू किया। ओह, ज़ैक! मुझे लगा मैं उसे पहचानती हूँ! और यात्रा करना और भोजन किसे पसंद नहीं है!

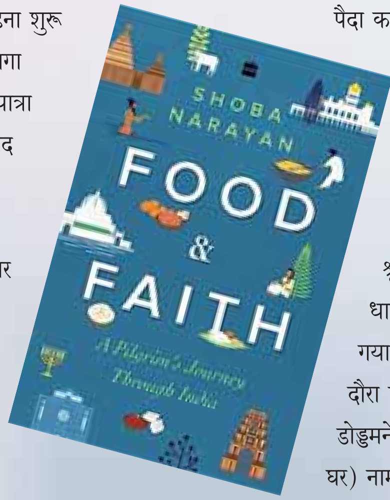

बेंगलुरु स्थित शोबा नारायण एक अंतरराष्ट्रीय स्तर की स्तंभकार और लेखिका हैं जो कला, संस्कृति, भोजन, यात्रा और फैशन के बारे में लिखती हैं। ज़ैक ओफ़याह स्वीडिश हैं; मैं उनसे कई साल पहले मिली थी उन्होंने अंग्रेजी और स्वीडिश में काफी लिखा है और बेंगलुरु शहर पर लिखे गए मिस्टर मैजेस्टिक जासूसी उपन्यासों की ट्रायोलॉजी के लेखक हैं, जहां वह अब रहते हैं।

डाइजेस्टिंग इंडिया स्वाद की ग्रंथियां खोल तंतुओं को गुदगुदाती है और यदा कदा पाठक को हंसने पर मजबूर कर देता है क्योंकि ओ याह यहां, वहां और हर जगह भोजन करने के अपने संस्मरणों का ज़िक्र किश्तों में करते हैं। वे लिखते हैं, 'मैंने हजारों प्रकार के अजीबो गरीब भोजन किए हैं, जिनमें शंघाई में तले हुए रेशम के कीड़ों से लेकर भूटान में उबली हुई बहुत तीखी मिर्च के राष्ट्रीय व्यंजन, आइसलैंड में अत्यंत लोकप्रिय सड़ी शार्क के अजीबोगरीब व्यंजन से लेकर जिम्बाब्वे में बकरी की आंत की करी तक शामिल हैं। नेपल्स के प्राचीन पिज़्ज़ा से लेकर डेनमार्क के कच्चे मांस के सैंडविच तक...' इससे आगे कहते हैं '...चूंकि मेरा 50 प्रतिशत लेखन स्थानीय व्यंजनों के सम्बन्ध में है, इसलिए मैंने स्वाभाविक रूप से पर्यटकों को होने वाले उतने ही प्रकार के दस्त भी झेले हैं, जितने किसी आम कुक बुक में व्यंजन होते हैं...' बाकी कल्पना खुद कर लें। फिर भी बेहतर ये होगा कि किताब पढ़ें।

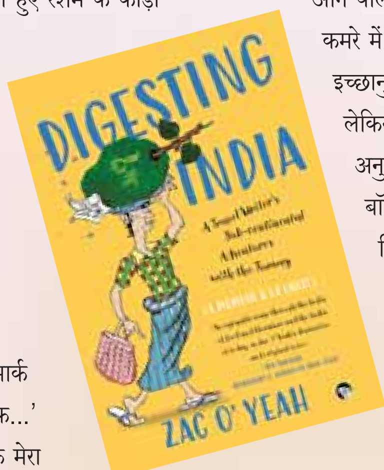

हालाँकि, यहाँ आपकी कल्पना में खीझ पैदा करने का सामान भी है : ओयेह ने आरके नारायण के सदाबहार उपन्यास *स्वामी एंड फ्रेंड्स* पर आधारित शंकर नाग द्वारा बनाई गई अद्भुत टेलीविजन श्रृंखला 'मालगुडी डेज़' के धारावाहिक में इस्तेमाल किया गया प्रमुख स्थल 'अगुम्बे' का दौरा किया।, उसे पता चलता है, डोड्डमने (शाब्दिक रूप से, बड़ा घर) नामक एक घर है, जिसका निर्माण 1900 में किया गया था। जब ओफ़्येह वहां जाता है तो देखता है कि कस्तूरीअक्का नामक एक खूबसूरत, वृद्ध महिला अब वहां के परिवार की मुखिया है। वह दो अन्य बुजुर्ग महिलाओं के साथ बैठी है, : 'इससे पहले कि मैं जान पाता कि यह कैसे हुआ, मेरे हाथ में भाप निकलता कशायम से भरा एक गिलास थमा दिया जाता है: एक दूधिया, हल्का मसालेदार (मेरे खयाल से तुलसी के पत्तों के साथ या और कुछ जिसे मैं समझ नहीं सका) स्वास्थ्यवर्धक पेय। कस्तूरीअक्का का आतिथ्य सर्वविदित है। गांव में आने वाले पर्यटक ऊपरी मंजिल के कमरे में ठहर सकते हैं और अपनी इच्छानुसार भुगतान कर सकते हैं, लेकिन अब वह फिल्मी लोगों को अनुमति नहीं देती।'' मगोवा, बॉम्बे, उज्जैन, कोलकाता, दिल्ली... आप जेडफ़ओ के भोजन का अनुसरण करते हुए और अधिक स्थानों की यात्रा कर सकते हैं, आप पन्ने पलटते जायेंगे और हँसते जाएंगे।

फ़ूड एंड फेथ एक अलग तरह की यात्रा है। जो विभिन्न पूजा स्थलों में *प्रसाद/प्रसादम* से शुरू हो कर - जैसे पंचामृतम, लड्डू, दोसाई, पेड़ा, बूंदी - इस के बारे में जानकारी लेते लेते - वह

इतिहास, भूगोल, संस्कृति, पौराणिक कथाओं और व्यक्तिगत मान्यताओं, आध्यात्मिकता, आस्था के साथ आत्मनिरीक्षण में परिणीत हो जाती है; यहां मौसमी फल और सब्ज़ियों के सेवन का प्रकरण भी है।

लेखिका अपनी जिज्ञासा में आपको उडुपी, काशी, पलानी, मदुरै, जयपुर, तिरुवनंतपुरम, अमृतसर, पुरी, मथुरा स्थित कई मंदिरों की यात्रा पर ले जाती है। आप अजमेर शरीफ जाते हैं, गोवा के चर्चों में जाते हैं और मुंबई में एक यहूदी परिवार के साथ रोश हशनाह मनाते हैं। जैसे-जैसे आप आगे बढ़ते जाते हैं, आप देखते हैं कि कैसे लेखिका भारत के बहुसांस्कृतिक, बहुधार्मिक, समावेशी परिदृश्य की आपसी मेलजोल की प्रकृति का वर्णन करते हुए धीरे-धीरे दूसरों को समझते हुए आगे बढ़ती है।

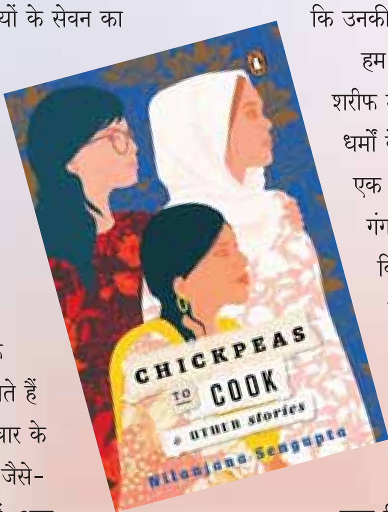

वह बताती हैं कि गोवावासी हमेशा से बढ़िया जीवन शैली के शौकीन रहे हैं। 'बढ़िया ज़िंदगी जीने के साथ,' वह लिखती हैं, अतीत के प्रति प्रतिबद्ध भी हैं।फ महान कार्टूनिस्ट दिवंगत मारियो मिरांडा सहित गोवा के कई कुलीन परिवार अपनी हिंदू जड़ों से जुड़े हुए रीति रिवाजों का सम्मान करते हैं। उनकी मृत्यु से पहले मैंने उनका साक्षात्कार लिया था तो मिरांडा ने मुझे बताया था कि उनके पूर्वजों ने हर फसल की शुरुआत में स्थानीय दुर्गा मंदिर में एक बोरी चावल और 101 नारियल देने का वादा किया था। यह वादा उन्होंने अपनी मृत्यु पर्यन्त निभाया, भले ही परिवार की सारी ज़मीनें बेच दी गई थीं और बावजूद इसके कि उनकी मातृभाषा पुर्तगाली थी।

हम सभी जानते हैं कि अजमेर शरीफ में इबादत के लिए सभी धर्मों के लोग आते हैं। 'यहां गंगा जमुनी संस्कृति है।' आप किसी भी धर्म में विश्वास रखते हों, ये हरेक की मदद करता है।

हम सभी जानते हैं कि अजमेर शरीफ में इबादत के लिए सभी धर्मों के लोग आते हैं। जैसा कि एक श्रद्धालु का कहना है: 'यहां गंगा जमुनी संस्कृति है।' आप किसी भी धर्म में विश्वास रखते हों, ये हरेक की मदद करता है। इसका सबसे अच्छा उदाहरण लेखिका की मित्र द्वारा किया गया जिनके माता-पिता कट्टर सिख थे। वह लिखती है, 'उन्होंने अपने इकलौते बेटे को एक सड़क दुर्घटना में खो दिया था जब वो सिर्फ बीस साल का था,' और अपनी सहेली को यह कहते हुए उद्धृत करती है, ''अपने धर्म पर सवाल उठाने या उस भगवान द्वारा धोखा दिए जाने के बजाय, जिसकी वे इतने लंबे समय से पूजा करते आ रहे थे, अत्यंत मुश्किल समय में यही उनके जीवन का सहारा था इसने उन्हें स्वस्थ रखा। इसने उन्हें जीवित रहने, जीने की ताकत दी।''

विश्वास ही तो सब कुछ है, फिर। ऐसे में भोजन से स्वाद जुड़ जाता है। उदाहरण के लिए, *पाल पायसम* या *खीर,* जो केरल के अम्बालापुळा में कृष्ण मंदिर का प्रसाद है, शोबा के अनुसार, अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रसाद है। वह लिखती हैं, 'यह गरिष्ठ नहीं है लेकिन इसमें गाढ़ापन है, अगर आपको इसका मतलब समझ में आ जाए।' यह भरपूर है लेकिन लेसदार नहीं है। यह घनीभूत किया हुआ गाढ़ा दूध है, लेकिन इसे पारम्परिक तरीके से बनाया गया है, इसमें बाज़ार में मिलने वाला तैयार गाढ़ा दूध (condensed milk) एक टिन भी नहीं मिलाया गया है, जो कि गाढ़ी खीर बनाने के लिए मेरा शॉर्टकट है। इसमें दूध को औटा कर वाष्पीकरण के माध्यम से गाढ़ा किया जाता है। चावल और दूध का अनुपात बिलकुल सही है। खीर के लिए चावल पर्याप्त है, लेकिन यह दूध पर हावी नहीं होते। और इसकी खुशबू का आभा मंडल अद्भुत है - जिसे व्यक्त नहीं किया जा सकता - पर जो किसी व्यंजन को विशिष्ट बना देती है।

नीलांजना सेनगुप्ता की चिकपीज़ टू कुक एंड अदर स्टोरीज़ एक अलग तरीके से गुनगुनाती है, अलग-अलग धुनों और स्वरों में, अनगिनत महिलाओं की सम्मिलित आवाज़ों के बारे में, छोटे लेकिन स्वादिष्ट सलाद बाउल में जिसका नाम सिंगापुर है। समीक्षकों द्वारा प्रशंसित, सिंगापुर में रहने वाली लेखिका की यह पुस्तक वर्गीकरण को अस्वीकार करती है: यह पुस्तक गैर-काल्पनिक है, पर पूर्ण रूप से वैसी नहीं है; यह जानकारी है, लेकिन सिर्फ यही नहीं है ; यह लोगों के जीवन के बारे में तो है पर उससे भी कहीं अधिक है... लेखिका स्वयं बताती हैं कि वह मसिंगापुर के बहु-धार्मिक, बहुसांस्कृतिक स्वरूपफ को देख रही हैं, जानबूझ कर सबसे छोटे समुदायों की महिलाओं को चुना है ... यह एक शहर के दिल में बसने वाली कालातीत धार्मिक मानवतावाद के भव्य, सुंदर, परिस्थिति व रीति रिवाज़ के सामूहिक विवरण पर एक नज़र है जो उसके महानगरीय संस्कृति और व्यावहारिक तथा राजनीतिक रूप से मिलनसार लोगों के भीतर छिपी है ...

वह सिंगापुर और उसके व्यापक सामाजिक-धार्मिक संदर्भ की पृष्ठभूमि में दाऊदी बोहरा, यहूदी, नट्टुकोट्टई चेट्टियार, यूरेशियाई, सिख, थेरवाद बौद्ध-बर्मी, चीनी-ताओवादियों और पारसी महिलाओं द्वारा सुनाई गई और अपने व्यक्तिगत सम्बंधों के आधार पर लिए गए साक्षात्कार के माध्यम से वास्तविक कहानियां पुनः दोहराई गई हैं। समझ नहीं आया, कोई बात नहीं, जैसे-जैसे आप पढ़ते जाएंगे, आप धीरे-धीरे उन छोटी-छोटी कहानियों और किस्सों को पढ़ते पढ़ते इन के तिलिस्म से रोमांचित होते जाएंगे जो सिंगापुर की जीवन शैली पर रोशनी डालते हैं। वास्तव में, इनमें से प्रत्येक पुस्तक सूर्य के नीचे इस धरती पर हमें अपना स्थान सुरक्षित करने के साथ साथ प्रत्येक जीवित वस्तु के अधिकार का सम्मान करना बताती है। सचमुच, चिंतन का विषय है।

स्तंभकार बच्चों की लेखिका और वरिष्ठ पत्रकार हैं।

मस्तिष्क की सफाई

भरत और शालन सवुर

हमें एक ऐसे मस्तिष्क का उपहार मिला है जो किसी चमत्कार से कम नहीं है। यदि किसी हानि की संभावना होती है तो यह त्वरित रूप से कार्यवाही करता है। जैसे आप गीली टाइल्स पर फिसल सकते हैं तो यह तुरंत आपको अपना संतुलन बनाने का निर्देश देता है और यदि आप गिरने लगते हैं तो यह आपके हाथों को गिरने से रोकने के संकेत देता है। यदि आप जमीन पर गिर जाते हैं तो यह दर्द के माध्यम से आपको सूचित करता है कि आपको चोट लगी हैं। और जब अगली बार आप गीली टाइल्स पर चलते है तो यह आपको उस घटना की याद दिलाकर संभलकर चलने के संकेत देता है।

विशेषज्ञ चिंतित हैं कि हम अनावश्यक जानकारी, तनाव और विषाक्त पदार्थों से इस अमूल्य अंग पर अत्यधिक भार डाल रहे हैं। मुद्दा यह है कि हमारे शरीर के इजद को अनदेखा और उपेक्षित न करें बल्कि अच्छे स्वास्थ्य के लिए इसकी प्राकृतिक आवश्यकता पर ध्यान दें।

मस्तिष्क की सकारात्मक सफाई

2012 में, यह पता चला कि जैसे शरीर में एक स्वयं-सफाई लिम्फैटिक प्रणाली होती है वैसे ही मस्तिष्क में भी एक स्वयं-सफाई ग्लिम्फैटिक प्रणाली होती है। एक सेरेब्रोस्पाइनल द्रव होता है जो मस्तिष्क की ओर जाने वाली छोटी रक्त वाहिकाओं के अगल-बगल के रिक्त स्थानों में प्रवेश करता है। द्रव मस्तिष्क कोशिकाओं के आसपास के अंतरालीय द्रव के साथ आदान-प्रदान करता है। यह अल्जाइमर रोग के कारक बीटा-एमिलॉयड्स जैसे अपशिष्ट प्रोटीन, मेटाबोलाइट्स जो हमारी चयापचय प्रक्रियाओं के अवशेष होते हैं और पर्यावरण के विषाक्त पदार्थ जैसे पारा, सीसा, आदि को इकट्ठा करके उसे बाहर निकालने की सुविधा प्रदान करता है। आगे एक कुशल और सावधानीपूर्वक की गई प्रोग्रामिंग देखने को मिली - जब हम जाग रहे होते हैं तो ग्लिम्फैटिक सिस्टम मस्तिष्क को ग्लूकोज, लिपिड्स, अमीनो एसिड्स और न्यूरोट्रांसमीटर (रासायनिक पदार्थ) जैसे आवश्यक पदार्थ वितरित करता है; और जब हम सो रहे होते हैं तब यह अपशिष्ट पदार्थ की सफाई करता है! और यह सफाई हमारे मस्तिष्क-ऊतक को होमियोस्टैसिस या स्थिर शारीरिक संतुलन की एक सुंदर स्थिति में रखती है।

एक बच्चे की तरह सोएं

विषैले पदार्थों से मस्तिष्क को मुक्त करने का सबसे प्रभावी तरीका है रात की एक बढ़िया सी नींद। गहरी नींद सुनिश्चित करने के लिए सुबह जागने पर शरीर पर अच्छी धूप पड़ने दें। यह नींद के हार्मोन मेलाटोनिन को कम करके शरीर की घड़ी को सेट करता है और मस्तिष्क को जागृत, सतर्क और स्पष्ट रखता है। यह सुनिश्चित करता है कि आप रात में स्वाभाविक रूप से सो जाएं क्योंकि अंधेरे में मेलाटोनिन बढ़ता है। और आप एक बच्चे की तरह आराम से 6 से 8 घंटे सो सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि आपको बाईं ओर सोना चाहिए क्योंकि इससे ग्लिम्फैटिक सिस्टम बेहतर कार्य करता है।

सूजन रोधी खाद्य पदार्थ खाएं

- बेरीज़ इस सूची में सबसे ऊपर है - ब्लैकबेरी, ब्लूबेरी, स्ट्रॉबेरी, आंवला, बेल, करोंदा - इनमें एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं जो रक्त-मस्तिष्क की बाधा को सफलतापूर्वक पार करते हुए मस्तिष्क को पोषित करते हैं। रक्त-मस्तिष्क बाधा रक्त

वाहिकाओं और ऊतक कोशिकाओं का एक नेटवर्क है जो हानिकारक पदार्थों को मस्तिष्क तक पहुंचने से रोकता है। हालांकि यह पानी, ऑक्सीजन, कार्बन डाइऑक्साइड, सामान्य एनेस्थेटिक्स और ग्लूकोज को अपने सुरक्षा कवच में प्रवेश करने की अनुमति देता है। पत्तेदार साग, चुकंदर, ब्रोकली, शिमला मिर्च और गाजर फ्री रेडिकल क्षति से लड़ते हैं। मस्तिष्क को तनाव देने वाले हानिकारक रसायनों के संपर्क में आने पर हमारे शरीर द्वारा फ्री रेडिकल उत्पन्न होते हैं।

- अदरक-लहसुन का संयोजन प्रो-इंफ्लेमेटरी प्रोटीन के स्तर को कम करता है और मस्तिष्क को स्पष्ट एवं स्वस्थ रखता है।
- नट्स और बीज आम तौर पर स्मृति में सुधार करते हैं और सूजन को रोकते हैं।
- दही- अध्ययनों से पता चलता है कि दही खाने के बाद मस्तिष्क भावनाओं से निपटने वाले कुछ क्षेत्रों में सकारात्मक प्रदर्शन करता है।
- बीन्स - फाइबर, विटामिन बी, ओमेगा फैटी एसिड से भरपूर होने के साथ ही रक्त-शर्करा रिसाव को नियंत्रित करते हैं, एकाग्रता और स्मृति में मदद करते हैं जिससे हमें दिनभर बिना रुके एक प्रवाह में लगातार काम करने में मदद मिलती है। ❊ओट्स, ब्राउन राइस एंटी-इंफ्लेमेटरी होते हैं, हमारे सेरोटोनिन और मेलाटोनिन स्तर को बढ़ाते हैं जिससे क्रमशः शांति और नींद में वृद्धि होती हैं।
- उबला हुआ या फ़िल्टर किया हुआ पानी मस्तिष्क को हाइड्रेट रखता है और इसके संज्ञानात्मक और मोटर कौशल में मदद करता है। प्रोसेस्ड मीट, ट्रांसफैट और सफेद चीनी से बचें।

नीरसता को दूर करने का अभ्यास करें

चलना, साइकिल चलाना और योग जैसी शारीरिक गतिविधियां स्वस्थ सिनैप्सस को बढ़ावा देती हैं - ये न्यूरॉन्स के बीच की छोटी जगह होती है जिससे उन्हें संवाद करने में मदद मिलती हैं। योग शिक्षक मस्तिष्क को विषैले पदार्थों से मुक्त रखने हेतु हल मुद्रा और कपालभाति की सलाह देते हैं।

हल मुद्रा: अपनी पीठ के बल लेट जाएं, हथेलियों को नीचे रखें। पैरों को फर्श से 90 डिग्री ऊपर उठाएं। अपने हाथों से कूल्हों को उठाएं और धीरे-धीरे अपने दोनों पैरों को ऊपर उठाते हुए अपने सिर के ऊपर से पीछे ले जाकर पैरों की उंगलियों द्वारा फर्श छू जाने तक मोड़ें। 30 सेकंड के लिए इसी मुद्रा में रहें।

कपालभाती: रीढ़ की हड्डी को सीधा करके बैठें। गहरी सांस लें। और नाभि को रीढ़ की तरफ खींचते हुए बलपूर्वक सांस छोड़ें। नाभि और पेट को आराम दें और सांस को स्वाभाविक रूप से अपने फेफड़ों में बहने दें। एक दौर में इस प्रकार की 20 सांसें होती हैं।

अनावश्यक रूप से न सोचें

शारीरिक व्यायाम के अलावा, मन को आराम देने के लिए गैर-शारीरिक तकनीकों के साथ तनाव को दूर करना महत्वपूर्ण है। इसे मनोरंजन, आराम और कल्याण के आंतरिक वातावरण की आवश्यकता होती है। पूछें, ममैं अपने जीवन में खुशियाँ कैसे लाऊँ? गायन, बागवानी, खेल, नृत्य, सकारात्मक लेखन, ध्यान, खाना पकाना, लंबी पैदल यात्रा करना आदि जैसे शौक तनाव को दूर करने के महान कारक होते हैं।

कुछ दिलचस्प प्रयोग आपके साथ प्रतिध्वनित होकर आपके मस्तिष्क को शांत और प्रसन्न रख सकते हैं क्योंकि यह कुछ गतिविधियों में लिप्त होता है।

मोज़र्ट प्रभाव:

1993 में प्रोफेसर फ्रांसिस रौशर ने महसूस किया कि मोजर्ट को सुनकर उनकी याददाश्त और बुद्धिमत्ता में सुधार हुआ है। उन्होंने कॉलेज के 36 छात्रों को इकट्ठा किया और उनके लिए 10 मिनट तक मोज़र्ट पियानो सोनाटा बजाया। बच्चों को आराम और शांति महसूस हुई। हालांकि, यह शांतिपूर्ण प्रभाव लंबे समय तक नहीं रहा!

संस्कृत इफेक्ट :

साइन्टिफिक अमेरिकन में लिखने वाले डॉ जेम्स हार्टज़ेल द्वारा स्थायी प्रभाव को संस्कृत इफेक्ट नाम दिया गया। उनके शोध से पता चलता है कि वैदिक मंत्रों को याद करने से अल्पकालिक स्मृति जैसे संज्ञानात्मक कार्यों से जुड़े मस्तिष्क क्षेत्रों का आकार बढ़ जाता है। जाहिर है, 21 जपकर्ताओं में 21 गैर-जपकर्ताओं की तुलना में सघन ग्रे पदार्थ और एक मोटा कॉर्टेक्स मौजूद था। बेहतर स्मृति, निर्णय लेना, संवेदी धारणा जैसे ये परिवर्तन स्थायी रहते हैं। यह जानने के लिए अधिक शोध की आवश्यकता है कि यह आजीवन रहते है या कुछ साल।

अंत में, चीजों को व्यवस्थित करें। हाथ में एक कैलेंडर रखें। एक लिखित सूची तैयार करें। चीजों को याद रखने के लिए उन्हें संक्षेप में लिख लें ताकि आप उन्हें भूलें नहीं। अपने जीवन से नकारात्मक व्यक्तियों को दूर रखें। उन वेबसाइटों से दूर रहें जो आपके मस्तिष्क का समय नष्ट करती है। बाहर समय बिताएं। ये छोटे अभ्यास आपके मस्तिष्क को मुक्त और साफ रखते हैं।

लेखक फिटनेस फॉर लाइफ, *और* बी सिम्पली स्पिरिचुअल - यू आर नैचुरली डिवाइन *के लेखक है और* फिटनेस फॉर लाइफ *कार्यक्रम के शिक्षक है।*

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब चिदंबरम मिड टाउन - रो ई मंडल 2981

इनर व्हील क्लब के सदस्यों, इंट्रक्टरों और रोटरेक्टरों के लिए भाषणबाजी और शतरंज प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

रोटरी क्लब विशाखापट्टनम - रो ई मंडल 3020

गवर्मेंट जूनियर एवं डिग्री कॉलेज में आईपीडीजी भास्कर राम ने पेयजल संयंत्र का उद्घाटन किया।

रोटरी क्लब पुदुकोट्टई सिटी - रो ई मंडल 3000

चेट्टीनाड सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के साथ संयुक्त रूप से आयोजित एक हृदय संबंधी शिविर में लगभग 230 लोगों की जांच की गई।

रोटरी क्लब भुसावल रेलसिटी - रो ई मंडल 3030

आईपीडीजी आनंद झुंझुनूवाला ने विधायक संजय सावकरे और क्लब के तत्कालीन अध्यक्ष मकरंद चंदवाडकर की उपस्थिति में शहर के प्रवेश द्वार पर एक रोटरी गार्डन की आधारशिला रखी।

रोटरी क्लब दिल्ली मयूर विहार - रो ई मंडल 3012

श्रीजी गो सदन गौशाला में एक वृक्षारोपण अभियान चलाया गया और गाय के चारे एवं अन्य वस्तुओं की खरीद के लिए धनराशि दान की गई।

रोटरी क्लब गणदेवी - रो ई मंडल 3060

डीजीई तुषार शाह ने गदत के अंबिका हाई स्कूल को 15 कंप्यूटर, तीन लैपटॉप, पांच प्रोजेक्टर और दो प्रिंटर सौंपे।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब खरड़ - रो ई मंडल 3080

क्लब द्वारा राडियाला के सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला में चार शौचालय खंड का निर्माण और एक पेयजल स्टेशन की स्थापना की गई।

रोटरी क्लब वाराणसी सेंट्रल - रो ई मंडल 3120

आईपीडीजी अनिल अग्रवाल द्वारा सरकारी हाईस्कूल और इंटर कॉलेजों की 111 छात्राओं को साइकिलें प्रदान की गईं।

रोटरी क्लब समाना - रो ई मंडल 3090

रोटरी भवन में आयोजित एक नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद सर्जरी शिविर में लगभग 290 मरीजों की जांच की गई।

रोटरी क्लब पुणे हेरिटेज - रो ई मंडल 3131

अहमदनगर में भारत विकास परिषद की मदद से आयोजित एक विशेष कृत्रिम अंग शिविर में ₹7 लाख की लागत से 80 विकलांगों को कृत्रिम अंग लगाए गए।

रोटरी क्लब पीलीभीत - रो ई मंडल 3110

दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ट्रैक्टर ट्रेलरों और कृषि उपज को बाजार में ले जाने वाले अन्य वाहनों के सामने रोटरी रिफ्लेक्टर टेप चिपकाए गए।

रोटरी क्लब सोलापुर प्राइड - रो ई मंडल 3132

सोलापुर के युगंधर मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल में एक नि:शुल्क डायलिसिस केंद्र स्थापित किया गया। इस परियोजना से 150 से अधिक रोगी लाभान्वित हो रहे हैं।

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब मीरा रोड - रो ई मंडल 3141

नगर निगम के एक स्कूल के बच्चों को बारिश से बचने और मानसून के दौरान स्कूल जाने में मदद करने के लिए बरसातियाँ वितरित की गईं।

रोटरी क्लब होनावर - रो ई मंडल 3170

सेल्को फाउंडेशन के सीईओ, मोहन हेगड़े; मेंडा फाउंडेशन, बेंगलुरु; अमेरिका के रोटरी क्लब सेंट्रल चेस्टर के डॉ वसंत प्रभु के दान से एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय में एक स्मार्ट कक्षा स्थापित की गई।

रोटरी क्लब गुंटूर विकास - रो ई मंडल 3150

गुंटूर के मटुर गांव में एक दुर्घटना में अपने पैर गंवा चुके एक विकलांग व्यक्ति को ₹50,000 के सामान के साथ एक चाय की दुकान दान की गई।

रोटरी क्लब कोयम्बटूर मोनार्क्स - रो ई मंडल 3201

इम्पेल फेरोकास्ट की मदद से कोयंबटूर कैंसर फाउंडेशन को एक ऑक्सीजन कंसंट्रेटर और फर्नीचर दान किया गया।

रोटरी क्लब भालकी फोर्ट - रो ई मंडल 3160

डोंबरी झुग्गी बस्ती के परिवारों को कंबल, पोशाक सामग्री, दस्ताने और रजाई वितरित किए गए।

रोटरी क्लब त्रिकारपुर - रो ई मंडल 3204

आईपीडीजी प्रमोद नयनार ने दो मंजिला रोटरी कम्युनिटी सेंटर में स्थापित एक क्लिनिक का उद्घाटन किया।

Rotary PEOPLE OF ACTION

मंडल गतिविधियाँ

रोटरी क्लब अलेप्पी ईस्ट - रो ई मंडल 3211

अंबालापुझा और पुन्नापारा के दो सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों को लगभग 100 चश्मे वितरित किए गए।

रोटरी क्लब गिंडी - रो ई मंडल 3232

नए पदाधिकारियों की स्थापना के दौरान सीएसआर और टीआरएफ को व्यक्तिगत योगदान के रूप में 63,000 डॉलर और ₹23.5 लाख प्राप्त हुए।

रोटरी क्लब शिवकाशी - रो ई मंडल 3212

गोल्डन हार्ट शिविर में चेन्नई के अपोलो अस्पताल के सहयोग से रोटरी स्कूल में 135 बच्चों की जांच की गई।

रोटरी क्लब बोकारो स्टील सिटी - रो ई मंडल 3250

ममारकुदुर के श्री शारदा विद्यालय को एक जल भंडारण टैंक, फ्रिज और एयर कंडीशनर दान किया गया।

रोटरी क्लब वेल्लोर नॉर्थ - रो ई मंडल 3231

पीडीजी सी आर चंद्रबॉब और क्लब के सदस्यों की उपस्थिति में एक महिला को ₹11,600 की लागत से एक सिलाई मशीन दान की गई।

रोटरी क्लब साल्ट लेक मेट्रोपॉलिटन - रो ई मंडल 3291

रिशरा में रोटरी क्लब श्रीरामपुर के साथ आयोजित किए गए एक एनीमिया शिविर में 150 से अधिक महिलाओं की जांच की गई। उन्हें आयरन, कृमिनाशक और कैल्शियम की गोलियां दी गईं।

वी मुत्तुकुमारन द्वारा संकलित

मुद्रित पुस्तकों के लिए बुरी खबर

LBW

टीसीए श्रीनिवासा राघवन

करीब दस साल पहले मुझे नहीं मालूम था कि रिटायर होने के बाद मैं क्या करूंगा, तो मैंने एक पूर्व सहकर्मी की सलाह ली जो बहुत अच्छा सलाहकार है। एक उपन्यास लिखो, उसने कहा। इसलिए, मैंने शुरू कर दिया, इसे चार साल लगे और पांच साल पहले पूरा हो गया था। प्रकाशक ढूंढने में कुछ वक्त लगा और अंततः चार साल पहले इसे प्रकाशित भी कर दिया गया।

व्यावसायिक दृष्टि से यह एक बुरी तरह विफल रहा था। लेकिन उसकी समीक्षाएँ अच्छी थीं, क्योंकि, मैं खुद भी यही कहता हूँ, यह एक अच्छी तरह से संरचित और प्रभावपूर्ण तरीके से लिखी गई किताब है। वैसे, समीक्षाओं में भी यही कहा गया है। यह प्रकाशन उद्योग में एक गैरजिम्मेदार लेकिन चतुर युवक की कहानी है। कुछ बहुत ईमानदार मित्र, जो शिष्टता की परवाह नहीं करते और स्पष्ट बोलते हैं, उनका भी यही कहना था कि यह एक अच्छी किताब है।

लेकिन तसल्ली के नाम पर इतना काफी नहीं थी। इसे बहुत कम लोगों ने खरीदा था, 500 से कम। इसलिए मैंने कसम खाई कि कभी दूसरा उपन्यास कभी नहीं लिखूंगा। बहुत मेहनत लगती है इसमें और ख़ुदा न ख़्वास्ता अगर आपकी किताब औंधे मुंह पड़ गई जैसा ज़्यादातर किताबों के साथ होता है तो फिर से कोशिश करने की हिम्मत नहीं होती।

लेकिन पिछले साल मैं अपने बेटे और उसके परिवार से मिलने गया जहां एक बार फिर बुरी तरह ऊब गया था। मैं घर में रहने वाला मैं अकेला वृद्ध था जिसका एकमात्र काम था मेरे पोते को बग्घी में बिठा कर उसके बाल शिशुगृह तक ले जाना और शाम को वहां से वापस लाना। तो एक दिन मैं पार्क में एक बेंच पर बैठा था, मैंने अपना आईफ़ोन निकाला और एक नया उपन्यास टाइप करना शुरू कर दिया। यह करीब एक साल से मेरे भीतर कुलबुला रहा था।

इसकी कहानी लगभग 60 वर्ष की उम्र के उन छह लोगों के बारे में है जो हर साल छह महीने के लिए उत्तर भारत की पहाड़ियों में एक ही विशाल मकान किराए पर लेते हैं। वे अपनी पत्नियों को पीछे छोड़ आते हैं, दोनों पक्षों ने वादा किया कि संपर्क सप्ताह में सिर्फ एक बार होगा वो भी एक कॉल तक सीमित रहेगा जिसकी अवधि तीन मिनट से अधिक नहीं होगी। पत्नियाँ भी जो चाहें करने के लिए स्वतंत्र हैं, जिसमें अगर इस उम्र के इस पड़ाव में कोई बॉयफ्रेंड मिल जाए तो उसे अपनाना भी शामिल था। आठ वर्षों तक यह व्यवस्था ठीक से चलती रही लेकिन फिर समस्याएँ आने लगीं।

उपन्यास इसी सम्बन्ध में था। मैं 15,000 शब्द लिख चुका था जो ऐसी किताबों का लगभग एक चौथाई भाग होता है। इसलिए, भारत लौटने पर, मैंने कुछ प्रकाशक मित्रों को फोन किया और पूछा कि क्या वे इसके प्रकाशन पर विचार करेंगे। मेरी पलक झपकती, इस से पहले ही सब ने मना कर दिय। इन दिनों कोई कुछ नहीं पढ़ता, कम से कम उपन्यास तो नहीं और अंग्रेजी में लिखने वाले भारतीय लेखकों के उपन्यास तो बिलकुल भी नहीं – और आप जैसे अज्ञात उपन्यासकारों का तो सवाल ही नहीं उठता। मेरी ख्याति तृतीय श्रेणी के उपन्यासकार के रूप में फैल चुकी थी। बस, मैनें उसी वक्त उपन्यास लिखना बंद कर दिया।

हजारों अन्य उपन्यासकारों की तरह, मुझे भी अपने पहले उपन्यास पर कोई रॉयल्टी नहीं मिली थी। लेकिन आप जानते हैं क्या? मैंने एडवांस पर जोर दिया था। थोड़ा था पर ठीक है, पर आगामी वर्षों में वो भी गायब हो जाएगा।

और इस तरह ये दुनिया एक उत्कृष्ट कृति से महरूम रह गई। लेकिन मुझे यकीन है कि दुनिया में इस आघात को सहने की क्षमता है ; परन्तु मैं किताबों के दीर्घकालिक भविष्य को ले कर बहुत चिंतित हूँ। मेरी सलाह देने वाली मशीन दिमाग का सोचना है कि किताबें ज़िंदा रहेंगी क्योंकि वह तो आशावादी हैं जिसे सच्चाई को नजरअंदाज करना पसंद है। लेकिन मैं इससे असहमत हूं। कम से कम कागज पर छपी किताबें मिंक कोट जैसी ऊंची कीमत पर मिला करेंगी और ये बाज़ार में नहीं टिक पाएंगी। मेरा ये भी मानना है कि स्व-प्रकाशन की प्रवृत्ति जोर पकड़ेगी जहां प्रकाशकों की मध्यस्थता समाप्त हो जाएगी। पुस्तकें इंटरनेट के माध्यम से निःशुल्क उपलब्ध हुआ करेंगी। इसका मतलब है कि जीविकोपार्जन के लिए किताबें लिखना असंभव हो जाएगा। हजारों अन्य उपन्यासकारों की तरह, मुझे भी अपने पहले उपन्यास पर कोई रॉयल्टी नहीं मिली थी। लेकिन आप जानते हैं क्या? मैंने एडवांस पर जोर दिया था। थोड़ा था पर ठीक है, पर आगामी वर्षों में वो भी गायब हो जाएगा। जैसे-जैसे ऑनलाइन उपन्यासों की आपूर्ति बढ़ कर असीम होती जाएगी, कीमत शून्य हो जाएगी। ■

ADVT.

A Spoken
English
Programme
for
Student Teachers

Rotary

What is Project Punch?

Project Punch is a 3-day Spoken English training programme by Rotary Club of Virudhunagar for student teachers (B.Ed. students) to improve their Communicative English and Public Speaking skills.

The programme has been designed in such a way that the participants get the fundamentals to start their journey of communication skills development and that the top performers receive special attention and booster sessions for further improvements.

As on
July, 2023

No. of Occurrences
50
No. of Beneficiaries
5413

Contact: Project Chairman - Rtn.A.Shyamraj - 97502 07464

IDHAYAM
PROMISE OF HEALTH AND HAPPINESS

LEKHA ads/July 23/ Rotary/2

Registered No. TN/CCN/359/2021-2023 | Total number of pages in this monthly issue, including cover, 84. Price: ₹40
Licensed to post WPP No.TN/PMG(CCR)/WPP 421/21-23
Regd with RNI TNHIN/2001/05271. Rotary Samachar Published 1st week of every month. Posted at Egmore RMS Patrika Channel. Date of posting: 6–12 every month.

ADVT.